डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

# रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 18.10.2021 से 24.10.2021 ▶ वर्ष-38 ▶ अंक-42 ▶ मूल्य ₹10.00

### यूपीएससी में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

# निराश और हताश न हों विद्यार्थी, मार्ग बनाएं, आगे बढ़ें, सरकार करेगी सहयोग - मुख्यमंत्री

**भोपाल, विद्यार्थी कठोर परिश्रम, आत्मविश्वास, एकाग्रता, मजबूत इच्छा-शक्ति और निरंतर प्रयासों से बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों ने इस वर्ष लगभग दोगुनी संख्या में यूपीएससी की मुख्य परीक्षा में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है। मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध करवायेगी। विद्यार्थी लंबी उड़ान भरें। उड़ने के लिए अनंत आसमान है। यूपीएससी जैसी परीक्षा में चयनित होना गर्व की बात है, लेकिन चयनित विद्यार्थियों को सेवा में आने के बाद ऐसे कार्य करने हैं कि वे सदैव याद रखे जाएं। आम जन के प्रति स्नेह हो और देश और प्रदेश के निर्माण में भरपूर योगदान भी दें। सिविल सर्विसेस धन कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश बनाने का तरीका सीखने और राष्ट्र सेवा का माध्यम है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में 'सफलता के मंत्र' कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में यूपीएससी में चयनित मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं के साथ।

### विद्यार्थी रुचि के अनुरूप चुनें कॅरियर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार कॅरियर चुनता है तो सफलता की संभावना बढ़ जाती है। श्री चौहान ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि सुरों में माहिर लता मंगेशकर जी को कोई सरकारी नौकरी का आग्रह करता तो यह बेतुकी बात होती। वे गायन में बेमिसाल हैं, इसलिए उस क्षेत्र में आगे बढ़ी और बेहद कामयाब हुईं। मध्यप्रदेश के चयनित छात्र-छात्राएं पूरी क्षमता के साथ राष्ट्र सेवा कर अपने चयन को सिद्ध करें।

### स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लें युवा

श्री चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जो किया न जा सके। वे कहते थे उठो और जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक तुम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते। युवाओं को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने प्रेरक कविता 'लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती...' के माध्यम से युवाओं से आह्वान किया कि सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कोशिशें करते रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल सेवा और अन्य सेवाओं में तीन तरह के अधिकारी होते हैं। प्रथम जो रूटीन किस्म का कार्य करते हैं, दूसरे जो कार्य को अटकाने में विश्वास रखते हैं और तीसरे जो नियमों की परिधि में निर्णय भी लेते हैं और वांछित लक्ष्य की पूर्ति करते हुए कार्यों से हमेशा याद रखे जाते हैं। श्री चौहान ने आईएएस स्व. एम.एन. बुच का स्मरण करते हुए उन्हें इस श्रेणी का अफसर बताया, जिन्हें जनता हमेशा याद रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंद को सुख दे सकें, सदैव ऐसे प्रयास किए जाएं। श्री चौहान ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को जरूरी बताया।

**प्रदेश में विद्यार्थी कल्याण की योजनायें**

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के माध्यम से मेडिकल और इंजीनियरिंग की शिक्षा के साथ ही आईआईटी और आईआईएम के लिए चुने गये विद्यार्थियों की फीस भरने का कार्य किया है। इसके अलावा छात्रावास उपलब्ध न होने पर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्र गृह योजना में कमरे के किराये की राशि का भुगतान करवाया गया। श्री चौहान ने कहा कि उन्हें संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में इस वर्ष प्रदेश के 39 विद्यार्थियों के चयन की जानकारी जब प्राप्त हुई तो इन विद्यार्थियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों ने अपने परिश्रम से निजी सफलता ही प्राप्त नहीं की, प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया है। अभी तक हम कहते थे कि मध्यप्रदेश में समृद्ध वन सम्पदा है, खनिज संपदा है, जल संपदा है और जन संपदा है। अब हम यह भी कहेंगे कि यहां प्रतिभा संपदा भी है। अनेक विद्यार्थियों ने मुश्किल परिस्थितियों में रहकर परीक्षा की तैयारी की और सफलता हासिल की।

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति

## प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए तैयार हो रहा है ई-कंटेंट

**भोपाल,** उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए प्रथम चरण में सभी संकायों के 17 मुख्य विषयों का ई-कंटेंट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर तक एक हजार से अधिक ई-कंटेंट मॉडल तैयार किए जाने की कार्य-योजना है। प्रथम वर्ष के लिए लगभग 1500 मॉड्यूल्स के ई-कंटेंट तैयार करने का लक्ष्य है। द्वितीय चरण में कुछ अन्य विषयों पर भी कंटेंट तैयार किए जाएंगे। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर ई-कंटेंट उपलब्ध कराने वाला मध्यप्रदेश संभवत देश का पहला राज्य होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को कोर्स की किताबों के अलावा पढ़ाई के लिए ई-मटेरियल भी उपलब्ध होगा। ऑनलाइन माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसके संपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि तैयार किए जा रहे कंटेंट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम अनुसार वीडियो व्याख्यान, ई-टेक्स्ट, मूल्यांकन के प्रश्न तथा अन्य विषय-वस्तु के संदर्भ उपलब्ध होंगे।

**17 विषयों पर तैयार हो रहा ई-कंटेंट**

विभिन्न चयनित शिक्षकों को 17 विषयों वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित, संस्कृत, अंग्रेजी साहित्य, आधार पाठ्यक्रम, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, भू-गर्भ शास्त्र, हिंदी, वाणिज्य, टेक्सटाइल तथा क्लॉथिंग पाठ्यक्रमों का मॉड्यूल वार विभाजन कर कंटेंट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। शेष विषयों में शिक्षकों की संख्या कम होने के कारण पुनः आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके अलावा मुख्य तथा अन्य विषयों के साथ वैकल्पिक विषयों पर भी ई-कंटेंट तैयार किया जा रहा है।

### खास खबर

## 'अनुभूति' कार्यक्रम में 3 लाख 20 हजार विद्यार्थी होंगे शामिल

**भोपाल,** वनमंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 'अनुभूति' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 3 लाख 20 हजार स्कूली विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। पहली बार अशासकीय विद्यालयों के 2 लाख विद्यार्थियों को 'न लाभ-न हानि' के आधार पर शुल्क प्राप्त कर अनुभूति शिविरों से जोड़ा जाएगा।

वनमंत्री ने बताया कि विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर उन्हें इसके संरक्षण के लिए जागरुक किया जाएगा। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

### अंदर के पृष्ठों पर

**अत्यंत गौरव की बात है कि सिविल सेवा परीक्षा 2020 में मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में प्रतिभाओं का चयन हुआ है।**

**'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक में हम इन्हीं प्रतिभागियों के अनुभव व परिचय प्रकाशित कर रहे हैं जिन्हें आप पृष्ठ संख्या 9, 10, 11, 12 एवं 19 पर पढ़ते हुए अपने भविष्य की पृष्ठभूमि तैयार कर सकते हैं।**

### आजादी का अमृत महोत्सव

# भारत को गति और शक्ति देगा 'गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान'

**नई दिल्ली,** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हम अगले 25 वर्षों के भारत की बुनियाद रख रहे हैं। 'पी.एम. गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' भारत के इसी आत्मबल और आत्मविश्वास को आत्मनिर्भरता के विजन तक ले जाने वाला है। यह प्लान 21वीं सदी के भारत को गति एवं शक्ति देगा। 'नेक्स्ट जनरेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर और मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी' से देश को गति शक्ति मिलेगी। अधोसंरचना से जुड़ी सरकारी नीतियों में योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन कर तक को यह प्लान गति देगा। सरकार के प्रोजेक्ट समय-सीमा में पूरे हों, इसके लिए यह प्लान सही जानकारी और सटीक मार्ग-दर्शन प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित 'प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' कार्यक्रम में मिंटो हॉल, भोपाल से वर्चुअली सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गति शक्ति के इस महाभियान के केंद्र में भारत के लोग, भारत के उद्योग-व्यापार जगत, निर्माता, किसान और भारत के गांव हैं। यह भारत की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए 21वीं सदी के भारत के निर्माण को नई ऊर्जा देगा और अवरोधों को दूर करेगा। 21वीं सदी का भारत सरकारी व्यवस्थाओं की पुरानी सोच को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रहा है। आज का मंत्र है 'विल फॉर प्रोग्रेस, वर्क फॉर प्रोग्रेस, प्लान फॉर प्रोग्रेस, प्रिफ्रेंस फॉर प्रोग्रेस।' अर्थात् विकास की इच्छा-शक्ति, विकास के लिये कार्य, विकास के लिये योजना तथा विकास के लिए प्राथमिकता।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन, कल्पनाशील मस्तिष्क, विकास की ललक, रोडमैप तैयार करना और उस पर पूरी ताकत से पूरे देश को चलाना, सचमुच अद्भुत है। वे एक नया भारत गढ़ रहे हैं। विकास के इस महाअभियान में मध्यप्रदेश पूरी ताकत से जुटेगा। मध्यप्रदेश तत्काल पी.एम. गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान से जुड़ने का फैसला करता है।

श्री चौहान ने कहा है कि विकास के लिए सामूहिक शक्ति और एकजुटता से ताकत लगाने की आवश्यकता है। विभिन्न विभागों की गतिविधियों में परस्पर समन्वय जरूरी है।

# बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान ही प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में प्रमाण-पत्र वितरित करते हुये।

**भोपाल,** मध्यप्रदेश में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य-सुविधा, स्वावलंबन, समृद्धि और उनका सम्मान ही हमारी प्राथमिकता है। यह केवल मामा की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। नारी तुम केवल श्रद्धा हो, यह भाव अगर मजबूत होगा तो निश्चित तौर पर देश आगे बढ़ेगा। बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण देने और बैंक ऋण पर सरकार की तरफ से गारंटी देने का कार्य किया जाएगा। उच्च शिक्षा के लिए शिक्षण शुल्क की व्यवस्था भी की जाएगी। कॉलेज में दाखिला लेने वाली लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को 25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। प्रदेश में माता-पिता के बिना, अनाश्रित स्थिति में मिली बेटियों को भी लाड़ली लक्ष्मी मानकर योजना के लाभ दिये जाएंगे। लाड़ली लक्ष्मी दिवस उत्सव के रूप में न सिर्फ राज्य स्तर पर बल्कि जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर मनाया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित लाड़ली लक्ष्मी उत्सव को संबोधित करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 'लाड़ली लक्ष्मी उत्सव' में प्रदेश की 21 हजार 550 लाड़लियों के खातों में 5.99 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का अंतरण किया।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

## 9 अक्टूबर

### आरबीआई ने आईएमपीएस के जरिये लेन-देन की सीमा बढ़ाई

●भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने आईएमपीएस (इमिडिएट पेमेंट सर्विस) के

IMPS IMMEDIATE PAYMENT SERVICE

जरिये लेन-देन की सीमा बढ़ाने की घोषणा की है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुये कहा कि आईएमपीएस की सीमा को दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया जायेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि देश में अब जल्द ही बिना इंटरनेट के भी डिजिटल पेमेंट किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य दूरदराज के इलाकों में लोगों को डिजिटल पेमेंट की सुविधा देना है। उल्लेखनीय है कि आईएमपीएस एक इंटर बैंक इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सर्विस है, जिसे मोबाइल फोन के जरिये एक बैंक खाते से किसी दूसरे बैंक के खाते में रकम ट्रांसफर कर सकते हैं।

●देशभर में तीन करोड़ से ज्यादा लोगों ने ई-श्रम पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है। यह जानकारी केंद्रीय श्रम एवं रोज़गार मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट के जरिये दी। श्री यादव ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल देश में असंगठित कामगारों का पहला राष्ट्रीय डाटाबेस है। उन्होंने कहा कि असंगठित कामगारों को एक अलग पहचान और मान्यता दिलाने के लिये ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई है। कोविड-19 महामारी से पहले हमारे पास असंगठित श्रमिकों को लाभ पहुंचाने का कोई साधन नहीं था, क्योंकि उनका कोई डाटा हमारे पास उपलब्ध नहीं था, लेकिन अब ई-श्रम कार्ड देशभर में सरकारी लाभ प्राप्त करने के लिये एकल कार्ड के रूप में काम करेगा।

## 10 अक्टूबर

### दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

●केंद्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के मेल से देश के दूरदराज के इलाकों तक डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी और समावेशी विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार दूरसंचार क्षेत्र में सुधार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिये पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। श्री वैष्णव ने कहा कि वन क्षेत्र, आदिवासी क्षेत्र, देश के पूर्वोत्तर के हिस्से और पहाड़ी इलाकों में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पारंपरिक तरीकों से डिजिटल सेवायें नहीं पहुंच पाई हैं। हमें उम्मीद है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के साथ हम इन तक पहुंच पाने में सक्षम होंगे।

●केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने अगले साल तक 450-500 अरब डॉलर का निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में भारत से होने वाला निर्यात 197 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। हम अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

## 11 अक्टूबर

### एलएसी विवाद को लेकर भारत-चीन के बीच वार्ता हुई विफल

●भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने को लेकर सैन्य कमांडर स्तर पर हुई 13वें दौर की वार्ता बिना किसी नतीजे पर पहुंचे समाप्त हो गई। यह वार्ता चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पाइंट पर आयोजित की गई। वार्ता के बाद भारतीय सेना ने कहा कि हमने एलएसी से लगे इलाकों और दूसरे विवादित हिस्सों को लेकर कई रचनात्मक सुझाव दिये, लेकिन चीनी सेना इस पर सहमत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एलएसी पर बनी स्थिति चीनी सेना द्वारा यथास्थिति को बदलने तथा द्विपक्षीय समझौतों के उल्लंघन के एकतरफा प्रयासों के कारण पैदा हुई है। भारतीय सेना ने कहा कि चीन इन इलाकों को लेकर उचित कदम उठाये, जिससे एलएसी के साथ ही बाकी इलाकों में भी शांति बहाल की जा सके।

●भारत किर्गिस्तान में विकास कार्यों के लिये 20 करोड़ डॉलर की आर्थिक सहायता

देगा। यह जानकारी भारत के विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने किर्गिस्तान यात्रा के दौरान दी। विदेश मंत्री ने किर्गिज नेताओं के साथ द्विपक्षीय मामलों पर बातचीत की। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग में बढ़ोत्तरी और अफगानिस्तान के मामलों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार जिन विकास कार्यों के लिये समझौतों पर हस्ताक्षर हुये हैं, वे जनता को व्यापक लाभ पहुंचाने वाले हैं।

●अफगानिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय वार्ता के लिये रूस एक बैठक आयोजित करने जा रहा है। इस वार्ता में रूस के साथ चीन, भारत, ईरान और पाकिस्तान भी शामिल हो रहे हैं। रूस इस वार्ता में तालिबान को भी आमंत्रित करने जा रहा है। अफगानिस्तान में रूसी राजदूत जामिर काबुलोव ने यह जानकारी दी। यह वार्ता मॉस्को में 20 अक्टूबर को आयोजित होगी।

## 12 अक्टूबर

### डीसीजीआई ने 2 से 18 साल के बच्चों के लिये कोवैक्सीन को दी मंजूरी

●भारत में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका के बीच ड्रग्स कंट्रोलर

जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने बच्चों के टीकाकरण के लिये वैक्सीन को मंजूरी प्रदान की है। डीसीजीआई ने 2 से 18 साल तक के बच्चों के लिये कोवैक्सीन के इस्तेमाल को अनुमति दी है। बच्चों को कोवैक्सीन की दो डोज दी जायेगी। अभी देश में कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पूतनिक-वी वैक्सीन लगाई जा रही है। ये वैक्सीन 18 साल से अधिक आयु के लोगों को लगाई जा रही है। डीसीजीआई ने इससे पहले जायडस कैडिला की वैक्सीन जायकोव-डी को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। यह वैक्सीन 12 साल से अधिक उम्र के किशोरों के लिये है। जायकोव-डी तीन डोज वाली वैक्सीन है। भारत में बनी यह दुनिया की पहली डीएनए बेस्ड वैक्सीन है।

●अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद देश में तालिबान और इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस-के) के बीच संघर्ष बढ़ गया है। इन दोनों संगठनों के संघर्ष के मद्देनजर अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द काबुल छोड़ने को कहा है। दोनों देशों ने आशंका व्यक्त की है कि अफगानिस्तान में मस्जिद पर हुये आतंकी हमले के बाद होटलों पर भी आतंकी हमले हो सकते हैं। अमेरिका ने कहा कि जो भी अमेरिकी नागरिक सेरेना होटल या उसके पास रुके हैं, वे तुरंत अफगानिस्तान छोड़ दें, यहां सुरक्षा को लेकर खतरा है।

## 13 अक्टूबर

### पॉलिसी बांड के डिजिटल संस्करण का शुभारम्भ

●संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने नई दिल्ली में आजादी का अमृत महोत्सव के

भारतीय डाक India Post
डाक विभाग
संचार मंत्रालय
भारत सरकार

अवसर पर एक कार्यक्रम में डाक जीवन बीमा योजना बांड के डिजिटल संस्करण का शुभारम्भ किया, जिसे 'ईपीएलआई बांड' भी कहा जाता है। डाक विभाग के सचिव श्री विनीत पांडे ने 'ईपीएलआई बांड' का उद्घाटन करते हुए कहा कि ईपीएलआई बांड डाक विभाग का डिजिलॉकर के साथ पहला डिजिटल एकीकरण है जो नागरिकों को आसानी से पहुंच और त्वरित दावा निपटान की सुविधा सार्थक तरीके से प्रदान करेगा। ई-पीएलआई बांड डिजीलॉकर, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार के सहयोग से उपलब्ध कराया गया है। डिजिलॉकर विभिन्न संगठनों के लिए दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों के भंडारण, साझाकरण और सत्यापन के लिए एक सुरक्षित क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म प्रदान करता रहा है।

●विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने कजाकिस्तान के नूर-सुल्तान में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। इसके अलावा दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्री ने कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटरेक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया (CICA) की मंत्रिस्तरीय बैठक के इतर रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि नूर-सुल्तान में सीआईसीए की बैठक के इतर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात करके अच्छा लगा। हमारे द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर ध्यान दिया। अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत पर नोट्स का आदान-प्रदान किया।

## 14 अक्टूबर

### प्रधानमंत्री ने पीएम गति शक्ति योजना का किया शुभारंभ

●प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गति शक्ति-

राष्ट्रीय मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रगति मैदान में नए प्रदर्शनी परिसर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आज अगले 25 वर्षों के लिए भारत की नींव रखी जा रही है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के विश्वास को आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह मास्टर प्लान 21वीं सदी के भारत को गति (गतिशक्ति) देगा।' उन्होंने कहा कि आज का 21वीं सदी का भारत पुरानी प्रणालियों और तौर-तरीकों को पीछे छोड़ रहा है। 'आज का मंत्र है - प्रगति के लिए कार्य, प्रगति के लिए संपत्ति, प्रगति के लिए योजना, प्रगति के लिए प्राथमिकता।'

●केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय में दक्षिण एशिया व राष्ट्रमंडल राज्यमंत्री लॉर्ड तारिक अहमद के साथ संयुक्त रूप से महात्मा गांधी नरेगा के तहत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित वाटरशेड योजना में जलवायु सूचना के एकीकरण के लिए जलवायु लचीलापन सूचना प्रणाली और योजना (सीआरआईएसपी-एम) उपकरण का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण समारोह में श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सीआरआईएसपी-एम टूल महात्मा गांधी नरेगा की जीआईएस आधारित योजना और कार्यान्वयन में जलवायु जानकारी को जोड़ने में सहायता करेगा।

## 15 अक्टूबर

### केंद्रीय वित्त मंत्री ने वॉशिंगटन डीसी में हुई बैठक में हिस्सा लिया

●केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने वॉशिंगटन डीसी में हुई आईएमएफ-विश्व बैंक की सालाना बैठकों से इतर इटली की अध्यक्षता में जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की चौथी बैठक में भाग लिया। यह इटली की अध्यक्षता में जी-20 के अंतर्गत अंतिम एफएमसीबीजी बैठक थी और इसमें वैश्विक आर्थिक सुधार, कमजोर देशों को महामारी समर्थन, वैश्विक स्वास्थ्य, जलवायु उपाय, अंतर्राष्ट्रीय कराधान और वित्तीय क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया व समझौते हुए। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि संकट से सुधार की राह पर आने के लिए, सभी को टीकों की समान उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। वित्त मंत्री ने सुझाव दिया कि समर्थन जारी रखना, लचीलापन बढ़ाना, उत्पादकता में सुधार और संरचनागत सुधार हमारे नीतिगत लक्ष्यों में शामिल होने चाहिए।

●प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने दिनांक 20 जुलाई, 2021 की अधिसूचना के तहत फॉस्फेटिक और पोटासिक (पी एंड के) उर्वरकों की बढ़ी हुई कीमतों को एक अक्टूबर, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक पूरे वर्ष 2021-22 के लिए लागू करने को अपनी मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने डायमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की बढ़ी हुई अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को समाहित कर लिया है। केन्द्र सरकार ने एक विशेष एकमुश्त पैकेज के रूप में प्रति बैग डीएपी की सब्सिडी को 438 रुपये बढ़ाने का निर्णय लिया, ताकि किसानों को उसी कीमत पर डीएपी मिल सके।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

# वाहन मालिक अपने पुराने नंबर नए वाहन के लिए कर सकेंगे उपयोग

**भोपाल**, परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि वाहन मालिक पुराने चार पहिया वाहनों को आवंटित नंबर का उपयोग अपने नए वाहनों के लिए कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए वाहन मालिक द्वारा पुराने नंबर के लिए दी गई राशि अथवा न्यूनतम 15 हजार रुपये में जो भी अधिक होगा, भुगतान करना होगा।

श्री राजपूत ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार कंडम अथवा निष्प्रयोजित वाहन के स्क्रेप के साथ ही उसका नंबर भी ब्लाक कर दिया जाता था। इस व्यवस्था में वी.आई.पी. नंबर लेने वाले वाहन मालिक को नया नंबर लेना पड़ता था। राज्य शासन द्वारा की गई नवीन व्यवस्था में अब सीधा लाभ वी.आई.पी नम्बर लेने वाले वाहन मालिकों को मिल सकेगा।

श्री राजपूत ने बताया कि मई 2014 के पूर्व प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर वाहन क्रमांक आवंटित किये जाते थे, जिसमें 01 से 09 नंबर का शुल्क 15 हजार, 10 से 100 का 12 हज़ार, विशिष्ट नंबरों के लिए 10 हजार एवं शेष नंबरों का शुल्क 2 हजार रुपये था। इस अवधि के बाद वी.आई.पी. नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। चूँकि नीलामी प्रक्रिया के द्वारा मूल वाहन स्वामी द्वारा विशिष्ट नंबरों का काफी बड़ी राशि देकर क्रय किया जाता था। अब नई पालिसी में उनके या उनके परिवार वाला व्यक्ति उसी श्रेणी का वाहन खरीदने पर पूर्व वाहन के नंबर का उपयोग कर सकेगा।

### लाइसेंस के लिए अब ऑनलाइन मेडिकल सर्टिफिकेट

परिवहन मंत्री ने बताया कि आमजन को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है।

श्री राजपूत ने बताया कि अब कोई भी आवेदक लर्निंग लाइसेंस, नवीन ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन, नवीनीकरण अथवा ड्राइविंग लाइसेंस में अन्य श्रेणी के आवेदन के साथ रजिस्टर्ड चिकित्सक द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे।

# मध्यप्रदेश में अब तक 6 लाख विद्यार्थियों का हुआ प्रवेश

**भोपाल**, मध्यप्रदेश के 1301 सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों में इस शिक्षण सत्र में अब तक 6 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें 75 प्रतिशत एडमिशन सरकारी कॉलेजों में हुए हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र में 5.64 लाख छात्र छात्राओं ने एडमिशन लिया था। इस वर्ष यूजी एवं पीजी में 7.78 लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। अभी तक 7.10 लाख विद्यार्थियों का सत्यापन हुआ है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जी.ई.आर. बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि इस वर्ष रिकॉर्ड 6 लाख विद्यार्थियों का एडमिशन हुआ है। उन्होंने कहा कि अभी लगभग 1 लाख विद्यार्थी वेटिंग लिस्ट में है। विभाग ने फीस जमा करने की तिथि को 10 अक्टूबर से बढ़ाकर 14 अक्टूबर कर दिया है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि हर विद्यार्थी को अपनी पसंद के विषय अनुसार प्रवेश मिले, सभी को एडमिशन दिए जाएंगे। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थी अपने रुझान के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकेंगे।

वर्ष 38, अंक 42 18.10.2021 से 24.10.2021
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

**वार्षिक सदस्य बनने के लिये** रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
**रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011**
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है।
रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

# ऑनलाइन जनसेवाओं से बढ़ी विकास की रफ्तार

मध्यप्रदेश में नागरिकों को लोक सेवाएं सरलता से समय-सीमा में उपलब्ध कराने की राज्य सरकार ने गारंटी दी है। इसी उद्देश्य से सीएम जनसेवा और मोबाइल गवर्नेंस सेवाओं को विस्तार दिया जा रहा है। साथ ही विभिन्न जनसेवाओं की प्रदाय व्यवस्था को भी और अधिक पुख्ता किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की जनकल्याण की सोच का ही परिणाम है कि मध्यप्रदेश सरकार जनता को राहत पहुंचाने, फाइलों का बोझ कम करने और पारदर्शिता लाने और गैर जरूरी प्रमाण-पत्रों की अनिवार्यता को खत्म करने के लिये शासन में ई-गवर्नेंस प्रणाली को लागू किया है। प्रणाली को दिनों-दिन अधिक प्रभावी रूप दिया जा रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने सात नये पोर्टल और आठ लोक सेवा केंद्र शुरू किये हैं। इन पोर्टल से नागरिकों को मिलने वाली जन सुविधाएं बढ़ेंगी और उनके कार्य आसान होंगे। प्रदेश में ई-रूपी व्यवस्था को ई-वाउचर के रूप में लागू किया जा रहा है। ई-रूपी के माध्यम से सीधे हितग्राही को विशिष्ट प्रयोजन के उद्देश्य से कैश बैनीफिट ट्रांसफर किया जा सकेगा। राज्य शासन द्वारा नागरिकों को प्रभावी, पारदर्शी और त्वरित सुविधाएं प्रदान करने के लिये ऑनलाइन प्रणाली को भी और अधिक सक्षम और व्यवस्थित बनाया जा रहा है। किसानों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं, श्रमिकों, निराश्रितों, वृद्धों और हितग्राहियों आदि को योजना और आर्थिक मदद की राशि राज्य सरकार द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचाई जा रही है। प्रदेश के सभी शासकीय विभागों में बिल पेमेंट की ऑनलाइन व्यवस्था लागू की जायेगी। सभी हितग्राही-मूलक योजनाओं के लिये आवेदन से लेकर हित लाभ वितरण या अंशदान देने की पूरी प्रक्रिया को भी ऑनलाइन किया जा रहा है। जन सुविधाएं और सेवाएं, एप पर ही ऑनलाइन दी जा रही हैं। हितग्राही चिन्हांकन और लाभ प्रदाय में पारदर्शिता को और बेहतर बनाया जा रहा है। उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को काउंसलिंग, एडमिशन और छात्रवृत्ति प्रदाय आदि सेवाओं को शीघ्र ही पूरी तरह ऑनलाइन किया जायेगा। मध्यप्रदेश में देश में पहली बार 2010 से लागू अपनी तरह के पहले और अनूठे लोक सेवा गारंटी अधिनियम में अधिसूचित सेवाओं को प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के लिये विकासखंड और तहसील स्तर पर कुल 430 लोक सेवा गारंटी केंद्र स्थापित हैं। इन केंद्रों से अधिनियम के दायरे में शामिल लोक सेवाओं का लाभ लिया जा सकता है। अब राज्य सरकार ने नागरिकों को उनके निवास स्थान के नजदीक ही लोक सेवाएं उपलब्ध करवाने के मद्देनजर नये उप लोक सेवा केंद्र शुरू करने का फैसला लिया है। कलेक्टर ये उप केंद्र शुरू कर सकेंगे। प्रदेश सरकार ने अब न्यायालयीन सेवाओं को भी लोक सेवा केंद्रों से आम लोगों को उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। नागरिक अपने नजदीक के लोक सेवा केंद्र से हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के न्यायिक आदेश की सत्यापित प्रति प्राप्त कर सकते हैं। अब लोक सेवा केंद्रों द्वारा नागरिक सेवाओं के प्रमाण-पत्र और दस्तावेज स्पीड पोस्ट से उपलब्ध कराने की नयी पहल की गई है। नागरिक अपनी सुविधानुसार निर्धारित राशि का भुगतान कर चाही गई सेवा का प्रमाण-पत्र या दस्तावेज स्पीड पोस्ट से अपने घर पर प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में ऑनलाइन जनसेवाओं के विचार से प्रदेश की जनता को अच्छी सुविधा हासिल हुई है। आने वाले दिनों में इसके और विस्तार से लोगों को जनसुविधा प्राप्त करने में और आसानी हो सकेगी।

# समुद्री तापमान बढ़ने से मछलियों पर संकट

जलवायु परिवर्तन के चलते अनेक परिवर्तन हो रहे हैं। अध्ययन में कहा गया है कि इससे पृथ्वी के साथ ही समुद्र के तापमान बढ़ने का विपरीत प्रभाव मछलियों की कई प्रजातियों पर खत्म होने का संकट मंडरा रहा है। अभी हाल ही में हुये एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है, इसमें कहा गया है कि समुद्र के गर्म होने से मछलियां कम होती जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हेरिंग, पायलकार्ड और सार्डिन सहित कई लोकप्रिय मछलियों का आकार सिकुड़ रहा है और ये प्रजातियां विलिप्त होने का सामना कर सकती हैं। चिली के सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज इन एरिड जोन और यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के विशेषज्ञों ने पता लगाया कि पिछले तापमान में उतार-चढ़ाव ने मछली के विकास को कैसे प्रभावित किया है। शोधकर्ताओं के सामने हैरान कर देने वाले तथ्य सामने आये। उन्होंने पाया कि अतीत में गर्म पानी के कारण मछली के आकार में कमी आई है। जिसके परिणामस्वरूप उनके मेटाबॉलिज्म को बढ़ते तापमान के अनुकूल बनाने की आवश्यकता थी, दरअसल वायु परिवर्तन के कारण मछलियों के आसपास की स्थिति बदलती है, ऐसे में उपयुक्त वातावरण में स्थानांतरित होने की मछलियों की क्षमता सीमित हो सकती है। यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक चिंताजनक रिपोर्ट के तुरंत बाद आया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अगले 20 वर्षों के भीतर पृथ्वी 1.5 डिग्री सेल्सियस तक गर्म होगी, गर्म होता पानी मछली के लिये दोहरी मार है, क्योंकि वे केवल उन्हें एक छोटे आकार में विकसित करेगा, बल्कि अधिक उपयुक्त वातावरण में जाने की उनकी क्षमता को भी कम करता है। हाल ही में एक अध्ययन के परिणामों में दावा किया गया कि समुद्र का तापमान पहले से कहीं अधिक तेजी से बढ़ने के साथ मछली बहुत जल्दी विकासवादी दृष्टि से पीछे छूट जायेंगी और जीवित रहने के लिये तमाम तरह के संघर्ष करने को मजबूर होंगी। इसका सभी मछलियों और हमारी खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि हम जिन प्रजाति की मछलियों को खाते हैं, उनमें से कई आने वाले दशकों में तेजी से दुर्लभ अस्तित्वहीन हो सकती हैं।

**- देवेश तिवारी**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

**विश्व खाद्य दिवस | 16 अक्टूबर**

# कोई न सोए कभी भूखा

**दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भूखे हैं, ईश्वर उनके सामने सिर्फ रोटी के रूप में प्रकट हो सकते हैं -**

महात्मा गांधी का यह कथन बिल्कुल सही है, क्योंकि अगर कोई व्यक्ति भूखा है, तो उसके लिए सबसे बड़ी जरूरत भोजन ही है। इसलिए भूखे को भोजन कराना हर धर्म में नेकी का काम माना जाता है। मगर पूरे विश्व में इसकी समानता नहीं दिखाई देती है। कहीं किसी के पास आवश्यकता से अधिक है, तो किसी के पास पेट भरने के लिए भी नहीं होता है। कोई ज्यादा खाकर बीमार है, तो कोई कुपोषण का शिकार है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार दुनिया की 40 फीसदी आबादी ऐसी है जो स्वस्थ आहार लेने में सक्षम नहीं है। ऐसे में हमें ऐसी खाद्य कृषि प्रणाली की आवश्यकता है, जहां सही दाम में सही पोषण के साथ सभी के लिए उत्तम आहार उपलब्ध हो। इस दुनिया में किसी को भी भोजन की कमी के कारण किसी भी तरह के कुपोषण का सामना न करना पड़े। आहार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का आधार सन् 1945 का वह वर्ष था, जब द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद इस पर विचार किया गया कि कैसे संपूर्ण विश्व में मानव का संतुलित और सर्वांगीण विकास हो। विश्व में लोगों को संतुलित भोजन मिले और वे कुपोषण के दायरे से बाहर होकर स्वस्थ जीवन जीयें और अपना व समाज का विकास करें। लोगों को संतुलित भोजन मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि विश्व में खाद्यान्न का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में हो और साथ ही भोजन व्यर्थ न फेंका जाए। लगातार विश्व की जनसंख्या में वृद्धि और खाद्य पदार्थों के सीमित भंडार को देखते हुए खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की जरूरत निरंतर महसूस हुई। 'खाद्य एवं कृषि संगठन' Food and Agriculture Organization (FAO) की स्थापना 16 अक्टूबर 1945 को की गई थी। पूरे विश्व में आर्थिक तंगी के कारण भुखमरी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं इसे खत्म करने के लिए वर्ष 1980 से 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाना शुरू किया गया।

### ताकि खत्म हो दुनिया से भुखमरी

'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में गरीबी एवं भुखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। खासतौर पर अफ्रीकी महाद्वीप के कई देश भयंकर भुखमरी से ग्रस्त हैं, रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया इनमें शामिल हैं। इसके साथ ही एशिया समेत हर महाद्वीप में ही यह स्थिति है कि कुछ लोगों के पास यदि आहार ज्यादा है तो कुछ के पास पेट भरने के लिए भी नहीं है। **अफ्रीका के अत्यंत गरीब देशों में शुमार हैती में भूख से लड़ने के लिए लोगों ने नया हथियार खोजा है, वहां के लोग मिट्टी, तेल और नमक को मिलाकर कुकिज बनाकर बेचते हैं, जिन्हें वहां की गरीब जनता भोजन के रूप में अपनाती है।** मिट्टी को भोजन के रूप में ग्रहण करने की यह कल्पना ही कितनी अजीब है, जो हमारी इसी दुनिया की हकीकत है। ऐसे में आहार के प्रति लोगों को जागरूक करने, उन्हें संवेदनशील बनाने और आहार का सही ढंग से पर्यावरण के हित में उपयोग करने के लिए विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। ताकि जिनके पास अधिक है वह उसका संरक्षण करके जरूरतमंदों को सहयोग करें।

### बेहतर उत्पादन, बेहतर पोषण, बेहतर पर्यावरण और बेहतर जिंदगी

हर वर्ष यह दिवस किसी न किसी विशेष थीम पर मनाया जाता है। वर्ष 2021 में इसकी थीम है 'Our actions are our future- Better production, better nutrition, a better environment and a better life' यानी हमारे कर्म में ही हमारा भविष्य बेहतर उत्पादन, बेहतर पोषण, बेहतर पर्यावरण और बेहतर जिंदगी। हम जिस आहार को चुनते हैं, उसका असर हमारी सेहत पर भी पड़ता है। यह एग्रो फूड सिस्टम को भी प्रभावित करता है। पूरे विश्व में इसे 150 देश मिलकर अपने-अपने स्तर पर सेलिब्रेट करते हैं। इस पर स्कूल, कॉलेजों और अन्य संगठनों में रचनात्मक कार्यक्रम, सेमीनार, भाषण आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भूख और पोषण की कमी के प्रति जागरूकता का कार्य किया जाता है। #WorldFoodDay के माध्यम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट फॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर कैंपेन चलाया जा रहा है। जिस पर विभिन्न तरह के वीडियो और आकर्षक कंटेंट से लोगों को खाने के प्रति जागरूक करने और जो भूखे हैं उनके लिए मिलकर सहयोग करने की अपील की जा रही है।

### खाद्य संरक्षण की दिशा में काम करने वाले फूड हीरो

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य और कृषि एजेंसी (एफएओ) ने 17 खाद्य नायकों को चुना है। इन्होंने अपने आसपास के लोगों को भोजन उपलब्ध कराने और खाद्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण काम किए हैं। छोटे-छोटे बदलाव के जरिए ही बड़े काम किए जा सकते हैं यह इन 17 नायकों ने साबित किया। इनमें से कुछ नाम ये हैं -

**जॉर्जिया की इरिया वासीलिएवा :** इरिना पश्चिमी जॉर्जिया में बगदाती के वर्तसिखे गांव में रहती हैं। उनका परिवार सदियों से यहां पर खेती करता रहा है। उनके पति और उनके बच्चे भी इस काम में उनकी मदद करते हैं। ये उनकी आजीविका का प्रमुख साधन भी है। महामारी की वजह से रेस्तरां और दूसरे व्यवसायों पर लगी रोक की वजह से उन्हें कुटैसी के बाजार में अपनी फसल बेचने को मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने ये भी कहा कि एफएओ और यूरोपीय संघ की मदद से उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ और परिवार की आर्थिक हालत भी सुधरी। एफएओ ने उनके गांव में नए किसान फील्ड स्कूल और प्रदर्शनी के जरिए खेती की नई विधियां बताईं।

**मोजाम्बिक की एंटोनियो केंडेरियो :** अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के चिम्बा की छोटे महिला किसान समूह की नेता एंटोनियो केंडेरियो को भी फूड हीरो के रूप में चुना गया है। वह बताती हैं कि कई बार हम बाढ़ का तो कई बार सूखे का सामना करते हैं। ऐसे में सब कुछ खत्म होने के बाद खेती के लिये दोबारा नए बीजों की आवश्यकता होती है। बीजों का संरक्षण बहुत आवश्यक है। ऑस्ट्रेलियन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और एफएओ के सहयोग से वे अपने समुदाय के हित में बीजों के संरक्षण के कार्य में जुटी हुई हैं।

**ब्राजील की बेला गिल :** बेला गिल एक कामयाब शेफ, प्रजेंटर, राइटर और एक्टिविस्ट हैं, जो सेहतमंद, पोषक तत्वों से भरपूर, स्थायी आहार को प्रमोट करती हैं। उन्होंने प्लांट बेस्ड सस्टेनेबल रेस्टॉरेन्ट साओ पाउलो में खोला है। वह कोशिश करती हैं कि किसी भी रेसिपी को बनाते समय कम से कम फूड वेस्ट हो और हेल्दी डाइट के लिए ग्राहकों को जागरूक भी किया जाए। बेला गिल का रेस्टॉरेन्ट केमिला ओडोडो स्थानीय संसाधनों, जैव विविधता और स्थायी विकास के हिसाब से पैदा होने वाले फल और सब्जियों का प्रयोग करता है। बेला किसानों और ग्राहकों के बीच कड़ी के रूप में काम कर रहीं है, इसलिए उन्हें फूड हीरो के रूप में एफएओ ने चुना है। वह मानती हैं कि भोजन वह लेंस है, जिससे हमने दुनिया को देखने का तरीका चुना है... भोजन ही जिंदगी है।

### कोरोनाकाल और उसके बाद और बिगड़ी तस्वीर

कोरोना महामारी के आने के बाद से लोगों को आर्थिक समस्याओं का लगातार सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक तंगी, भुखमरी की वजह से कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक ने अपनी जिंदगी को खत्म करने तक का फैसला कर लिया, तो दूसरी तरफ इन विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का काम भी कई संस्थाओं, व्यक्तियों ने अपने-अपने स्तर पर किया। कई वैश्विक रिपोर्टों का कहना है कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से करोड़ों लोग भयानक गरीबी और भूख की चपेट में हैं। संयुक्त राष्ट्र का एक अध्ययन कहता है कि लॉकडाउन का आर्थिक प्रभाव यह है कि करोड़ों लोग अत्यंत गरीबी का जीवन जी रहे हैं और आने वाले दिनों में यह संकट और विशाल रूप लेने वाला है। सबसे चिंताजनक बात तो यह है कि नए गरीबों में आधे से अधिक लोग दक्षिण एशिया खासकर भारत के हैं।

### एग्रो फूड यूनिट के माध्यम से संभव खाद्य संरक्षण

किसानों द्वारा उत्पादन के बाद फसलों के भंडारण और प्रोसेसिंग से लेकर बाजार तक आपूर्ति करने की व्यवस्था इनमें होती है। किसान जो फसल उत्पादन करते हैं, उनके पास भंडारण की व्यवस्था नहीं होती। फल, सब्जियों के कुछ ही समय में सड़ने की आशंका रहती है। ऐसे में मेगा फूड पार्क में एग्री प्रॉडक्ट्स के भंडारण की व्यवस्था रहती है। इसके अलावा इन प्रॉडक्ट्स की प्रोसेसिंग कर उनकी कीमत बढ़ाई जाती है यानी उन कच्चे माल को ज्यादा कीमत वाले प्रॉडक्ट्स में बदला जाता है। एक उदाहरण से ऐसे समझिए कि इलाके में टमाटर की खूब उपज होती है, तो किसानों से खरीदकर उसका टोमेटो सॉस तैयार कर बाजार में उपलब्ध कराया जाए। इसी तरह जहां मूंग की पैदावार ज्यादा हो, वहां मूंग से कई तरह के प्रॉडक्ट्स तैयार कर बाजार में बेचे जाएं। इससे किसानों को भी प्रत्यक्ष तौर पर लाभ मिलता है। उन्हें उत्पादन की अच्छी कीमत मिलती है। संयुक्त राष्ट्र के फूड एंड एग्रीकल्चरल ऑर्गनाइजेशन की जो इस वर्ष की थीम है उसमें भी खाद्य एवं कृषि को एक साथ लाकर स्थाई विकास की ओर ध्यान देने की बात कही गई है। किसानों को उनकी उपज की सही कीमत मिले और उनके प्रॉडक्ट्स की प्रोसेसिंग कर बाजार उपलब्ध कराया जा सके यही एग्रो फूड यूनिट का उद्देश्य होता है। इनके माध्यम से एक बड़ी आबादी को अपने ही आसपास के क्षेत्रों में रोज़गार मिल जाता है। इन यूनिट को अधिक से अधिक संख्या में स्थानीय स्तर पर विकसित करने की आवश्यकता है।

**सर्जना चतुर्वेदी**

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड-उज्जैन

यंत्रमहल मार्ग, गउघाट उज्जैन, Ph. 0734-2551567, Mob. 9424877892
Email : exeujjain@gmail.com

क्र. 4872/लेखा/का.यं./2021-22 उज्जैन, दिनांक : 5.10.2021

### निविदा सूचना क्र. 29/2021-22, दिनांक 05/10/2021

जल जीवन मिशन के अंतर्गत उज्जैन जिले के विकासखण्ड महिदपुर एवं तराना के विभिन्न ग्रामों की नलजल योजनाओं में शत प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन किये जाने के कार्य की निम्नानुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| स. क्र. | सिस्टम क्रमांक | विकासखण्ड | अनुमानित लागत रु. में | धरोहर राशि रु. में | निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2021_PHED_ 162613_1 | लसुडियागोयल, जोडमालक्खा, कल्लापिपलिया वि.ख. महिदपुर | 2,06,10,408/- | 2,06,104/- | 15,000/- |
| 2. | 2021_PHED_ 162614_1 | डूंगरिया, कोयल, महू, ठिकरिया वि.ख. महिदपुर | 2,76,54,417/- | 2,76,544/- | 15,000/- |
| 3. | 2021_PHED_ 162615_1 | गोदरी, तेजलाखेडी, भोडलिया, खज्जूखेडी, लसुडियाअमरा, पाट वि.ख. तराना | 4,32,69,113/- | 4,32,691/- | 15,000/- |
| 4. | 2021_PHED_ 162616_1 | दूधली, भटूनी, जवासियाकुमार, बोरदाधाक वि.ख. तराना | 3,15,39,557/- | 3,15,396/- | 15,000/- |
| 5. | 2021_PHED_ 162617_1 | बिसनखेडा, बंजारी, दिलोद्री, देवली, नौगांवा, बागोदा | 4,22,86,622/- | 4,22,866/- | 15,000/- |
| 6. | 2021_PHED_ 162618_1 | डोबडागुर्जर, गुराडियागुर्जर, छापरी, लोध, बेरछी | 3,40,04,994/- | 3,40,050/- | 15,000/- |
| | | **योग :-** | **199365111/-** | **1993651/-** | **90000/-** |

निविदा के अन्य विवरण की विस्तृत जानकारी **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 21.10.2021 शाम 17.30 बजे** तक निर्धारित है।

**कार्यपालन यंत्री**

जी-17968/46060/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड-उज्जैन (म.प्र.)**

## कार्यालय प्राचार्य, संभागीय अनु. जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र, ग्वालियर (शारदा विहार, सिटी सेंटर, ग्वालियर)

Phone No. - 0751-2990883, Email - adpetcgwa@mp.gov.in

### विज्ञप्ति

क्र. 20/ दिनांक : 5.10.2021

### अतिथि विद्वानों (व्याख्याताओं) के पैनल तैयार करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

**आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर, 2021**

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र में एससी/एसटी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे - म.प्र. लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित चयन परीक्षा, पीईवी भोपाल, एस.एस.सी. बैंकिंग तथा रेल्वे भर्ती बोर्ड आदि द्वारा आयोजित चयन/प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये अध्यापन कार्य हेतु निम्न विषयों के अतिथि व्याख्याताओं का पेनल तैयार किया जाना है -

1. गणित अभियोग्यता (quantitative aptitude)
2. रीजनिंग क्षमता
3. अंग्रेजी भाषा
4. कम्प्यूटर तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
5. विज्ञान एवं तकनीकी तथा पर्यावरण
6. अर्थशास्त्र
7. इतिहास - संस्कृति एवं साहित्य आदि
8. भूगोल (म.प्र. भारत एवं विश्व का भूगोल)
9. लोक प्रशासन एवं राज्य व्यवस्था
10. भौतिक शास्त्र एवं रयासन शास्त्र
11. दर्शनशास्त्र तथा मनोविज्ञान एवं समाज शास्त्र
12. हिन्दी

**आवश्यक शर्तें :-**

अतिथि विद्वानों को प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त होना चाहिए अथवा ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहां से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय सदस्य रहा हो (परीक्षा परिणाम सहित प्रमाण-पत्र संलग्न करना आवश्यक)

उक्त प्रशिक्षण के लिये आवश्यकतानुसार अतिथि विद्वानों जिनकी सेवाएं केंद्र द्वारा ली जावेंगी, उन्हें शासन/विभाग द्वारा निर्धारित 800 रु. प्रति कालखण्ड की दर से मानदेय देय होगा। प्रतिकाल खण्ड अधिकतम समय सीमा 90 मिनिट रहेगी। अध्यापन कार्य के लिए प्रशिक्षणार्थियों द्वारा दिये गए फीड बैंक को संस्था द्वारा प्राथमिकता दी जावेगी। इच्छुक पात्र आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र **दिनांक 25 अक्टूबर 2021 तक** कार्यालयीन समय में केंद्र में प्रस्तुत कर सकते है।

**संभागीय उपायुक्त/प्राचार्य**
**संभागीय अनु.जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र**
**संभाग-ग्वालियर**

### अतिथि विद्वान (व्याख्याताओं) के पैनल में चयन हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति,

अपर संचालक,
संभागीय अनु.जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र
शारदा विहार कॉलोनी, सिटी सेंटर, ग्वालियर।

महोदय,

मध्यप्रदेश शासन, आदिम जाति कल्याण मंत्रालय भोपाल द्वारा संचालित संभागीय अनु.जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर में एम.पी.पी.एस.सी. परीक्षा, बैंकिंग परीक्षा, रेलवे सेवा परीक्षा, बीमा सेवा परीक्षा, कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा, व्यावसायिक परीक्षा मंडल, विदेश में उच्च शिक्षा हेतु चयनित अभ्यर्थियों को भाषा प्रशिक्षण आदि प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण शासन द्वारा निर्धारित मानदेय पर देने के लिये मैं अपना सहमति सह आवेदन पत्र प्रस्तुत करता हूं। मेरा संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1. प्रतियोगी परीक्षा/विषय हेतु आवेदन पत्र ..................................................
   जिसके लिये प्रशिक्षण देना चाहते हैं ..................................................
2. नाम ..................................................
3. पिता का नाम ..................................................
4. मोबाइल नम्बर ..................................................
5. निवास/पत्र व्यवहार का पता ..................................................
6. शैक्षणिक योग्यता :- (प्रमाण पत्र संलग्न करें)

| क्र. | परीक्षा का नाम | प्राप्तांक | पूर्णांक | विषय |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्नातकोत्तर | | | |
| 2. | एम.फिल/पी.एच.डी. | | | |
| 3. | अन्य | | | |

## कार्यालय प्राचार्य, संभागीय अनु.जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, ग्वालियर (शारदा विहार, सिटी सेन्टर, ग्वालियर) 0751-2970099

(adpetcgwa@mp.gov.in)

### विज्ञप्ति

क्र. 19 दिनांक : 5.10.2021

### "म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण"

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति तथा जनजाति के छात्र-छात्राओं हेतु म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2020 तथा आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिनांक 15.11.2021 से प्रारंभ किया जा रहा है। जिसकी अवधि 12 माह रहेगी। प्रशिक्षण अवधि में प्रतिदिन-सामान्य ज्ञान तथा इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थशास्त्र, विज्ञान एवं तकनीकी संबंधी समस्त विषयों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

**प्रवेश हेतु पात्रता/शर्तें :-** (1) आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो तथा अनुसूचित जाति या जनजाति की सदस्य हो। (2) आवेदक की आयु आवेदन पत्र की अंतिम तिथि को 21 वर्ष से कम तथा 35 वर्ष से अधिक न हो। (3) आवेदक के परिवार की कुल वार्षिक आय 6.00 लाख से अधिक न हो। (4) आवेदक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता रखता हो तथा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता परीक्षा में कम से कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण हेतु चयन निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांकों के घटते क्रम में मेरिट सूची अनुसार किया जावेगा। (5) पूर्व में किसी प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण का लाभ न लिया गया हो। (6) प्रशिक्षण के लिए केन्द्र में उपस्थित होने पर चयनित प्रशिक्षणार्थियों को रु. 500/- आवधान राशि (कॉशन मनी) के रूप में तथा अनुबंध पत्र जमा करने पर ही स्थायी प्रवेश दिया जायेगा। आवधान राशि प्रशिक्षण के पश्चात् आवेदन करने पर लौटाई जायेगी। (7) प्रशिक्षण पूर्णकालिक है, अतः प्रशिक्षणार्थी अन्य किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकेगा। (8) आवेदक को प्रतियोगी परीक्षा का आवेदन भरना तथा प्रतियोगी परीक्षा में बैठना अनिवार्य होगा। (9) आवेदक के साथ संलग्न अभिलेखों में किसी प्रकार की विसंगति पाये जाने पर प्रवेश निरस्त कर दिया जावेगा। (10) शासन द्वारा निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार ही प्रशिक्षण प्रारंभ किया जावेगा। कोविड टीकाकरण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य रहेगा। (11) प्रशिक्षण हेतु प्रवेशित कुल प्रशिक्षणार्थियों में से 50 प्रतिशत संख्या छात्राओं हेतु निर्धारित रहेगी। (12) लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक की पात्र रहेंगे। अतः निःशुल्क प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए पात्र आवेदक **दिनांक 25.10.2021** तक आवेदन पत्र स्वयं या रजि. डाक से कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

**संभागीय उपायुक्त/प्राचार्य**
**संभागीय अ.जा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र**
**ग्वालियर संभाग, ग्वालियर (म.प्र.)**

### आवेदन पत्र
### केवल अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये

प्रति,

अपर संचालक,
संभागीय अनु.जाति परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र
ग्वालियर संभाग ग्वालियर।

**स्वयं का फोटो लगावें**

महोदय,

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण हेतु केन्द्र में प्रवेश के लिये मैं अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करता हूं/करती हूं। मेरा संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1. प्रतियोगी परीक्षा का नाम जिसके लिये प्रशिक्षण लेना चाहते हैं ..................................................
2. नाम हिन्दी में ..................................................
3. पिता/पति का नाम ..............................माता का नाम.......................
4. स्थाई पता ..................................................
   जिला.................(मूल निवासी प्रमाण पत्र संलग्न करे)
5. पत्र व्यवहार का पता ..................................................
6. मोबाइल नम्बर ..................................................
7. जन्मतिथि अंकों में...............................................शब्दों में..................................................
8. जाति...........................................................(सक्षम अधिकारी का जाति प्रमाण पत्र संलग्न करें)
9. कुल वार्षिक आय रु. ...........................................................(आय प्रमाण पत्र संलग्न करें)
10. शैक्षणिक योग्यता - (अंक सूची संलग्न करें)

| क्रमांक | परीक्षा का नाम | प्राप्तांक | पूर्णांक | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | हाईस्कूल | | | |
| 2. | हायर सेकेण्डरी 10+2 | | | |
| 3. | स्नातक | | | |

11. चयन परीक्षा में सम्मेलित होने के लिये आवेदन पत्र का ..................................................
    रजिस्ट्रेशन अथवा रोल नम्बर संलग्न करें
12. क्या आपने पूर्व में इस केन्द्र में या अन्य किसी केन्द्र में उक्त परीक्षा के लिये प्रशिक्षण प्राप्त किया है, यदि हों तो विवरण दें :-
    (अ) संस्था का नाम......................................... (ब) प्रशिक्षण का वर्ष.........................................
    (स) अवधि................................................. (द) प्रशिक्षण का परिणाम.........................................
13. राष्ट्रीयकृत बैंक का नाम.........................................बैंक शाखा का नाम.........................................
    खाता क्रमांक.....................आई.एफ.एस.सी. कोड......................(बैंक पासबुक की छायाप्रति संलग्न करें)
14. आधार कार्ड नम्बर...........................................................(आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करे)
15. समग्र आई.डी. क्रमांक..................................................

#### अभ्यर्थी का घोषणा पत्र

मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं/करती हूं कि :-

(1) मैं मध्यप्रदेश का निवासी हूं।
(2) मैं अनुसूचित जाति/जनजाति का सदस्य हूं।
(3) मेरे माता-पिता/अभिभावक तथा स्वयं की समस्त स्त्रोतों से कुल वार्षिक आय.......................... रुपये है।
(4) मैंने चाहे गये समस्त प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर दी गई हैं।
(5) मेरे विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी भी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
(6) मैं केन्द्र के नियमों और निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करूंगा तथा कक्षा में नियमित रूप से उपस्थित रहकर अध्यन करूंगा/करूंगी।

**दिनांक** .......................

जी-17996/46058/2021 **हस्ताक्षर अभ्यर्थी**

7. ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहां से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय सदस्य रहा हो। (परीक्षा परिणाम सहित प्रमाण पत्र संलग्न करें) ..................................................
8. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होकर प्राप्त परीक्षा परिणाम का विवरण
   (प्रमाण पत्र सहित) ..................................................
9. बैंक का नाम जहां अपना खाता है ..................................................
10. बैंक का आई.एफ.एस.सी. कोड ..................................................
11. बैंक खाता क्रमांक ..................................................

**दिनांक**..................

जी-17972/46059/2021 **अतिथि विद्वान के हस्ताक्षर**

## REQUEST FOR APPLICATION TO FILL THE PROJECT MANAGEMENT UNIT (PMU) POSITIONS OF MADHYA PRADESH SKILLS DEVELOPMENT PROJECT

**Madhya Pradesh Skills Development Project (MPSDP), Department of Technical Education, Skill Development & Employment, Government of Madhya Pradesh**

Date : 11.10.2021

Madhya Pradesh Skills Development Project (MPSDP) is an Asian Development Bank (ADB) supported program, to reinforce efforts by Government of Madhya Pradesh (GOMP) to modernize and reform the state's technical and vocational education and training (TVET) system so that its workforce can be equipped with the skills required by the growing development needs of the state.

The Project Director, Madhya Pradesh Skills Development Project (MPSDP), invites eligible individuals to submit their application for the positions as below

Positions

**1. Support Consultant-ITI Coordination - 01**

**2. Support Consultant-MIS - 01**

Interested individuals may submit their application online at ADB Consulting Services Recruitment Notice (CSRN) website **http://csrn.adb.org in** accordance with the instructions contained there in the CSRN. All other form of submissions including hard copy will not be considered for evaluation. MP Government employees who are interested in joining the project may send application to **mpsdp.dsd@gmail.com** for advertised post. The project details and Terms of Reference for the positions are available on the CSRN. The deadline for the submission of application is 26.10.2021.

**Project Director,**

**G-18052/46070/2021** **Madhya Pradesh Skills Development Project (MPSDP)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर

**फोन नं. - 07582-222296, ईमेल आईडी - eepwdsagar@nic.in**

**एनआईटी नं. - 05/2021-22/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण** **सागर, दिनांक : 05.10.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

| क्र. | पोर्टल टेंडर क्र. | कार्य का नाम | जिला | ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. में) | अमानत राशि (ईमएडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2021_ PWDRB_ 162867_1 | लो.नि.वि. उपसंभाग रहली के अंतर्गत निम्न मार्गों में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 67.63 लाख (ग्रुप क्र. 1)<br>1. गढ़ाकोटा देवपुरा मार्ग लं. 7.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 53.34 लाख<br>2. रोन छुल्ला बलेह मार्ग लं. 2.30 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 14.29 लाख | सागर | 6763000 | 67630 | 10000 | 04 माह | |
| 2. | 2021_ PWDRB_ 162871_1 | लो.नि.वि. उपसंभाग रहली के अंतर्गत निम्न मार्गों में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 148.59 लाख (ग्रुप क्र.2)<br>1. बरखेड़ा दरारिया मार्ग लं. 4.50 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 34.29 लाख<br>2. जूना निवारी विजयपुरा मार्ग लं. 9.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 60.96 लाख<br>3. जूना खमरिया मार्ग लं. 8.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 53.34 लाख | सागर | 14859000 | 148590 | 12500 | 04 माह | |
| 3. | 2021_ PWDRB_ 162875_1 | घाटमपुर भैसवाही मार्ग लं. 18.60 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 141.74 लाख | सागर | 14174000 | 141740 | 12500 | 04 माह | |
| 4. | 2021_ PWDRB_ 162883_1 | मसुरयाई तोड़ा मार्ग लं. 4.00 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 30.97 लाख | सागर | 3097000 | 50000 | 10000 | 04 माह | |
| 5. | 2021_ PWDRB_ 162887_1 | एन.एच.26 का छूटा हुआ शहरी भाग में बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 6.00 कि.मी. अनुमा. लागत रु. 129.95 लाख | सागर | 12995000 | 129950 | 12500 | 04 माह | |
| 6. | 2021_ PWDRB_ 162893_1 | लो.नि.वि. उपसंभाग बण्डा के अंतर्गत निम्न मार्गों में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमा. लागत रु. 195.29 लाख (ग्रुप क्र.1)<br>1. बण्डा बरा केरवना मार्ग लं. 5.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 76.80 लाख<br>2. बण्डा बहरोल बांदरी मार्ग लं. 6.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 92.16 लाख<br>3. दलपतपुर खटौरा मार्ग लं. 3.40 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 26.32 लाख | सागर | 19529000 | 195290 | 12500 | 04 माह | |
| 7. | 2021_ PWDRB_ 162899_1 | लो.नि.वि. उपसंभाग देवरी के अंतर्गत निम्न मार्गों में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 122.65 लाख (ग्रुप क्र.1)<br>1. देवरी सरईवन मार्ग लं. 5.00 कि.मी. (4, 6, 7, 8 एवं 9) अनुमा. लागत रु. 38.71 लाख<br>2. महाराजपुर झमारा मार्ग लं. 1.38 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 21.44 लाख<br>3. देवरी बीना मार्ग लं. 7.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 54.20 लाख<br>4. देवरी टाउन पोर्सन मार्ग लं. 0.60 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 8.30 लाख | सागर | 12265000 | 122650 | 12500 | 04 माह | |
| 8. | 2021_ PWDRB_ 162906_1 | लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अंतर्गत निम्न मार्गों में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत रु. 126.21 लाख (ग्रुप क्र.1)<br>1. बमनोरा मोहली झोलसी मार्ग लं. 4.50 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 34.84 लाख<br>2. इनायतपुर झोलसी मार्ग लं. 4.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 38.71 लाख<br>3. गढ़ौली पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. अनुमानित लागत रु. 7.74 लाख<br>4. बमनोरा तिगड्डा रामछायरी परसोन मार्ग लं. 5.80 कि.मी. अनुमा. लागत रु. 44.91 लाख | सागर | 12621000 | 126210 | 12500 | 04 माह | |
| | | | | **96303000** | | | | |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 07.10.2021 समय 10.00 से दिनांक 23.10.2021 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**

**जी-18019/46064/2021** **लो.नि.वि.(भ./स.) संभाग क्र.1 सागर**

## कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

**ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406**

## निविदा सूचना क्र. 827

**निविदा सूचना क्रमांक - 827/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/** **भोपाल, दिनांक : 01.10.2021**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 22.10.2021 को 17.30 बजे** तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

| स. क्र. | निविदा क्र. | कार्य | जिला | लागत (लाख) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 2021_WRD_ 161645 | तुलसीपार तालाब की छूटी हुई दायी तट नहर एवं बायी तट नहर में पी.सी.सी. लाईनिंग का कार्य। | रायसेन | 124.14 |
| 2. | 2021_WRD_ 161646 | सेमरी मध्यम परियोजना की (छूटी हुई) दांयी तट नहर की आर.एम.-1 का निर्माण कार्य। | रायसेन | 195.76 |
| 3. | 2021_WRD_ 161673 | नेशनल हाईवे से बड़ोदिया तालाब पहुंच मार्ग का विशेष मरम्मत अंतर्गत सुधार कार्य। | राजगढ़ | 21.54 |
| 4. | 2021WRD_ 161674 | राहत मद के अंतर्गत (एस.डी.एम.एफ.) भैसोरा तालाब एवं कुअरपुर तालाब का सुदृढ़ीकरण कार्य मैनेजमेंट ऑपरेशन एवं रखरखाव 2 वर्ष हेतु। | मुरैना | 306.41 |
| 5. | 2021_WRD_ 161676 | राहत मद के अंतर्गत (एस.डी.एम.एफ.) पगारा बांध का सुदृढ़ीकरण कार्य मैनेजमेंट ऑपरेशन एवं रखरखाव 2 वर्ष के लिये। | मुरैना | 259.54 |
| 6. | 2021_WRD_ 161679 | सूरजपुरा मध्यम परियोजना अंतर्गत मुख्य नहर एवं माईनर नहर, अर्थवर्क एवं स्ट्रक्चर्स का निर्माण कार्य। (शेष मात्राओं का डेबिटेबल कार्य)। | सागर | 440.09 |
| 7. | 2021_WRD_ 161680 | कुण्डालिया वृहद परियोजना अंतर्गत तहसील नलखेड़ा के ग्राम रोजड़ी भण्डावद एवं ढाबला सोनगरा गांव में नाली एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य एवं ग्राम पनाला में लघु ब्रिज का निर्माण कार्य एवं ग्राम लाडोन में पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य। | राजगढ़/ आगर मालवा | 540.11 |
| 8. | 2021_WRD_ 161681 | आसन बैराज के डूब क्षेत्र में आने वाली पुलियों का कार्य एवं अन्य कार्य। | मुरैना | 279.46 |
| 9. | 2021_WRD_ 161688 | अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त अनिराय टैंक कैनाल सायफन आर.डी. 85 मी. एवं आर.डी. 1470 मी. अनिराय टैंक, कैनाल अर्थवर्क और कदवाया टैंक, श्यामाटोरी टैंक, सर्करा टैंक, शाहपुर पिपरिया टैंक, कैनाल अर्थवर्क, नरसूखेड़ी टैंक, ढाकोनी टैंक, पचलाना टैंक इत्यादि नहरों का मरम्मत कार्य। | अशोकनगर | 29.11 |
| 10. | 2021_WRD_ 161689 | अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त कौंचा, मोला कैनाल, कैथन डायवर्सन एवं उमरिया टैंक का मरम्मत कार्य। | अशोकनगर | 20.25 |
| 11. | 2021_WRD_ 161738 | एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत अकोदिया तालाब की ऊंचाई एवं चौड़ाई बढ़ाना एवं पिचिंग कार्य। | शाजापुर | 82.72 |
| 12. | 2021_WRD_ 161739 | पटोंदा तालाब एवं उसकी नहर का जीर्णोद्धार कार्य। | श्योपुर | 51.48 |
| 13. | 2021_WRD_ 161740 | टर्न की पद्धति पर हिंलगन तालाब योजना के डूब प्रभावित हिलगन खाण्ड, हिलगन बेलई माफी सड़कों का उन्नयन कार्य। | सागर | 374.47 |
| 14. | 2021_WRD_ 161741 | डुण्डा टैंक का विशेष मरम्मत कार्य। | टीकमगढ़ | 24.65 |
| 15. | 2021_WRD_ 161742 | धमोई तालाब योजना की नहर की आर.डी. 120, 970 एवं 1500 पर निर्मित एक्वाडक्ट के सुधार एवं पेंटिंग का कार्य। | धार | 46.74 |
| 16. | 2021_WRD_ 161743 | राहत मद एस.डी.एम.एफ अंतर्गत 9 तालाबों का सुदृढ़ीकरण, 2 वर्ष कार्य मैनेजमेण्ट, ऑपरेशन एवं रखरखाव कार्य। | भिण्ड | 242.37 |
| 17. | 2021_WRD_ 161744 | आनू जलाशय का सुधार, नवीनीकरण एवं पुनरूद्धार का शेष कार्य। | दमोह | 33.86 |
| 18. | 2021_WRD_ 161745 | टोकरा एवं देहरी बैराज के एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत सुदृढ़ीकरण का कार्य। | विदिशा | 179.57 |
| 19. | 2021_WRD_ 162452 | एस.डी.एम.एफ. अंतर्गत गांव हरपुरा जामनी नदी पर बाढ़ सुरक्षा का कार्य। | टीकमगढ़ | 724.84 |

**जी-17967/46061/2021** **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

## कार्यालय संभागीय परियोजन यंत्री
## लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
## जयस्तंभ चौक के पास, जिला-उमरिया (म.प्र.)

**एनआईटी नं. :- 30/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./2068 रीवा, दिनांक : 07.10.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

**स.क्र. एवं कार्य का नाम :-** 1. जिला उमरिया में संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. अंतर्गत बैलेंस कार्य एवं नवनिर्मित भवनों में आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य मय आंतरिक विद्युतीकरण सहित परफार्मेंस गारंटी के भीतर (द्वितीय आमंत्रण)

| पोर्टल टेंडर आई.डी. | जिला | ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में) | अमानत राशि (ईमएडी रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) | 90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PWPIU_ 163298_1 | उमरिया | 50.00 | 50000/- | 10000/- | 12 माह वर्षाकाल सहित | – |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 11.10.2021 समय 09.00 AM से दिनांक 25.10.2021 समय 6.00 PM तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**संभागीय परियोजना यंत्री**
**जी-18042/46069/2021** **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. जिला-उमरिया (म.प्र.)**

## कार्यालय मुख्य अभियंता
## लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
## निविदा सूचना

**निविदा सूचना क्रमांक 05/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2021-22 भोपाल, दिनांक : 06.10.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

**क्रमांक एवं कार्य का नाम :-** 1. अनूपपुर जिले के चोलना पडोर मार्ग के कि.मी. 5/2 में सोन नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

| टेण्डर क्रमांक | जिला | कार्य का प्रकार | आमंत्रण क्रमांक | कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में) | ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु |
|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PWDRB_ 163010_1 | अनूपपुर | पुल कार्य | प्रथम | 1263.55 | केवल ऑनलाइन |
| | | | **कुल योग** | **1263.55** | |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.10.2021 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

**मुख्य अभियंता**
**जी-18013/46062/2021** **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज, जिला रीवा (म.प्र.)

**निविदा सूचना क्र. 14/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2021-22 मऊगंज, दिनांक : 07.10.2021**

## ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

(1) निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदायें एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा ऑनलाइन टेण्डर प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।
ऑनलाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 11.10.2021 डाक्यूमेंट डाउनलोड/टेण्डर फार्म क्रय प्रारंभ तिथि 11.10.2021 टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि 25.10.2021 बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक 11.10.2021 एवं बिड सबमिशन का **अंतिम तिथि 25.10.2021** को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित है। Manadatory "A" & Financial bid Open का दिनांक 27.10.2021 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।
(2) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाइट (**http://www.mptenders.gov.in**) पर प्रदर्शित है।
(3) निविदाएं, निर्धारित तिथि दिनांक 27.10.2021 को खोली जावेंगी।
(4) **कार्य का विवरण :- रीवा जिले के विकासखण्ड मऊगंज के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, आर.सी.सी. टंकी (OHT) का निर्माण, सबमर्सिल पंप की स्थापना, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।**

| ई-टेण्डर क्र. | योजना का नाम | विकास खण्ड | कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में) | प्रतिभूति राशि रु. में | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PHED_ 163086_1 | पलिया त्रिवेणी सिंह, सरई कृष्ण कुमार, पलिया दुवान, सरई सेंगर, घुघरी एवं नौढ़िया प्रहलाद | मऊगंज | 317.98 | 317980/- | 15000/- | 09 माह (वर्षाऋतु सहित) |
| 2021_PHED_ 163088_1 | नरैनी, रकरी, अमोखर, पहाड़ी निरपत सिंह एवं मिसिरगवां | मऊगंज | 320.24 | 320240/- | 15000/- | 09 माह (वर्षाऋतु सहित) |
| 2021_PHED_ 163089_1 | डगडौआ नं.- 01, पन्नी एवं चन्द्रमहुली | मऊगंज | 380.06 | 380060/- | 15000/- | 09 माह (वर्षाऋतु सहित) |
| 2021_PHED_ 163090_1 | झौरा, झलवार, डिघवार-391, बड़ी बराती एवं गोंदरी शिवप्रसाद | मऊगंज | 386.51 | 386510/- | 15000/- | 09 माह (वर्षाऋतु सहित) |

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट (**http://www.mptenders.gov.in**) पर प्रदर्शित है।

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-18036/46067/2021** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मऊगंज जिला-रीवा (म.प्र.)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1, इन्दौर

**eepwd1ind@mp.nic.in, Ph. No. : 0731-2490978**

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 28/व.ले.लि./2021-22 इन्दौर, दिनांक : 29.09.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

**स.क्र. कार्य का नाम :-** 1. राजेन्द्र नगर - केट (2 लेन से 4 लेन) मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 900 मीटर

| ऑनलाइन टेण्डर नं. | ठेके की अनुमानित राशि (लाख में) | अमानत राशि (रु.) | निविदा प्रपत्र की राशि | कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि |
|---|---|---|---|---|
| 2021_PWDRB_162130_1 | 296.14 | 296140/- | 15000/- | 300 दिन वर्षाकाल सहित |
| **स.क्र. कार्य का नाम :-** 2. गोगाखेड़ी मुण्ड मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 0.55 कि.मी. | | | | |
| 2021_PWDRB_162255_1 | 72.23 | 72230/- | 10000/- | 180 दिन वर्षाकाल सहित |
| **कुल योग** | **368.37** | | | |

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है।
   1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अर्नेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि **दिनांक 01.10.2021 सुबह 10:30 से दिनांक 21.10.2021 सायं 17:30 बजे तक** निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-18017/46063/2021** **लो.नि.वि. संभाग क्र. 1 इन्दौर**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, खण्ड-श्योपुर (म.प्र.)

**दूरभाष क्रमांक : 07530-222185, Email ID : eephed_sheopur@yahoo.com**

**क्र. 2101** **दिनांक : 04.10.2021**

## निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई-निविदायें Online अमंत्रित की जाती हैं।

**कार्य का नाम :** श्योपुर जिले के विकासखण्ड श्योपुर के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के तहत रेट्रोफिटिंग नलजल योजना अंतर्गत आर.सी.सी. उच्च स्तरीय टंकी निर्माण एवं पाइप लाइन बिछाना, नलकूप में सिमर्सिबल मोटर पंप डालना एवं विद्युत लाइन स्थापित कर मोटरपंप को जोड़ना और पंप हाउस, पाइप लाइन समर्सिबल मोटरपंप क्रय कर डालना, घरेलू नल कनेक्शन आदि सामग्री सहित 90 दिवस ट्रायल रन की निविदा आमंत्रित करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र. | निविदा सूचना क्रमांक | टेण्डर आई.डी. | ग्राम का नाम | विकास खण्ड | कार्य की संख्या | कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में) | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 42/2021-22 दि. 04.10.2021 | 2021_ PHED_ 162703_1 | मानपुर | श्योपुर | 01 | 211.14 | 211140 | 15000 | 06 माह |

बिड सबमिशन प्रारंभ दिनांक : 08.10.2021 समय 10:30 बजे से
बिड सबमिशन अंतिम दिनांक : **21.10.2021 समय 17:30 बजे तक**
बिड खोलने का दिनांक : 23.10.2021 समय 13:00 बजे

**नोट :** यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। भविष्य में संभावित समस्त संशोधन उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**
**जी-18027/46065/2021** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड-श्योपुर (म.प्र.)**

## कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
## ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

**ई-मेल : sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक : 0751-2365738, 4031502**
**(पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर)**

**क्रमांक 4770/नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./21-22 ग्वालियर, दिनांक : 05.10.2021**

प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा सूचीबद्ध संस्थाओं से निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 06.10.2021 से दिनांक 22.10.2021 सायं 05:30 बजे** तक क्रय तथा **दिनांक 06.10.2021 से दिनांक 22.10.2021 सायं 5:30 बजे** तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 25.10.2021 है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

**स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :-** 1. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। जिला - छतरपुर, कुल 200 ग्राम, 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 50 ग्राम)

| नि.आ. सू.क्रं./दि. | टेण्डर आई.डी. | अनुमानित लागत (PAC) (रु. लाख में) | धरोहर राशि (EMD) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | आमंत्रण की संख्या | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 26/ 05.10.2021 | 2021_PHED_ 162761_1 | 96.24 लाख | रु. 96240/- | रु. 10000/- | द्वितीय | 15 माह वर्षाकाल छोड़कर |
| 2. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। जिला - पन्ना, कुल 200 ग्राम, 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 50 ग्राम) | | | | | | |
| 27/ 05.10.2021 | 2021_PHED_ 162762_1 | 96.24 लाख | रु. 96240/- | रु. 10000/- | द्वितीय | 15 माह वर्षाकाल छोड़कर |
| 3. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। जिला - श्योपुर, कुल 236 ग्राम, 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 59 ग्राम) | | | | | | |
| 28/ 05.10.2021 | 2021_PHED_ 162763_1 | 102.18 लाख | रु. 102180/- | रु. 12500/- | द्वितीय | 15 माह वर्षाकाल छोड़कर |
| 4. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। जिला - टीकमगढ़, कुल 240 ग्राम, 4 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 60 ग्राम) | | | | | | |
| 29/ 05.10.2021 | 2021_PHED_ 162764_1 | 102.84 लाख | रु. 102840/- | रु. 12500/- | द्वितीय | 15 माह वर्षाकाल छोड़कर |

**अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट)**
**कार्यालय मुख्य अभियंता**
**जी-18032/46066/2021** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर**

# कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
## तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश
चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

**संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)**

**समय सारणी, सत्र 2020-21**

**विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु**

**(मध्यप्रदेश के शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र के पोलीटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थानों में संचालित)**

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

| पाठ्यक्रम | ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन | प्रवेश का अवसर प्राप्त करना |
|---|---|---|
| 1. इंजीनियरिंग डिप्लोमा<br>2. डिप्लोमा नॉनपीपीटी<br>3. डिप्लोमा-अम्बेडकर-एकलव्य योजनान्तर्गत<br>4. फार्मेसी (B.Pharmacy/D.Pharmacy)<br>5. बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch.)<br>6. फार्म-डी<br>7. एकीकृत एम.बी.ए. (IIMBA)<br>8. एकीकृत एम.सी.ए. (IIMCA)<br>9. बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी (BHMCT) | 17.10.2021<br>से<br>25.10.2021<br>रात्रि 11:30 बजे तक | दिनांक 16.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **23.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से**<br>दिनांक 23.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **24.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से**<br>दिनांक 24.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **25.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक** |
| 1. एम.टेक.-एम.ई. (पूर्णकालिक)<br>2. एम.फार्मेसी<br>3. एम.बी.ए. (पूर्णकालिक)<br>4. एम.सी.ए. | 21.10.2021<br>से<br>25.10.2021<br>रात्रि 11:30 बजे तक | दिनांक 20.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **23.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से**<br>दिनांक 23.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **24.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से**<br>दिनांक 24.10.2021 को संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त सीटों के लिये **25.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक** |

**महत्वपूर्णः-**
- प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये संस्था स्तर की काउंसलिंग हेतु पंजीयन करा चुके अभ्यर्थी, अधिकृत वेबसाइट पर संस्था/ब्रांच की उपलब्ध रिक्तियों का अवलोकन कर उपरोक्त दर्शायी गई तिथियों पर प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये इच्छुक संस्था में **प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:00 तक** स्वयं उपस्थित होकर उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक है। तत्पश्चात मेरिट के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी।
- रजिस्ट्रेशन करने से पूर्व, काउंसलिंग वेबसाइट पर उपलब्ध संस्था/ब्रान्च वार रिक्त सीटों की जानकारी का अध्ययन अवश्य कर लें।
- रजिस्ट्रेशन/सत्यापन उपरान्त रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा दिनांक 25.10.2021 को सायं 3:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।
- उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश निरस्त करवाने की सुविधा दिनांक 24.10.2021 सायं 5:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।
- **प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची इत्यादि, वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।**

**संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं
आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/102302/46075/2021

---

# M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE

101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452007 (M.P.)
Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in
Website : www.invest.mp.gov.in, GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

No. MPIDC/R.O./IND/2021/13075 Date : 14.10.2021

## NOTICE INVITING TENDER (SECOND CALL)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system-**http://www.mptenders.gov.in & www.mpakvnindore.com** as mention below-

| S. No. | Name of Work | PAC (Rs. in Lacs) | Cost of Tender Form | EMD | Last Date of Submission |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Construction of four lane cement concrete approach road, entrance plaza & administrative building at new Industrial Area Mohna, Tehsil Depalpur, Distt. Indore. | Rs. 441.24 Lacs | Rs. 17700/- i/c GST | Rs. 441240/- | 30.10.2021 |

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.

M.P. Madhyam/102301/2021 R-46074/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

---

# बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
होशंगाबाद रोड, भोपाल-462026
Website : www.bubhopal.ac.in

क्र. : 1595/प्रशासन/विज्ञापन/बैकलाग/2021 भोपाल, दिनांक : 13.10.2021

## शैक्षणिक बैकलाग पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन में संशोधन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा जारी पूर्व विज्ञापन (क्रमांक : 498/प्रशासन/विज्ञापन/बैकलाग/2021 भोपाल, दिनांक : 06.03.2021) में **बैकलाग शैक्षणिक संवर्ग के पदों** (विज्ञप्ति-2014) के अनुसार बैकलाग के पदों पर चयन हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

यू.जी.सी. द्वारा सहायक प्राध्यापकों की अर्हताओं में संशोधन (यू.जी.सी. रेगुलेशन-2021) किए जाने के कारण **केवल सहायक प्राध्यापकों के पदों के लिए आवेदन दिनांक : 29.10.2021 तक** आमंत्रित किए जाते हैं। रिक्त शैक्षणिक पदों का विवरण, आवेदन पत्र, अर्हताएं, सामान्य नियम एवं शर्तें आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.bubhopal.ac.in** पर उपलब्ध हैं। जिन अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में आवेदन किया गया था उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

म.प्र. माध्यम/102313/46079/2021 **कुलसचिव**

---

# M.P. RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. - 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

## NOTICE INVITING TENDER No. 162/MTN./2021

**No./15558/22/D-12/NIT-Maint. /2021** **Bhopal, Dated : 14.10.2021**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

**1. Table No. 1 : Name of Work** - Repair/ Maintenance of the rural roads for five years constructed under pradhan mantri gram sadak yojna. (Post 5 year)

| S. No. | Name of District | No. of Packages | Total PAC (in Rs.) |
|---|---|---|---|
| 1 | Agar Malwa | 1 | 7177907.00 |
| 2 | Ashoknagar | 1 | 8371172.00 |
| 3 | Barwani | 1 | 5220996.00 |
| 4 | Betul | 3 | 35334397.00 |
| 5 | Chhindwara | 2 | 10918683.00 |
| 6 | Chhatarpur | 3 | 83244132.00 |
| 7 | Dhar | 2 | 15132586.00 |
| 8 | Harda | 1 | 6880598.00 |
| 9 | Indore | 3 | 16112038.00 |
| 10 | Jabalpur | 1 | 14033243.00 |
| 11 | Katni | 2 | 24813231.00 |
| 12 | Mandla | 1 | 5785994.00 |
| 13 | Narsinghpur | 1 | 6109010.00 |
| 14 | Raisen | 5 | 31793110.00 |
| 15 | Ratlam | 3 | 33819835.00 |
| 16 | Rewa | 2 | 10600067.00 |
| 17 | Sagar | 7 | 70489606.00 |
| 18 | Shajapur | 2 | 14201898.00 |
| 19 | Seoni | 4 | 37748930.00 |
| 20 | Shahdol | 1 | 13800046.00 |
| 21 | Shivpuri | 1 | 10413728.00 |
| 22 | Singrauli | 1 | 10374095.00 |
| 23 | Ujjain | 6 | 67070794.00 |
| 24 | Umaria | 10 | 133213680.00 |

**2. Table No. 2 : Name of Work** - Repair/ Maintenance of the rural roads for five years constructed under pradhan mantri gram sadak yojna. (Post 10 year)

| S. No. | Name of District | No. of Packages | Total PAC (in Rs.) |
|---|---|---|---|
| 1 | Anuppur | 3 | 46897021.00 |
| 2 | Betul | 4 | 56327437.00 |
| 3 | Balaghat | 6 | 117314441.00 |
| 4 | Damoh | 1 | 6576958.00 |
| 5 | Dhar | 2 | 35644086.00 |
| 6 | Indore | 3 | 21368692.00 |
| 7 | Jhabua | 2 | 29196093.00 |
| 8 | Katni | 1 | 12654647.00 |
| 9 | Narsinghpur | 2 | 15141322.00 |
| 10 | Ratlam | 5 | 68564022.00 |
| 11 | Raisen | 3 | 15176179.00 |
| 12 | Rajgarh | 1 | 10097910.00 |
| 13 | Sehore | 3 | 53720243.00 |
| 14 | Shahdol | 3 | 36662590.00 |
| 15 | Seoni | 1 | 7270396.00 |
| 16 | Sidhi | 2 | 32182760.00 |
| 17 | Ujjain | 4 | 50566953.00 |

**3. Table No. 3 : Name of Work** - Repair/ Maintenance of the rural roads for five years constructed under pradhan mantri gram sadak yojna. (Post 15 year)

| S. No. | Name of District | No. of Packages | Total PAC (in Rs.) |
|---|---|---|---|
| 1 | Agar Malwa | 3 | 22017207.00 |
| 2 | Balaghat | 2 | 28770882.00 |
| 3 | Chhindwara | 2 | 34651250.00 |
| 4 | Damoh | 1 | 11445451.00 |
| 5 | Hoshangabad | 1 | 22688335.00 |
| 6 | Jabalpur | 1 | 8530016.00 |
| 7 | Narsinghpur | 1 | 8344836.00 |
| 8 | Ratlam | 1 | 5011782.00 |
| 9 | Rajgarh | 1 | 17426404.00 |
| 10 | Sagar | 1 | 4947626.00 |
| 11 | Sehore | 1 | 12584201.00 |
| 12 | Sidhi | 2 | 25658112.00 |

1. Tender document can be purchased only online from the above website from 22.10.2021 from 17:30 hrs. 2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/102298/46073/2021 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & E-G)**

---

# मेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज
सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल-462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल-462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

## प्रवेश सत्र 2021-22

| क्र. | पाठ्यक्रम | अवधि |
|---|---|---|
| 1. | मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)- योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग | 2 वर्ष |
| 2. | मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एम.पी.टी.) योग्यता बी.पी.टी. | 2 वर्ष |
| 3. | मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन (एम.एम.एल.टी.) योग्यता बी.एम.एल.टी. | 2 वर्ष |
| 4. | बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप | 4 वर्ष |
| 5. | पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग-योग्यता जी.एन.एम. | 2 वर्ष |
| 6. | डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन (डी.एम.एल.टी.) | 2 वर्ष |
| 7. | सर्टिफिकेट इन एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन | 1 वर्ष |
| 8. | ओ.टी. टेक्निशियन (ऑपरेशन थ्रीएटर) | 1 वर्ष |
| 9. | एम.बी.ए. | 2 वर्ष |

क्रमांक 4 एवं 6 से लेकर क्रमांक 8 तक के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। तथा क्र. 9 के लिए स्नातक किसी भी विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

LAKECITY R-46072/2021

---

# मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31 कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

## निविदा आमंत्रण सूचना- 13/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 13/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसका ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_164277_1 है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.10.2021 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/102303/46076/2021

# कड़ी मेहनत और सुनिश्चित रणनीति वांछित ही नहीं, अनिवार्य है

*ऊंचे लक्ष्यों को पाने को*
*मैं ऊंचे इरादे चुनती हूं।*
*मेहनत की सलाई से पल-पल*
*कुछ श्रेष्ठ, श्रेष्ठतम बुनती हूं।।*

मन्दसौर की युवा कवि अस्मिता की इन पंक्तियों से प्रेरणा लेकर सफलता के नित नये सोपान पर कदम रखने वाली इन्दौर की साक्षी ऐरन प्रतियोगी परीक्षाओं को चुनौती मानकर अपने श्रेष्ठतम प्रदर्शन के लिए हरदम सन्नद्ध रहती हैं। आज से तीन साल पहले वर्ष 2018 में इंस्टीट्यूट्स ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, द्वारा आयोजित सी.ए. इन्टरमीडिएट परीक्षा में देशभर में अव्वल रहने वाली साक्षी इसी क्षेत्र में सी.ए. फायनल की परीक्षा में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी इसकी उन्हें पूरी उम्मीद थी और वैसा ही हुआ भी। सी.ए. फायनल की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर साक्षी ने दूसरा स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, मालवा अंचल और मध्यप्रदेश को तो गौरवान्वित किया ही है साथ ही अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन से युवा पीढ़ी के सामने एक आदर्श भी प्रस्तुत किया है। 'रोज़गार और निर्माण' के लिये उनसे लिए गये साक्षात्कार के सम्पादित अंश हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत हैं -

**● सर्वप्रथम हम साक्षी को इस प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई देते हैं और हम जानना चाहेंगे इस उपलब्धि को प्राप्त कर उन्हें कैसा लग रहा है?**

◆ मैं और मेरा परिवार, मेरे परिजन, मेरी कोचिंग वाले सर और मेरे सभी मित्र अत्यंत प्रसन्न हैं। मैं भी इस उपलब्धि से प्रसन्न हूं। मैंने सी.ए. इन्टरमीडिएट की परीक्षा में जब देश में सबसे अव्वल स्थान प्राप्त किया था तब मेरी कोचिंग वाले सर ने कहा था कि मैं फायनल में भी यही उपलब्धि दोहराऊंगी। एक अंक के अन्तर से मैं पहले स्थान से चूक गई मगर मैं इस परिणाम से भी अत्यंत प्रसन्न हूं।

**● चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का निर्णय आपने कब और कैसे लिया? क्या आप इस विधा में कॅरियर बनायेंगी?**

◆ मेरी इच्छा तो एस्ट्रॉनॉट बनने की थी, मगर दसवीं यानी हाईस्कूल के बाद कॉमर्स विषय लिया, क्योंकि मुझे बायोलॉजी पसंद नहीं थी। इंजीनियरिंग में स्कोप नजर नहीं आया था, इसलिए कॉमर्स लिया और बारहवीं यानी हायर सेकेण्डरी के बाद सीए की तैयारी की मगर इसी विधा में कॅरियर का अभी अंतिम विचार नहीं किया है।

**● क्या आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की संगति इस संकाय के शिक्षण से थी?**

◆ शायद नहीं। मैं एक मध्यम आय वर्गीय परिवार की सदस्य हूं और परिवार में सी.ए. बनने वाली मैं पहली लड़की हूं। मेरे पिता भूपेन्द्र पहले आटा चक्की चलाते थे अब वो एक प्रायवेट कम्पनी में काम करते हैं, जबकि मां अन्नपूर्णा एक गृहिणी हैं। घर का कोई सदस्य न तो सीए है, न एडवोकेट मगर मैंने जब अपनी इच्छा जताई कि मैं चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा देना चाहती हूं तो मुझे मेरे माता-पिता ने सहर्ष स्वीकृति दी और मेरी कोचिंग सहित सभी संसाधन जुटाए। मैं जब देर रात तक पढ़ाई करती थी तो पापा रात को मेरे लिए चाय बनाते थे। मेरे परिवार ने मेरी इस तैयारी में मेरी काफी सहायता की।

**● अब आगे अपने कॅरियर को लेकर आपका क्या लक्ष्य है? आपकी भावी योजनाओं के बारे में आप कुछ बतायेंगी?**

◆ जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था कि मैं किसी प्रतिष्ठित संस्थान से एमबीए करना चाहूंगी और देश की अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए उपयुक्त अर्थनीति पर शोध करना चाहूंगी। मैं इस बीच कोई एक जॉब भी करना चाहूंगी, ताकि आर्थिक रूप से सक्षम होकर परिवार की सहायता भी कर सकूं। मैं एक कोशिश यूएसए चार्टर्ड फायनेंसियल एनालिसिस्ट की योग्यता हासिल करने की भी करना चाहूंगी।

**● आपने प्रतिदिन लगभग कितने घंटे पढ़ाई की?**

◆ पढ़ाई के तरीके को लेकर मैं हमेशा सतर्क रही हूं और मेरा मानना है कि आप पढ़ाई कितने घंटे करते हैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है कि आप पढ़ाई पर कितने ज्यादा केन्द्रित रहते हैं। पढ़ाई घड़ी के टाइम के हिसाब से डिसाइड नहीं होती थी, बल्कि वो शेड्यूल बनाकर और सब्जेक्टिव होकर करनी पड़ती है। जॉब के साथ-साथ पढ़ाई कर रहे हैं तब तो यह वक्त का प्रबन्धन बहुत जरूरी हो जाता है और जॉब के साथ स्टडी में तो आपको अत्यंत सब्जेक्टिव होना पड़ता है। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में वक्त का परिमाण (वॉल्यूम) नहीं उसकी व्यक्ति निष्ठता अर्थात सब्जेक्टिव होना जरूरी है। तीन साल की आर्टिकलशिप ट्रेनिंग और साथ-साथ सीए की पढ़ाई के लिए तो काफी टाइम मैनेजमेंट करना पड़ा। सीए की पढ़ाई के लिए मैं रोजाना सुबह साढ़े 5 बजे से 10 बजे तक पढ़ाई करती। इसके बाद दोपहर में ट्रेनिंग कर शाम को घर लौटती। रात 9 बजे से 12 बजे तक दोबारा पढ़ाई करती थी।

**● आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगी?**

◆ मैं अपनी इस सफलता का श्रेय अपने स्कूल के टीचर्स, कोचिंग क्लास के सभी सर, अपने सीनियर्स, अपने माता-पिता और अपने परिजन और मित्रों को देना चाहूंगी।

**● 'रोज़गार एवं निर्माण' के पाठकों एवं अपने युवा साथियों को क्या आप कुछ कहना चाहेंगी?**

◆ शिक्षा के पाठ्यक्रम के व्यापक होने और उसमें लगातार परिवर्तन से चाहे स्कूल-कॉलेज की पारम्परिक परीक्षा हो अथवा प्रतियोगी परीक्षा कड़ी मेहनत, सटीक रणनीति और विशद अध्ययन से ही सफलता प्राप्त होती है, अतः अच्छी रैंक पाने के लिए यह सब वांछित ही नहीं अनिवार्य है। मैं 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से सभी युवा साथियों से जो ऐसी किसी भी परीक्षा में शामिल हो रहें, यही कहना चाहूंगी कि कड़ी मेहनत और सुनिश्चित रणनीति का कोई विकल्प नहीं है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)


MPIDC **M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED**
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore – 452001 (M.P.),
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/RO/IND/TECH/21/13109 DATE : 14.10.2021

**NOTICE INVITING TENDER**

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

| Name of Work | Probable Amount of Contract (in Lakh) | EMD (in Rs.) | Cost of Tender form (in Rs.) | Last Date of Submission of Tender |
|---|---|---|---|---|
| Selection of outsourcing agency for manpower at MPIDC RO Indore | 50.00 | 50000/- | 5900/- | 08.11.2021 |
| Appointment of SQC for up-gradation work at I/A Pithampur & Dewas (II Call) | 46.80 | 46800/- | 5900/- | 08.11.2021 |

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.
M.P. Madhyam/102306/46077/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**



**एम.जी.एम. अलाइड हेल्थ साइंसेस इंस्टीट्यूट (MAHSI)**
**महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय (स्वशासी संस्था), इन्दौर (म.प्र.)**
**दूरभाष : 0731-2528516, Email : mahsimgm@gmail.com, Website : mahsimgm.in**
**क्रमांक 2060/Adm/MAHSI/2021** **इन्दौर, दिनांक : 07.10.2021**

**प्रवेश सूचना : शैक्षणिक सत्र 2021-22**
**फिजियोथेरेपी एवं अन्य पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु**

स्टेट अलाइड हेल्थ साइंसेस इंस्टीट्यूट (MAHSI), महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय (स्वशासी संस्था), इन्दौर के अंतर्गत संचालित फिजियोथेरेपी एवं अन्य पैरामेडिकल डिग्री, डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 15.10.2021 से प्रारंभ हो रही है। विस्तृत विज्ञप्ति एवं आवेदन पत्र मय प्रवेश विवरणिका संस्था MAHSI की वेबसाइट **www.mahsimgm.in** एवं चिकित्सा महाविद्यालय, इन्दौर की वेबसाइट **www.mgmmcindore.in** पर उपलब्ध होंगे एवं आवेदन पत्र निर्धारित शुल्क के साथ वेबसाइट पर ऑनलाइन माध्यम से जमा किए जा सकेंगे।

- डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कुल 360 सीट उपलब्ध है। आवेदक को 12वीं (10+2) परीक्षा मान्यता प्राप्त संस्था/बोर्ड से बॉयोलॉजी, फिजिक्स एवं केमेस्ट्री विषय में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया में मध्यप्रदेश राज्य के आरक्षण संबंधी नियमों का पालन किया जावेगा।
- स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम एम.पी.टी. - ऑर्थोपेडिक्स/न्यूरोलॉजी/स्पोर्ट्स/कॉर्डियोथोरासिक/ऑब्स & गायनोकोलॉजी/आन्कोलॉजी/जिरियाट्रिक्स में उपलब्ध कुल 35 सीटों पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.पी.टी. पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

| महत्वपूर्ण तिथियां | डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र हेतु | स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु |
|---|---|---|
| आवेदन पत्र एवं प्रवेश विवरणिका संस्था की वेबसाइट पर उपलब्धता | 15.10.2021 से 13.11.2021 तक | 15.10.2021 से 13.11.2021 |
| आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि | **13.11.2021** | 13.11.2021 |
| काउंसिलिंग द्वारा प्रवेश की तिथियां | 30.11.2021 से 03.12.2021 तक | 18.11.2021 (प्रवेश परीक्षा) |

**नोट** : उक्त तिथियों/प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के संभावित परिवर्तन की सूचना वेबसाइट **www.mahsimgm.in** एवं चिकित्सा महाविद्यालय, इन्दौर की वेबसाइट **www.mgmmcindore.in** पर तथा संस्था के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध होगी। कृपया समय-समय पर वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

**मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता**
**जी-18038/46068/2021** **महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, इन्दौर**



**म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम**
**कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल**
**क्र./805, 815/तशा/प.यं./2021** **दिनांक 13.10.2021**

**प्रेस विज्ञप्ति**

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में विभिन्न मरम्मत कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक (1) 2021_MPPHC_163832_1, (2) 2021_MPPHC_ 164126_1 हेतु निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.10.2021 समय 15.00 बजे तक** एवं ऑनलाइन निविदा क्रमांक (3) 2021_MPPHC_164235_1 निविदा प्रपत्र **दिनांक 25.10.2021 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/102311/46078/2021 **परियोजना यंत्री**



**कार्यालय कार्यपालन यंत्री**
**राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)**
**ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680**
**No./IPRO/E.E./2021/Gwalior/1757** **Dated: 11-10-2021**

**//प्रेस विज्ञप्ति//**

निविदा सूचना **No./E.E./Tender/2021/Gwalior/1718 date 07.10.2021** रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत भवन निर्माण/अन्य कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा **2021_RVSKV_163303_1,** आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि **29.10.2021** तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल **https:www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
R-46080/2021 **कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर**


## बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने अगस्त-2022 तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

**भोपाल,** मध्यप्रदेश में वरिष्ठजनों की भावनात्मक जरूरतों के प्रति संवेदनशील वातावरण का निर्माण करने के उद्देश्य से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस एक अक्टूबर, 2021 से 15 अगस्त, 2022 तक युवाओं के लिये विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण आयुक्त डॉ. ई. रमेश कुमार ने प्रदेश के सभी कुलपति से अनुरोध किया है कि वे 'बुजुर्गों की बात, देश के साथ' थीम पर युवाओं का बुजुर्गों से संवाद, बुजुर्गों का सम्मान, प्रचलित गाथाओं, विचारों, अनुभवों और कहानियों को ऑनलाइन साझा करने में युवाओं की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें।

सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिव से अनुरोध किया गया है कि एक अक्टूबर, 2021 से 15 अगस्त, 2022 तक लगातार डिजिटल प्लेटफार्म का अधिकतम उपयोग कर बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता के विविध कार्यक्रम किये जायें। लाइव ईवेंट के लिये सोशल मीडिया का उपयोग, ऑनलाइन प्रश्नोत्तर प्रतियोगिताएं, यू-ट्यूब पर कार्यक्रमों का आयोजन, जिलों में संचालित वरिष्ठ आश्रमों में युवा संवाद और अन्य गतिविधियां आयोजित की जायें।

संचालित गतिविधियों की कार्यक्रमवार प्रविष्टि Indiaat75.mp.gov.in पर दर्ज करते हुए सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग की ई-मेल आईडी dir.socialjustice@mp.gov.in पर भी जानकारी प्रेषित करें।

## अब ऑनलाइन मिलेंगे भूमि उपयोग प्रमाण पत्र – नगरीय विकास मंत्री

**भोपाल,** नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि नागरिकों को अब भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। पूर्व में नागरिक केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते थे, परंतु भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र के लिये कार्यालय में आना पड़ता था।

आवेदक द्वारा भूमि-उपयोग प्रमाण-पत्र के लिये ऑनलाइन आवेदन, सभी आवश्यक विवरण जैसे- निवेश/योजना क्षेत्र, गांव और खसरा नंबर दर्ज करके प्रस्तुत करने पर भूमि-उपयोग उसके स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है। आवेदक के इसे स्वीकार करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान करते ही मैप के साथ लैंड भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त होता है। आवेदक अपनी जरूरत के अनुसार इसे डाउनलोड और प्रिंट कर सकता है। कोई भी एजेंसी टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के ऑनलाइन लैण्ड यूज सर्टिफिकेट जनरेशन पोर्टल पर जाकर इस सर्टिफिकेट को एप्लीकेशन नंबर से सर्च कर डिजिटली वेरीफाई कर सकती है। आवेदक mptownplan.gov.in पर ऑनलाइन भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र अथवा https://dtcp.mp. gov.in/alpass/Web/Landuse Certificate.aspx पर लैण्ड यूज सर्टिफिकेट के आवेदन करने के लिये 'अप्लाई फॉर सर्टिफिकेट' पर क्लिक करें।

अभी यह सुविधा प्रदेश के 12 जिलों भोपाल, भिण्ड, दतिया, ग्वालियर, डबरा, हरदा, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, शिवपुरी और उज्जैन में लागू की गई है। शीघ्र ही इसे अन्य जिलों में भी लागू किया जायेगा।

## संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2020

# मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं का परचम

## संदेश

सबसे पहले मैं प्रदेश के अपने उन युवा साथियों को अंतर्मन से बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ जिनका संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2020 में देश की शीर्ष सेवाओं के लिए चयन हुआ है। परीक्षा में इस वर्ष प्रदेश के बेटे-बेटियों का रिकॉर्ड संख्या में चयन प्रदेश के लिए गर्व की बात होने के साथ ही प्रदेश के भविष्य का शुभ संकेत भी है। इन युवाओं की सफलता ने प्रदेश के उन्नत भाल पर गौरव का एक और केसर-तिलक अंकित किया है।

मध्यप्रदेश मेरा परिवार है। प्रदेश के साढ़े सात करोड़ लोग मेरे इस परिवार के सदस्य हैं। आप सभी मेरे इस परिवार का हिस्सा हैं। परिवार के मुखिया होने के नाते मेरे लिए आपकी यह सफलता ज्यादा ही खुशी का मौका है।

आप सभी की सफलता मध्यप्रदेश और मेरे लिए अभिमान का विषय है। मैं विशेष रूप से भोपाल की बेटी सुश्री जागृति अवस्थी का उल्लेख करना चाहूँगा। सुश्री जागृति ने पूरे देश में दूसरी रैंक हासिल कर यह साबित किया है कि प्रदेश की बेटियाँ हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़कर अपने परिवार और प्रदेश का नाम उजला कर रही हैं। मुझे विश्वास है कि भविष्य में प्रदेश का कोई बेटा-बेटी इस परीक्षा में शीर्ष क्रम पर अपना नाम दर्ज करायेगा।

मैंने पिछले कुछ दिनों में परीक्षा में आपकी सफलता से संबंधित कहानियाँ पढ़ी और सुनी हैं। मेरा विश्वास है कि प्रदेश के मेरे दूसरे भांजा-भांजी इन कहानियों को न केवल पढ़ेंगे बल्कि गुनेंगे भी और अपना भविष्य और प्रदेश का गौरव अपने हाथों लिखेंगे। किसी ने कहा भी है कि- भाग्य भी पुरुषार्थियों का साथ देता है।

यह सफलता निश्चित रूप से आपके ज्ञान, कौशल, कुशाग्रता, कड़े परिश्रम, एकाग्रता, अध्ययन की निरंतरता, लक्ष्य-पूर्ति की प्रतिबद्धता और जुनून का सुफल है। कुछ बेटा-बेटियों का पहले ही प्रयास में चयन हुआ है जो यह दर्शाता है कि ईमानदार कोशिशों से हर लक्ष्य पाया जा सकता है। कुछ को दूसरे, तीसरे, चौथे अथवा पाँचवें प्रयास में सफलता मिली है जो यह संदेश देती है कि असफलताओं से निराश हुए बगैर धैर्य और संयम से निरंतर समर्पित और प्रतिबद्ध प्रयास करते रहो, आगे बढ़ो, सफलता सुनिश्चित है। चरैवेति... चरैवेति... निरंतर आगे बढ़ो। यही तो जीवन-प्रबंधन है और सफलता का मूल-मंत्र भी।

मेरी सरकार की कोशिश है कि प्रदेश के बेटा-बेटियों को हर स्तर पर बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले। परिवार की आर्थिक स्थिति शिक्षा प्राप्ति में बाधा न बने। पहली कक्षा से लेकर उच्च से उच्चतर शिक्षा के लिए बच्चों को निःशुल्क गणवेश, पाठ्य सामग्री, साइकिल कई तरह की छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण, विदेश अध्ययन सुविधा, छात्रावास और आवासीय सुविधा, मध्यान्ह भोजन जैसी अनेकानेक सहूलियतें हमने उपलब्ध करायी हैं। मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना ने भी प्रतिभाशाली बच्चों को नया क्षितिज दिया है। गाँव की बेटी, प्रतिभा किरण, लाड़ली लक्ष्मी योजना, ज्ञानोदय और श्रमोदय विद्यालय, एकलव्य शिक्षा परिसर, एक्सीलेंस स्कूल और कॉलेज और अब सर्व-सुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल जैसे हमारे शैक्षणिक नवाचार बच्चों की शिक्षा को नयी उड़ान देने के हमारे संकल्प के कुछ प्रमाण हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में भी प्रदेश देश में अग्रणी है।

आप सभी भविष्य के नीति निर्माता हैं। जिस भी संवर्ग की सेवाएँ आपको आवंटित की जाएंगी, उस क्षेत्र में दायित्वों का निर्वहन करते समय अपनी सोच में आम-जन को सदैव उपस्थित रखें। आपको अवसर मिला है इसी 'जन' को सबल बनाने का। आप सभी को शासन की नीतियों और नवाचारों के परिणाममूलक क्रियान्वयन से आम आदमी की जिंदगी खुशहाल बनानी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण सुरक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अपना सौ-फीसदी श्रेष्ठ योगदान देना है। आपको यह कथन सच साबित करना है कि देश की युवा शक्ति ही विकसित राष्ट्र का सपना साकार कर सकती है।

मुझे विश्वास है कि सिविल सेवा परीक्षा में आपकी यह रिकॉर्ड सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए असीम प्रेरणादायी होगी। आगामी वर्षों में भी प्रदेश के युवा आपकी तरह देश में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

इस वर्ष के सफल युवाओं ने अपना एक लक्ष्य पा लिया है। मैं मानता हूँ कि युवा वर्ग न केवल अपने परिवार बल्कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की भी पूंजी है। मैं प्रदेश के सभी युवाओं का आह्वान करता हूँ कि न केवल सिविल सेवा परीक्षाओं, बल्कि जीवन के और कॅरियर के किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने, अपना उत्कृष्ट देने में वे अपने को अकेला न समझें। उनका अपना मामा, शिवराज सिंह चौहान, अपने भांजे, भांजियों के साथ है आज भी और भविष्य में भी।

**शुभकामनाओं के साथ।**

**शिवराज सिंह चौहान**
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

## प्राक्कथन

देश की शीर्षस्थ सेवाओं के लिए चयन पर आपका अभिनंदन, ढेर सारी बधाई और भावी जीवन के लिए अनंत शुभकामनाएँ।

आप सभी की सफलता के नेपथ्य में आपकी प्रतिभा, ज्ञान, कठोर परिश्रम, लगन, मानसिक सुदृढ़ता, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता, अध्ययन की निरंतरता और अदम्य इच्छा-शक्ति छुपी हुई है। लाखों-लाख परीक्षार्थियों में से आप का चयन आपकी क्षमताओं, बुद्धि-कौशल और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को रेखांकित करता है।

अब आपके सामने अवसरों का खुला और पूरा आसमान है। जिस किसी भी संवर्ग में आपको जो दायित्व मिलेगा, उसमें अपनी सकारात्मक और नई सोच के साथ आप अपने संकल्प और सपने पूरा कर सकेंगे, यही आशा है।

आप सभी शासन का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यह हमेशा याद रखना होगा कि सबसे पहले आप 'लोक-सेवक' हैं। शीर्ष सेवा के शिखर पर आपकी दृष्टि नीचे की ओर होनी चाहिए जहाँ आम-जनों की उपस्थिति है। हर क्षेत्र में बदलाव और सुधार की सदा संभावनाएँ होती हैं। अपने सेवा-काल में देश के जन-जन को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराकर खुशहाल बनाना तथा अधोसंरचना का युक्तियुक्त विकास आपकी प्राथमिकताएँ होनी चाहिए।

युवा-पीढ़ी की तेजस्विता, अनंत ऊर्जा, अदम्य शक्ति और सामर्थ्य के बूते ही विकसित राष्ट्र का सपना पूरा होगा। पूर्ण विकसित और खुशहाल राष्ट्र, समृद्ध प्रदेश, सशक्त समाज और आत्म-निर्भर आम आदमी का सपना बहुत बड़ा है। यह बड़ा सपना अब आपको देखना है और इसे साकार करने के लिए खूब मेहनत करना है। आप उन बिरलों में हैं जिनकी मेघा शक्ति को पंख मिल गये हैं। अब आपको ऊँची उड़ान से उपलब्धियों का इतिहास रचना है।

आपकी यह सफलता अब केवल आपकी और आपकी परिवार की नहीं रही। यह सफलता पूरे प्रदेश की बन गई है। आपकी सफलता से आपके बाद की पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण करेगी। आपके पद-चिन्हों का अनुसरण करते हुए आप जैसा बनना चाहेगी। कड़ी से कड़ी जुड़ती जायेगी और समय के साथ प्रदेश युवाओं की अपरिमित शक्ति से सम्पन्न-समृद्ध हो जायेगा, अंततः जिसका लाभ प्रदेश के विकास और आम-जनों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश के युवा आपकी तरह सही दिशा में, सही रास्ते पर संकल्पबद्ध प्रयास कर अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें।

**शुभकामनाओं के साथ।**

**डॉ. सुदाम खाड़े**
आयुक्त, जनसम्पर्क

## संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2020

# मध्यप्रदेश की प्रतिभाएं शीर्षस्थ लोक सेवाओं में चयनित

### सुश्री जागृति अवस्थी
**AIR-2**

सुश्री जागृति अवस्थी ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। सुश्री जागृति ने यह सफलता दूसरे प्रयास में हासिल की है। उन्होंने अनिवार्य विषयों के साथ समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

सुश्री जागृति के अनुसार उन्हें यह सफलता लगातार की गई कड़ी मेहनत से मिली है। उन्होंने परीक्षा के विषयों का बहुत गहराई से अध्ययन किया। पाठ्यक्रमों के लगातार रिवीज़न करने से उन्हें परीक्षा में बहुत मदद मिली। कोरोना काल के दौरान कोचिंग की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा किया। सुश्री जागृति प्रशासनिक अधिकारी के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास और महिलाओं के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। सुश्री जागृति इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देती हैं। श्रीमती सुधा मूर्ति उनकी प्रेरणा-स्त्रोत हैं। लेखक Paulo Coelho की पुस्तक Alchemist उनकी पसंदीदा पुस्तक है। सुश्री जागृति को बुन्देलखण्डी संगीत सुनना और बच्चों के लिए कविताएँ लिखना बहुत पसन्द है।

सुश्री जागृति ने सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए संदेश में कहा है कि- परीक्षा की मांग और स्तर को समझते हुए अध्ययन की रणनीति बनायें, पढ़ाई प्रतिदिन करें और लगातार अभ्यास से अपनी गलतियों में सुधार लाते रहें। किन्हीं भी प्रतिकूल परिस्थितियों अथवा तनाव में हार न मानें।

**परिवार**
पिता- डॉ. सुरेश चन्द्र अवस्थी, प्रोफेसर, शासकीय होम्योपैथिक कॉलेज, भोपाल
माता- श्रीमती मधुलता अवस्थी, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
14 नवम्बर, 1996, ग्राम निवारी, छतरपुर

**शिक्षा**
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मेनिट, भोपाल

**सम्पर्क**
एफ-108/61, 5 नम्बर बस स्टॉप, शिवाजी नगर, भोपाल- 462016
**मोबाइल**
9425607544
**ई-मेल**
jagratiawasthi05@gmail.com

### श्री अर्थ जैन
**AIR-16**

श्री अर्थ जैन की सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 16वीं रैंक है। उन्हें यह सफलता दूसरे प्रयास में मिली है। अनुशासित जीवन, नियमित अध्ययन के समयबद्ध कार्यक्रम का पालन और लक्ष्य का निर्धारण कर उसकी पूर्ति के लिए एकाग्र प्रयास उनकी सफलता का मूल-मंत्र है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा की परीक्षा पाठ्यक्रम अध्ययन की निरंतरता से प्राप्त स्थायी ज्ञान की माँग करती है। इसलिए उन्होंने एक चेकलिस्ट तैयार की थी और उसके अनुसार स्व-परीक्षण करते हुए निरंतर अभ्यास किए और पाठ्यक्रमों का रिवीज़न किया। श्री अर्थ जैन ने सिविल सेवा की परीक्षा में अनिवार्य विषयों के साथ गणित को वैकल्पिक विषय चुना था। परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने आईएमएस क्लासरूम के रीडिंग मटेरियल और टेस्ट सीरीज का उपयोग किया। श्री जैन अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी, माता-पिता और भाई को देते हैं। उनका कहना है कि परिवारजनों के सहयोग और प्रोत्साहन से उन्हें यह उपलब्धि मिल सकी है। माता-पिता उनके प्रेरणा-स्त्रोत हैं। श्री अर्थ जैन प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जमीनी स्तर पर स्थितियों, वास्तविकताओं और समस्याओं का सटीक आंकलन करते हुए उनके निराकरण और समाधान के लिए काम करने के इच्छुक हैं। वे शासन और प्रशासन के प्रति आम लोगों में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। उन्हें शतरंज खेलना और संगीत सुनना पसंद है।

श्री अर्थ जैन का सिविल सेवा परीक्षा के भावी अभ्यर्थियों के लिए संदेश है कि- इस परीक्षा की तैयारियों में सभी उपलब्ध विकल्पों पर अच्छी तरह से सोच-विचार करने के बाद चयन करें।

**परिवार**
पिता- श्री मुकेश जैन, आईपीएस परिवहन आयुक्त, म.प्र. शासन
माता- श्रीमती रितु जैन, निवेश बैंकर

**जन्म-तिथि/स्थल**
14 फरवरी, 1997, जबलपुर

**शिक्षा**
मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली

**सम्पर्क**
5 ए, गांधी रोड परिवहन आयुक्त निवास सिटी सेंटर के पास, ग्वालियर
**मोबाइल**
9560066511
**ई-मेल**
arthjain01@gmail.com

### सुश्री राधिका प्रहलाद गुप्ता
**AIR-18**

सुश्री राधिका गुप्ता वर्तमान में भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में गुजरात के बड़ोदा में पदस्थ हैं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में दूसरी बार शामिल होकर 18वीं रैंक प्राप्त की है। परीक्षा के लिए उन्होंने मानव जाति का विज्ञान, सामान्य ज्ञान, भूगोल और राजनीति शास्त्र विषय चुने थे। सुश्री राधिका ने परीक्षा की तैयारी बिना किसी कोचिंग क्लासेस के स्वयं की थी।

सुश्री राधिका गुप्ता के अनुसार वे कभी भी प्रतिकूल परिस्थितियों और दबाव के आगे हार नहीं मानती हैं। कड़ी मेहनत और लगन उनकी सफलता का मूल-मंत्र है। परीक्षा की तैयारियों के दौरान एक समय में एक ही काम उनकी रणनीति थी। सुश्री राधिका बतौर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहती हैं। वे अपनी सफलता के लिए अपनी दादी, माता-पिता और अन्य परिजन को श्रेय देती हैं। मध्यप्रदेश में पदस्थ आईएएस अधिकारी श्री पी. नरहरि उनके प्रेरणा-स्त्रोत हैं। सुश्री राधिका का कहना है कि श्री नरहरि द्वारा इन्दौर और ग्वालियर में किये गये कार्यों से उन्हें बहुत प्रेरणा मिली। टेबल टेनिस, बैडमिंटन खेलना, पेंटिंग और ट्रेवलिंग सुश्री राधिका की अभिरुचियाँ हैं।

सुश्री राधिका गुप्ता भविष्य में सिविल सेवा परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों को संदेश देते हुए कहती हैं कि- कभी भी उम्मीद नहीं खोना चाहिए। अपनी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखें। बड़े सपने देखें और उसको पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उनका कहना है कि इस परीक्षा की तैयारियों के लिए बड़ी सूझ-बूझ के साथ अपने कदम उठायें।

**परिवार**
पिता- श्री प्रहलाद गुप्ता, व्यवसायी
माता- श्रीमती चंदा गुप्ता

**जन्म-तिथि/स्थल**
5 अप्रैल, 1995, झाबुआ

**शिक्षा**
मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एसजीएसआईटीएस, इन्दौर

**सम्पर्क**
97, चन्द्रशेखर आजाद मार्ग, झंडा चौक, अलीराजपुर- 457887
**मोबाइल**
7067333491
**ई- मेल**
radhika.g771@gmail.com, radhikag411@gmail.com

### श्री विनायक चमड़िया
**AIR-47**

श्री विनायक चमड़िया वर्ष 2019 से भारतीय व्यापार सेवा में कार्यरत हैं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा- 2020 में दूसरी बार शामिल होकर 47वीं रैंक प्राप्त की है।

इस परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने फोर्म आईएएस हब और विजन आईएएस हब द्वारा कोचिंग ली है। श्री विनायक ने समाज शास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

श्री विनायक कड़ी मेहनत, रणनीति बनाकर निरंतर अध्ययन और अध्ययन के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लेकर इस परीक्षा में सफल हुए हैं।

श्री विनायक इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और पत्नी को देते हैं। ट्रेकिंग और टेनिस तथा वालीबॉल खेलना उनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

श्री विनायक ने इस परीक्षा के भावी अभ्यर्थियों को दिये गये अपने संदेश में कहा है कि- सदैव अपना आत्म-विश्वास और अध्ययन में निरंतरता बनाये रखें। नकारात्मक विचारधारा के लोगों से दूर रहें। पढ़ाई की प्रक्रिया को आनंदपूर्ण बनायें।

**परिवार**
पिता- श्री संदीप चमड़िया, व्यवसायी
माता- श्रीमती डॉली चमड़िया

**जन्म-तिथि/स्थल**
15 अक्टूबर, 1996, सतना

**शिक्षा**
बी.टेक, एनआईटी, कुरुक्षेत्र

**सम्पर्क**
शारदा सदन, एचपी गैस एजेंसी के पास, प्रेम नगर, सतना- 485001
**मोबाइल**
9728432687, 7000747074
**ई-मेल**
cvvinayak123@gmail.com, vinayak.1510@gov.in

### सुश्री अहिंसा जैन
**AIR-53**

सुश्री अहिंसा जैन ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 53वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने छठवीं बार परीक्षा देकर यह सफलता प्राप्त की है। सुश्री अहिंसा वर्तमान में इंडियन रेवेन्यू सर्विस में असिस्टेंट कमिश्नर (इन्कम टैक्स) का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। सुश्री अहिंसा ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध वैकल्पिक विषय के रूप में चुने थे।

सुश्री अहिंसा का सफलता का मंत्र है- कड़ी मेहनत और आत्म-विश्वास के साथ विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और संयम के साथ अध्ययन का क्रम अनवरत जारी रखना। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सुश्री अहिंसा का एकमात्र लक्ष्य जन-सेवा है। वे आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग करते हुए अधिक से अधिक संख्या में जन-सामान्य तक अपनी पहुँच बनाना चाहती हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण भी उनका एक प्रमुख उद्देश्य है। सुश्री अहिंसा अपनी सफलता के लिए अपने गुरु आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, परिवारजन और मित्रों के प्रति आभारी हैं।

सुश्री अहिंसा अपनी माँ को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानती हैं। इसके अलावा इन्फोसेस की श्रीमती सुधा मूर्ति और श्री गौर गोपाल दास उनकी प्रेरणा-स्त्रोत हैं। उनकी पसंदीदा पुस्तक- The Secret है, जिसके लेखक Rhonda Byrne हैं। अगली परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए उनका संदेश है कि- इस परीक्षा में क्या नहीं पढ़ना है, यह जानना बहुत आवश्यक है। कम पुस्तकें पढ़ें लेकिन पूरी गहनता और सूक्ष्मता से पढ़ें। सुश्री अहिंसा की अन्य प्रमुख अभिरुचियाँ साइकिलिंग, भावना-योग, गायन, क्लेमेशी और पेपरमेशी आदि हैं।

**परिवार**
पिता- श्री सुभाष जैन, व्यवसायी
माता- श्रीमती अर्चना जैन, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
19 दिसम्बर, 1990, जबलपुर

**शिक्षा**
इलेक्ट्रॉनिक एण्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर

**सम्पर्क**
फ्लेट नं. 602, अमृत हाइट्स, आगा चौक, जबलपुर
**मोबाइल**
9654451539
**ई-मेल**
ahinsa26@gmail.com

### श्री आयुष गुप्ता
**AIR-98**

देवास शहर के श्री आयुष गुप्ता ने दूसरी बार सिविल सेवा परीक्षा-2020 में भाग लेकर 98वीं रैंक प्राप्त की है। इस परीक्षा के लिए उन्होंने वैकल्पिक विषयों के रूप में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध का चयन किया था।

नियमित पढ़ाई, धैर्य, कड़ी मेहनत, आगे बढ़ने का दृढ़-संकल्प और पढ़ाई को आनंद का कारण बना लेना उनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री आयुष अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, अन्य परिवारजन, मित्रों और शिक्षकों को देते हैं।

जीवन प्रबंधन के लिए वे भगवान श्रीकृष्ण और क्रिकेट खिलाड़ी श्री एम.एस. धोनी को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं।

श्री आयुष आवंटित होने वाले कार्य-क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों से सम्पर्क बनाकर ईमानदारी और मेहनत से विकास और जन-कल्याण के काम करना चाहते हैं। उन्हें क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है।

श्री आयुष वर्तमान में रेलवे सुरक्षा बल में सहायक सुरक्षा आयुक्त के पद पर पदस्थ हैं।

सिविल सेवा की आगामी परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए उनका कहना है कि- कोशिशें कभी खत्म न हों, असफलता से निराश न हों, नियमित रूप से समाचार-पत्र पढ़ें और धैर्य बनाये रखते हुए नियमित अध्ययन का क्रम जारी रखें।

**परिवार**
पिता- श्री रूपचंद गुप्ता, प्रेस्टीज सोया में कार्यरत
माता- श्रीमती साधना गुप्ता, व्याख्याता (शासकीय विद्यालय)

**जन्म-तिथि/स्थल**
22 मई, 1997, देवास

**शिक्षा**
इंजीनियरिंग इन टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी, आई.आई.टी., दिल्ली

**सम्पर्क**
580-बी, राजाराम नगर, देवास
**मोबाइल**
8058953757
**ई-मेल**
agayushgupta4@gmail.com

### श्री अरविंद कुमार शाह
**AIR-123**

श्री अरविंद कुमार शाह ने तीसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा-2020 में सफलता अर्जित करते हुए 123वीं रैंक हासिल की है।

परीक्षा के लिए उन्होंने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषयों को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। श्री शाह ने परिणाम की जगह परीक्षा पर पूरी तरह से फोकस किया। उनकी सफलता का मूल-मंत्र था कि उन्होंने बहुत सारी रणनीतियाँ न बनाकर अध्ययन का सीधा एवं सरल मार्ग चुना।

श्री शाह अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवारजन, मित्रों और शिक्षकों के सहयोग को देते हैं। श्री शाह को Victor Frankl की पुस्तक- "Man's Search for meaning" और Gurucharan Das की पुस्तक- "Difficulty of being good" से बहुत प्रेरणा मिली है। किताबें पढ़ना और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जानकारी रखना उनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

श्री शाह समाज में लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। श्री अरविंद का सिविल सेवा परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों से कहना है कि- शिक्षकों से परामर्श लेकर अध्ययन की अपनी योजना स्वयं बनाएँ और उस पर नियमित अमल करें।

**परिवार**
पिता- श्री सुरेन्द्र प्रसाद शाह, शिक्षक
माता- श्रीमती मंतोरिया शाह, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
08 जून, 1992, सिंगरौली

**शिक्षा**
इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एनआईटी, भोपाल

**सम्पर्क**
गदहरा गाँव, पोस्ट तियारा, जिला- सिंगरौली-486886
**मोबाइल**
8750112229
**ई-मेल**
arvind8692@gmail.com

### श्री कार्तिक श्रोत्रिय
**AIR-124**

श्री कार्तिक श्रोत्रिय को सिविल सेवा परीक्षा-2020 में अपने दूसरे प्रयास में 124वीं रैंक मिली है। वर्ष 2019 की परीक्षा में उनकी रैंक 276वीं थी। श्री कार्तिक वर्तमान में भारतीय रेलवे यातायात सेवा में कार्यरत हैं।

सिविल सेवा परीक्षा-2020 में श्री कार्तिक ने वैकल्पिक विषय के रूप में कॉमर्स और एकाउन्टेंसी का चयन किया था। श्री कार्तिक ने वर्ष 2020 की परीक्षा में अनिवार्य एवं चयनित विषयों के लिए कोई कोचिंग नहीं ली। केवल अभ्यास के लिए मॉक टेस्ट दिये थे।

कड़ा परिश्रम, आत्म-विश्वास, धैर्य और बार-बार रिवीज़न तथा अभ्यास उनकी सफलता का मूल-मंत्र है। श्री कार्तिक अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजन और मित्रों को देते हैं।

श्री कार्तिक की सदिच्छा है कि वे महिला सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को और अधिक बेहतर बनायें। पॉडकास्ट सुनना और फुर्सत के पलों में डॉक्यूमेंट्री फिल्में देखना उन्हें बहुत पसंद है। श्री कार्तिक स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री की देशभक्ति, ईमानदारी और सादगी के कायल हैं। माता-पिता उनके प्रेरणा-स्त्रोत हैं।

सिविल सेवा परीक्षा के भावी उम्मीदवारों के लिए उनका संदेश है कि- स्वयं में विश्वास रखें और अध्ययन के लिए अपनी योजना तैयार करके अपनी पूर्ण क्षमता से उसका पालन करें।

**परिवार**
पिता- श्री के.बी. शर्मा, आईपीएस अधिकारी (सेवानिवृत्त)
माता- श्रीमती सीमा शर्मा

**जन्म-तिथि/स्थल**
05 सितम्बर, 1997, भोपाल

**शिक्षा**
एम.कॉम, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

**सम्पर्क**
12, ऋषि परिसर, वैशाली नगर, भोपाल- 462003
**मोबाइल**
8989544620
**ई-मेल**
kartik.shrotriya97@gmail.com

### श्री हिमांशु गुप्ता
**AIR-139**

श्री हिमांशु गुप्ता ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरे प्रयास में 139वीं रैंक प्राप्त की है।

श्री हिमांशु ने वैकल्पिक विषय के रूप में मानव शास्त्र का चयन किया था।

श्री हिमांशु वर्तमान में आईपीएस अधिकारी के बतौर हैदराबाद में पदस्थ हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देते हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री हिमांशु गाँव और कस्बों से आने वाले युवाओं को मुख्य-धारा से जोड़कर गाँव और शहर के अंतर को दूर करना चाहते हैं, जिससे उन्हें भी बेहतर भविष्य मिल सके।

फोटोग्राफी, तितलियों को देखना, यात्राएँ करना एवं लेखन उनकी मुख्य अभिरुचियाँ हैं। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम उनके प्रेरणा-स्त्रोत हैं।

श्री हिमांशु का सिविल सेवा परीक्षा के भावी उम्मीदवारों के लिए संदेश है कि- कठिन परिश्रम, आत्म-विश्वास और रोज़ाना अध्ययन ही सफलता का एकमात्र रास्ता है।

**परिवार**
पिता- श्री संतोष गुप्ता, दुकानदार
माता- श्रीमती चंचल गुप्ता

**जन्म-तिथि/स्थल**
14 अप्रैल, 1994, शिवपुरी

**शिक्षा**
एम. फिल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

**सम्पर्क**
ए-15, सुपनपा, शिवरामापल्ली, हैदराबाद-500052
**मोबाइल**
9582011930
**ई-मेल**
gupta.himanshu1233@gmail.com

## श्री शुभम अग्रवाल
### AIR-153

श्री शुभम अग्रवाल का सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पाँचवां प्रयास था, जिसमें उन्हें 153वीं रैंक हासिल हुई है।

परीक्षा के लिए उन्होंने वैकल्पिक विषय के रूप में दर्शन शास्त्र का चयन किया था।

श्री शुभम ने इस परीक्षा में सफलता के लिए 6 वर्ष का लम्बा संघर्ष किया। उन्होंने कई कोचिंग संस्थाओं की मदद से परीक्षा की तैयारियाँ कीं।

उनकी सफलता का मूल-मंत्र हर विषय की अलग-अलग रणनीति बनाकर अध्ययन करना है। उन्होंने प्रतिदिन लिखने का भी अभ्यास किया। जीवन में अनुशासन को प्राथमिकता दी। पूरे धैर्य के साथ बार-बार अभ्यास करके गलतियों को सुधारा।

श्री शुभम इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिजन और मित्रों को देते हैं। श्री राजा राम मोहन राय उनके प्रेरणा-स्रोत हैं।

क्रिकेट खेलना और नियमित रूप से व्यायाम करना उनकी अभिरुचियाँ हैं। साथ ही आध्यात्मिकता के प्रति भी उनका झुकाव है।

सिविल सेवा की आगामी परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों से उनका आग्रह है कि- अपने फैसले पर अडिग रहें और खुद पर विश्वास रखें। तनाव और दबाव में भी खुश रहना सीखें।

**परिवार**
**पिता-** श्री दिनेश अग्रवाल, व्यवसायी
**माता-** श्रीमती ज्योति अग्रवाल, व्यवसायी

**जन्म-तिथि/स्थल**
31 अगस्त, 1994, ग्वालियर

**शिक्षा**
बी.ए. इकोनॉमिक्स (ऑनर्स)

**सम्पर्क**
ए-33, मन्नीपुरम कॉलोनी, चार इमली, भोपाल
**मोबाइल**
9911329916
**ई-मेल**
shubhamagraw@gmail.com

## श्री नरेन्द्र रावत
### AIR-165

श्री नरेन्द्र रावत वर्तमान में भारतीय वन सेवा के तहत परिवीक्षा में नार्थ बैतूल फॉरेस्ट डिवीजन में पदस्थ हैं। श्री रावत ने पाँचवीं बार सिविल सेवा परीक्षा दी थी, जिसमें उन्हें 165वीं रैंक मिली है। श्री रावत ने इस परीक्षा की तैयारी स्व-अध्ययन से की। साक्षात्कार के लिए उन्होंने NEXT IAS DELHI की मदद ली।

श्री रावत अपनी सफलता के लिए अपने परिवारजन, मित्रों और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिन्होंने संघर्ष की इस पूरी यात्रा के दौरान सकारात्मक सोच के साथ उनको प्रोत्साहित किया।

वे नियमित अध्ययन, कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच को अपनी सफलता का मूल-मंत्र मानते हैं। उनके प्रेरणा-स्रोत उनके पिता श्री रमेश सिंह रावत हैं। क्रिकेट और स्क्वेश खेलना उन्हें रुचिकर लगता है और पर्यावरण पर आधारित फिल्में देखना उन्हें बहुत पसन्द है।

श्री रावत भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के तौर पर महिलाओं की सुरक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना और पुलिस के प्रति आमजन की धारणा में बदलाव लाना चाहते हैं।

सिविल सेवा के भावी अभ्यर्थियों से उनका कहना है कि- कड़ी मेहनत, नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और ईश्वर में आस्था रखकर कोई भी व्यक्ति किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

**परिवार**
**पिता-** श्री रमेश सिंह रावत, किसान
**माता-** श्रीमती कुसुम रावत, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
02 फरवरी, 1991, शिवपुरी

**शिक्षा**
केमिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी

**सम्पर्क**
मकान नं. 113, वार्ड नं. 9, महल कॉलोनी, शिवपुरी-473551
**मोबाइल**
9958738808
**ई-मेल**
nsrbhu@gmail.com

## श्री अभिषेक खंडेलवाल
### AIR-167

श्री अभिषेक खंडेलवाल ने सिविल सेवा परीक्षा 2020 में 167वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका दूसरा प्रयास था। वैकल्पिक विषय के रूप में उन्होंने अर्थशास्त्र का चयन किया था।

इस परीक्षा की तैयारियाँ उन्होंने स्व-अध्ययन के आधार पर कीं। मुख्य परीक्षा के लिए उन्होंने विजन दिल्ली आईएएस कोचिंग की टेस्ट सीरीज का भी सहयोग लिया। कड़ी मेहनत, स्थिरता, अध्ययन की समय-सारिणी बनाकर उसका पूरी लगन से पालन, सकारात्मक सोच और मानसिक मजबूती उनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री अभिषेक अपनी सफलता का श्रेय परिवारजन, मित्रों और शिक्षकों को देते हैं। मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी श्री फैज अहमद किदवई उनके प्रेरणा-स्रोत हैं। लॉन टेनिस खेलना, यात्राएँ करना और रक्तदान शिविरों का आयोजन उनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जनजातियों के जीवन में गुणात्मक सुधार के लिए उन्हें मुख्य-धारा से जोड़ना, सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन और ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के क्षेत्र में काम करना श्री अभिषेक खंडेलवाल का संकल्प है।

सिविल सेवा परीक्षा के भावी अभ्यर्थियों के लिए उनका कहना है कि- एक सुनिश्चित लक्ष्य अपने सामने रखें। नियमित अध्ययन और कड़े परिश्रम से ही सफलता का द्वार खुलता है।

**परिवार**
**पिता-** श्री शरद खंडेलवाल, लेखाकार
**माता-** श्रीमती बबीता खंडेलवाल, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
01 जून, 1993, सेमरी हरचंद

**शिक्षा**
एम.एस. इकोनॉमिक्स, आईआईटी, कानपुर

**सम्पर्क**
437, वार्ड नं. 9, मेन रोड, सेमरी हरचंद, जिला- होशंगाबाद-461668
**मोबाइल**
9621754466, 9425636305
**ई-मेल**
abhi.abhishek2603@gmail.com

## श्री कृष्ण लालचंदानी
### AIR-216

सिविल सेवा परीक्षा-2020 में भोपाल के श्री कृष्ण लालचंदानी को 216वीं रैंक प्राप्त हुई है। यह उनका पाँचवां प्रयास था।

वर्तमान में वे भारतीय वन सेवा के तहत होशंगाबाद डिवीजन में कार्यरत हैं।

सिविल सेवा परीक्षा के लिए स्व-अध्ययन उनकी तैयारियों की रणनीति का प्रमुख हिस्सा था। साक्षात्कार की तैयारी के लिए उन्होंने ALS NEW DELHI का सहयोग लिया।

श्री लालचंदानी की सफलता का मूल-मंत्र अनवरत कड़ी मेहनत और अच्छे मित्रों का साथ है।

वे सफलता का श्रेय अपनी आंटी, परिवारजन और शिक्षकों को देना चाहते हैं, जिन्होंने निःस्वार्थ प्रोत्साहन और समर्थन दिया। मोटिवेशनल वीडियो देखना उनकी अभिरुचि है। वे प्रायः अनाथालय जाकर बच्चों के बीच समय व्यतीत करना पसंद करते हैं।

श्री लालचंदानी अपने दायित्वों के निर्वहन के दौरान प्रशासन के प्रति जन-धारणा में बदलाव लाना चाहते हैं और अनाथ बच्चों तथा अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए काम करना चाहते हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए उनका संदेश है कि- एकाग्रता, दृढ़-संकल्प, सतत् प्रयासों और परिश्रम से कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है।

**परिवार**
**पिता-** श्री हेमन्त लालचंदानी, शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त
**माता-** श्रीमती नंदनी लालचंदानी, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
03 नवम्बर, 1991, भोपाल

**शिक्षा**
मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बिट्स पिलानी, राजस्थान

**सम्पर्क**
हाउस नं. 3, लक्ष्मी कम्पाउण्ड, सेन्ट जोसेफ चर्च के पीछे, ईदगाह हिल्स, भोपाल-462001
**मोबाइल**
9650804867
**ई-मेल**
krishanlalchandani@gmail.com

## श्री आशुतोष श्रीवास्तव
### AIR-223

सिविल सेवा परीक्षा-2020 में ग्वालियर के श्री आशुतोष श्रीवास्तव को 223वीं रैंक प्राप्त हुई है। यह उनका छठवां प्रयास था। वर्तमान में वे भारतीय राजस्व सेवा के तहत परिवीक्षाधीन अधिकारी (आयकर) के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध का चयन किया था।

परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन का मार्ग चुना। अध्ययन में इन्टरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी सफलता का मूल-मंत्र टाइम-मैनेजमेंट था, जिसके तहत उन्होंने शासकीय सेवा और अध्ययन के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए वांछित लक्ष्य हासिल किया।

श्री आशुतोष की सफलता में उनके परिवारजन, मित्रों और शुभचिंतकों का बहुत योगदान रहा। श्री श्रीवास्तव स्वामी विवेकानंद और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन के अनुभवों से प्रेरणा ग्रहण करते हैं।

कार्य-क्षेत्र में दायित्वों के निर्वहन के दौरान वे समाज के विभिन्न समूहों तक शासन-प्रशासन को ले जाना चाहते हैं। समाज की कुरीतियों का उन्मूलन उनका संकल्प है। वे भारत को विकसित देशों की सूची में लाने के लिए अपना यथासंभव योगदान देना चाहते हैं।

क्रिकेट खेलना, गायन और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर नजर बनाये रखना उनकी रुचि के विषय हैं।

**परिवार**
**पिता-** श्री प्रदीप श्रीवास्तव, वकील
**माता-** श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव

**जन्म-तिथि/स्थल**
30 जून, 1990, ग्वालियर

**शिक्षा**
इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ग्वालियर

**सम्पर्क**
प्रदीप भवन, वैरागपुरा, दानाओली, लश्कर, ग्वालियर-474001
**मोबाइल**
8770243599
**ई-मेल**
manav3006@gmail.com

## श्री सुमित कुमार सिंह
### AIR-229

श्री सुमित कुमार सिंह वर्तमान में भारतीय रेल (यातायात) में परिवीक्षाधीन अधिकारी हैं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा वर्ष-2020 छठवीं बार दी, जिसमें उन्हें 229वीं रैंक प्राप्त हुई है। परीक्षा के लिए समाज शास्त्र उनका वैकल्पिक विषय था। उन्होंने पूर्व में प्राप्त असफलताओं से सीख लेकर इस बार लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़-संकल्पों के साथ लगातार परिणामूलक कोशिशें कीं, जो अंततः फलीभूत होकर उनकी सफलता का मूल-मंत्र साबित हुईं।

श्री सुमित अपनी सफलता के लिए परिवार और मित्रजन के प्रति कृतज्ञ हैं, जिनके निरन्तर अमूल्य सहयोग और प्रोत्साहन से वे अपने लक्ष्य में सफल हो सके। बतौर एक प्रशासनिक अधिकारी वे सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहते हैं। वे समाज के कमजोर, दलित, वंचित और मुख्यतः सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को विकास की मुख्य-धारा से जोड़ने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहते हैं।

आगामी समय में इस परीक्षा में बैठने वाले युवा साथियों के लिए उनका सुझाव है कि- लक्ष्य निर्धारित करते हुए एक कुशल मार्गदर्शक के निर्देशन में एकाग्रचित होकर अध्ययन और अभ्यास करें। असफलताएँ हम सबको बहुत कुछ सिखाती हैं, अतः डरने की बजाय अपने प्रयासों को और अधिक गति दें। कठिन परिश्रम का कोई दूसरा विकल्प नहीं होता।

**परिवार**
**पिता-** श्री अखिलेश कुमार सिंह, प्रायवेट जॉब से सेवानिवृत्त
**माता-** श्रीमती नीलम सिंह

**जन्म-तिथि/स्थल**
26 फरवरी, 1989, इंदौर

**शिक्षा**
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, आईआईटी, रूड़की

**सम्पर्क**
107, जगदीश पटेल के कुएँ के पास, पिपल्याराव, इंदौर-452014
**मोबाइल**
7389514410
**ई-मेल**
sumitias89@gmail.com

## श्री शुभम बजाज
### AIR-232

श्री शुभम बजाज पहली बार सिविल सेवा की परीक्षा में वर्ष 2019 में 280वीं रैंक के साथ चयनित हुए थे और वर्तमान में भारतीय रेल यातायात सेवा में हैं। अपने दूसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा-2020 में उन्हें 232वीं रैंक हासिल हुई है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन को प्राथमिकता दी।

श्री बजाज ने परीक्षा के तीनों हिस्सों पर पूरी तरह से अपना ध्यान केन्द्रित रखा। समर्पित भाव से नियमित अध्ययन, अपनी तैयारियों का स्वयं परीक्षण और कमजोर क्षेत्रों में सुधार, संरक्षकों का मार्गदर्शन और परिजन का सहयोग ही उनकी सफलता का मूल-मंत्र है। उनकी सफलता का समूचा श्रेय माँ और बहनों को जाता है, जिन्होंने परीक्षा की तैयारियों के दौरान उन्हें सहयोग और प्रोत्साहन दिया। वे अपने संरक्षकों और शुभचिंतकों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वे देश के अधो-संरचना विकास के लिए काम करने को लेकर अत्यधिक उत्सुक हैं। उनका मत है कि गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से ही देश के स्वरूप में आमूल-चूल परिवर्तन लाया जा सकता है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की "Wings of Fire" और Viktor Frankl की "Man's Search For Meaning" और James Clear की "Atomic Habits" उनकी प्रिय पुस्तकें हैं। प्रोफेसर- डॉ. अश्विन महालिंगम उनके प्रेरणा-स्रोत हैं। भविष्य में इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका सुझाव है कि- परीक्षा के स्वरूप को समझकर अपनी ताकत और कमजोरी को समझें, कठिन परिश्रम करें और अपनी तैयारी का परीक्षण करते रहें।

**परिवार**
**पिता-** श्री सुनील कुमार जैन, स्वास्थ्य विभाग में सेवारत
**माता-** श्रीमती भारती जैन, शिक्षिका, शासकीय विद्यालय

**जन्म-तिथि/स्थल**
20 फरवरी, 1997, विदिशा

**शिक्षा**
सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी, मद्रास

**सम्पर्क**
276/28, शुभम विला, एस.बी.आई. के सामने, अरिहन्त विहार मेन गेट, विदिशा
**मोबाइल**
9566025425, 8839542872
**ई-मेल**
shubhambajaj2002@gmail.com

## श्री साहिल खरे
### AIR-243

श्री साहिल खरे ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पहली बार में ही सफलता हासिल कर 243वीं रैंक प्राप्त की है।

परीक्षा के लिए उन्होंने वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषय का चयन किया था।

उन्होंने मेहनत, लगन, धैर्य, आत्म-विश्वास और केन्द्रित अध्ययन से यह सफलता हासिल की है।

श्री साहिल अपनी सफलता का श्रेय अपने बड़े भाई आईएएस स्वप्निल खरे को देते हैं। श्रीमती रजनी खरे (माँ), महात्मा गाँधी जी और एम.एन. बुच उनके प्रेरणा-स्रोत हैं।

श्री साहिल खरे को तबला, ड्रम बजाना और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करना पसंद है।

श्री साहिल खरे प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दूर-दराज और पिछड़े क्षेत्रों में जनता के बीच समन्वय बनाकर कार्य करना चाहते हैं।

आगामी वर्षों में इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि आत्म-विश्वास, कठिन परिश्रम और केन्द्रित अध्ययन से ही इस परीक्षा में सफलता अर्जित की जा सकती है।

**परिवार**
**पिता-** श्री समीर कुमार खरे, आईएएस अधिकारी
**माता-** श्रीमती रजनी खरे, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
02 अगस्त, 1996, भोपाल

**शिक्षा**
बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स), नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट, भोपाल

**सम्पर्क**
आई-2, फॉर्च्यून ग्लोरी एक्सटेंशन, रोहित नगर के पास, गुलमोहर कॉलोनी, बावड़िया कलां, भोपाल- 462026
**मोबाइल**
9752843842
**ई-मेल**
saahilkhare@gmail.com

## श्री श्रेयांश सुराणा
### AIR-269

श्री श्रेयांश सुराणा ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पहली बार में ही 269वीं रैंक प्राप्त की है। परीक्षा के वैकल्पिक विषय के रूप में उन्होंने वाणिज्य और लेखा शास्त्र विषयों का चुनाव किया। विचारों और कार्यों में सकारात्मकता, आत्म-विश्वास और चुनौतियों को पार करने की चाह उनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री सुराणा अपनी सफलता का श्रेय परिवार, दोस्त, शिक्षक और शुभचिंतकों को देते हैं, जिन्होंने इस यात्रा को सफल बनाया। श्री सुराणा प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सह-कर्मचारियों को अपनी पूरी क्षमता का एहसास दिलाना, आत्म-विश्वास, सही ज्ञान और स्वस्थ शरीर के साथ प्रशासनिक मशीनरी को सुदृढ़ बनाना चाहते हैं।

इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष और पूरे प्रयत्न के साथ तैयारी करें।

श्री सुराणा को नीचे प्रस्तुत कविता से बहुत प्रेरणा मिलती है। "If all my pains and all my tears, and all that I learnt throughout these years, could lift a fallen head, could lighten a darken mind"

फूड-फोटोग्राफी, ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, बास्केटबॉल खेलना और नई चीजें सीखना श्री सुराणा की अभिरुचियाँ हैं।

**परिवार**
**पिता-** श्री विमल कुमार सुराणा, कर सलाहकार
**माता-** श्रीमती स्नेहलता सुराणा

**जन्म-तिथि/स्थल**
04 अप्रैल, 1997, बैतूल

**शिक्षा**
चार्टर्ड एकाउंटेंट (आईसीएआई, नई दिल्ली)

**सम्पर्क**
07, नवकार, गोठी बगीचा, मोती वार्ड, मारूति मार्बल के सामने, चक्कर रोड, कोठीबाजार, बैतूल- 460001
**मोबाइल**
8087848242
**ई-मेल**
shreyanshsurana2@gmail.com

**"ज्ञान मनुष्य में अंतर्निहित ही है। संसार ने जो ज्ञान-लाभ किया है, वह मन से ही निकला है। विश्व का असीम पुस्तकालय तुम्हारे मन में ही विद्यमान है - तुम्हारे अध्ययन का विषय तुम्हारा मन ही है।" - स्वामी विवेकानंद**

## श्री ऋषभ रुनवाल
**AIR- 281**

श्री ऋषभ रुनवाल ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरी बार में 281वीं रैंक प्राप्त की है। परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय के रूप में वाणिज्य और लेखा शास्त्र का चुनाव किया। श्री ऋषभ वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण, गाँधी नगर (गुजरात) में कार्यरत हैं।

परीक्षा के लिए अध्ययन की रणनीति बनाकर उसका सुनियोजित क्रियान्वयन करना उनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री ऋषभ अपनी सफलता के लिए ईश्वर के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। श्री ऋषभ को श्रीमद् भगवद्गीता और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री से प्रेरणा मिलती है।

श्री ऋषभ को फुटबाल, बैडमिंटन खेलना, यात्राएँ करना और वन्य-जीव आधारित फिल्में देखना पसंद है।

श्री ऋषभ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में ग्रामीण विकास के साथ-साथ शिक्षा, कृषि और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं।

इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए न पढ़ें बल्कि खुद को इस परीक्षा के लिए तैयार करें।

**परिवार**
**पिता-** श्री महेश रुनवाल, कपड़ा व्यवसायी
**माता-** श्रीमती निर्मला रुनवाल, साड़ी व्यवसायी

**जन्म-तिथि/स्थल**
24 जनवरी, 1995, उज्जैन

**शिक्षा**
चार्टर्ड एकाउंटेंट (आईसीएआई)

**सम्पर्क**
30, सुभाष पथ, मेला रोड, महिदपुर, जिला- उज्जैन- 456443
**मोबाइल**
7000381335
**ई-मेल**
rrunwal7@gmail.com

## श्री संदीप राजौरिया
**AIR-290**

श्री संदीप राजौरिया ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पाँचवीं बार में 290वीं रैंक प्राप्त की है। परीक्षा में भूगोल उनका वैकल्पिक विषय था।

दृष्टि, निर्धारित लक्ष्य, रुचि, कड़ी मेहनत और अपनी क्षमताओं पर अटूट विश्वास इस परीक्षा में इनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री संदीप अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार और मित्रों को देते हैं। श्री संदीप पूर्व आईएएस अधिकारी के. सुब्रहमण्यम के कार्यों से प्रेरित हैं।

श्री संदीप को कैलीग्राफी, डायरी लिखना और छात्रों का कॅरियर मार्गदर्शन करना रुचिकर लगता है।

श्री संदीप प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सूचना-प्रौद्योगिकी के उपयोग से क्षेत्रीय विकास पर विशेष काम करना चाहेंगे।

इस परीक्षा में भविष्य में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- उद्देश्य की स्पष्टता, समर्पण, अध्ययन में रुचि और निरंतर अभ्यास से परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है।

**परिवार**
**पिता-**श्री देवेन्द्र कुमार राजौरिया, इंजीनियर, आंध्रा सीमेन्ट लिमिटेड
**माता-** श्रीमती गंगा राजौरिया

**जन्म-तिथि/स्थल**
03 अक्टूबर, 1993, नीमच

**शिक्षा**
इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, जेयूआईटी, सोलन

**सम्पर्क**
C/o मातीराम राजौरिया, ग्राम भरा, ब्लॉक अम्बाह, जिला- मुरैना
**मोबाइल**
9882333720
**ई-मेल**
s_rajoriya@yahoo.co.in

## श्री रोहित नेमा
**AIR-347**

श्री रोहित नेमा ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में छठवीं बार में 347वीं रैंक प्राप्त की है। परीक्षा में सार्वजनिक प्रशासन उनका वैकल्पिक विषय था।

श्री रोहित वर्तमान में सहायक कार्मिक अधिकारी, डीआरएम ऑफिस, जबलपुर में कार्यरत हैं।

परीक्षा में आशावादी, ईमानदारी, बुद्धिमानी और तकनीकी माध्यमों से अध्ययन करना इनकी सफलता का मूल-मंत्र है।

श्री रोहित अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता को देते हैं।

श्री रोहित प्रशासनिक अधिकारी के रूप में मध्यप्रदेश को विश्व में आदर्श राज्य बनाने की दिशा में काम करना चाहते हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- सिविल सेवा परीक्षा आपको बेहतर और जानकार व्यक्तित्व बनाती है। हिम्मत न हारे, निरंतर प्रयास से आप जॉब के साथ भी इस परीक्षा को पास कर सकते हैं।

श्री रोहित के प्रेरणा-स्त्रोत उनके दादाजी हैं। यात्राएँ करना और गणित पढ़ना उनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

**परिवार**
**पिता-** स्व. विजय कमल नेमा
**माता-** श्रीमती वीना नेमा, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
04 फरवरी, 1988, जबलपुर

**शिक्षा**
एम.बी.ए. मार्केटिंग, लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

**सम्पर्क**
1319, जहाँगीराबाद कॉलोनी, राइट टाउन, जबलपुर-482001
**मोबाइल**
9717409470
**ई-मेल**
rohitnemajec@gmail.com

## श्री मनोज कुमार
**AIR- 358**

श्री मनोज कुमार ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरे प्रयास में 358वीं रैंक हासिल की है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन को प्राथमिकता दी। श्री मनोज ने वैकल्पिक विषय के रूप में समाज शास्त्र को चुना था।

उन्होंने परीक्षा में कठिन परिश्रम, दृढ़ता और समर्पण से विषयों का अध्ययन को अपनी तैयारी का मूल-मंत्र बनाया है। श्री मनोज अपने आईएएस ऑफिसर भाई को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं।

उनकी सफलता का समूचा श्रेय माता-पिता, बड़ी बहन, बड़े भाई और शिक्षक को जाता है, जिन्होंने परीक्षा की तैयारियों के दौरान उन्हें सहयोग और प्रोत्साहन दिया। वे अपने संरक्षकों और शुभचिंतकों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वे दिये गये दायित्वों का सम्पूर्ण निर्वहन करना चाहते हैं। वे विशेषतः स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य जरूरी क्षेत्रों की बेहतरी के लिए काम करना चाहते हैं।

इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका सुझाव है कि- कठिन परिश्रम करते रहें, धैर्य और विश्वास रखें सफलता जरूर मिलेगी।

नई जगहों की यात्राएँ करना उनकी अभिरुचि है।

**परिवार**
**पिता-** श्री राम लखन शाह, सबआर्डिनेट इंजीनियर, कोल इंडिया लिमिटेड
**माता-** श्रीमती मान कुमारी शाह, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
11 अक्टूबर, 1991, सिंगरौली

**शिक्षा**
मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा, आईआईएम, कोलकाता

**सम्पर्क**
8, ग्राम खरकटा, पोस्ट ऑफिस पटेरी, तहसील- चितरंगी, जिला- सिंगरौली- 486892
**मोबाइल**
9406777729, 8336947220
**ई-मेल**
manojshah.iitd@gmail.com

## श्री शिवम प्रजापति
**AIR-407**

श्री शिवम प्रजापति ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरे प्रयास में 407वीं रैंक हासिल की है। श्री शिवम ने भूगोल को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। वे वर्तमान में सहायक आयुक्त, आयकर में कार्यरत हैं।

श्री शिवम ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए वजीराम एण्ड रवि से अध्ययन किया। उन्होंने परीक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण, सही रणनीति, धैर्य और अनुशासन को अपनी तैयारी का मूल-मंत्र बनाया।

वे अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, बहन, शिक्षक और मित्रगण को देते हैं। श्री शिवम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुस्तक Wings of Fire को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं। फोटोग्राफी इनकी अभिरुचि है।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वे कमजोर वर्ग को सशक्त बनाना चाहते हैं।

इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- ईमानदारी से अध्ययन, कठिन परिश्रम, ज्यादा से ज्यादा रिवीज़न और अच्छे नोट्स बनाना परीक्षा में सफलता पाने के लिए बेहद जरूरी है।

**परिवार**
**पिता-** श्री मिर्रा कुम्हार, ज्वाइंट कमिश्नर, जीएसटी विभाग
**माता-** श्रीमती माया, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
27 फरवरी, 1996, ग्वालियर

**शिक्षा**
सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली

**सम्पर्क**
गायत्री नगर, समरितन हॉस्पिटल के पास, पटेरी, सतना- 485001
**मोबाइल**
8839713732
**ई-मेल**
shivam.prajapati2702@gmail.com

## सुश्री जेबा खान
**AIR-423**

सुश्री जेबा खान ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरे प्रयास में 423वीं रैंक हासिल की है।

उन्होंने सार्वजनिक प्रशासन को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

परीक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण, सही रणनीति, धैर्य और अनुशासन को अपनी तैयारियों में शामिल कर इसे सफलता का मूल-मंत्र बनाया।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया है। सुश्री जेबा Stephen R. Covey की पुस्तक '7 Habits of Highly Effective People' को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानती हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सुश्री जेबा महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करना चाहती हैं।

सुश्री जेबा को कविताएँ लिखना- पढ़ना और संगीत सुनना पसंद हैं।

इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए सुश्री जेबा का संदेश है कि- बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें, बड़ा सोचें और कड़ी मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी।

**परिवार**
**पिता-** श्री अनवर खान, शासकीय शिक्षक
**माता-** श्रीमती कनिजा बानो, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
03 जनवरी, 1997, गुना

**शिक्षा**
एम.ए., डीएवीवी, इन्दौर

**सम्पर्क**
वार्ड नं. 4, इंदिरा गली, एम.जी. रोड, ख्वाजा मस्जिद के पास, राघौगढ़, जिला- गुना
**मोबाइल**
9926872387, 8770520876
**ई-मेल**
03zeba05@gmail.com

## श्री रोहित कुमार शाह
**AIR- 448**

श्री रोहित कुमार शाह ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में अपने दूसरे प्रयास में 448वीं रैंक प्राप्त की है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने के.एस.जी. कोचिंग से अध्ययन किया।

श्री रोहित ने वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान का चयन किया था।

उन्होंने सफलता का समूचा श्रेय परिवार, मित्र और शिक्षक को दिया, जिन्होंने परीक्षा की तैयारियों के दौरान उन्हें प्रोत्साहन दिया।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री रोहित प्राथमिक शिक्षा, पंचायतों का सशक्तिकरण और तकनीक का अधिकतम उपयोग कर विकास कार्य करना चाहते हैं।

श्री रोहित अपने दादाजी के मुश्किलों में भी जीवन जीने के ज़ज्बे और "एक सौ साल का एकांतवास" नामक पुस्तक से प्रेरित हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- नियमित और सकारात्मक सोच के साथ अध्ययन करें और जो पढ़ें उसमें स्वाभाविक रुचि विकसित करें।

लेखन, पुस्तकें पढ़ना और कविताएँ लिखना इनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

**परिवार**
**पिता-** श्री अरुण कुमार शाह, शिक्षक
**माता-** श्रीमती कलावती शाह

**जन्म-तिथि/स्थल**
04 जून, 1997, सिंगरौली

**शिक्षा**
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, मेनिट, भोपाल

**सम्पर्क**
ग्राम बेलौंहा टोला, पोस्ट ऑफिस कचनी, जिला- सिंगरौली
**मोबाइल**
9617198102
**ई-मेल**
sahumanit2014@gmail.com

## श्री टी. प्रतीक राव
**AIR-459**

श्री टी. प्रतीक राव ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में चौथे प्रयास में 459वीं रैंक प्राप्त की है। श्री प्रतीक भारतीय रेल यातायात सेवा में कार्यरत हैं। परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन की रणनीति अपनाई और दिल्ली में मॉक टेस्ट की सीरीज की मदद ली।

श्री प्रतीक ने प्रबंधन को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। श्री प्रतीक ने रोजाना गहराई से अध्ययन और निरंतर प्रयास को अपनी सफलता का मूल-मंत्र बनाया। उन्होंने अपनी सफलता का समूचा श्रेय परिवार, मित्र और शिक्षकों को दिया है, जिनके सहयोग से वे इस परीक्षा में सफल हो पाये हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री प्रतीक अपने पिताजी के सपनों को पूरा करने के साथ ही हर रोज एक ऐसे व्यक्ति तक पहुँचना चाहते हैं जो सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहा है।

श्री प्रतीक अपने स्व. पिताजी (आईएएस ऑफिसर) के आदर्शों से प्रेरित हैं। साथ ही उन्हें महात्मा गाँधी की पुस्तक हिन्द स्वराज से जीवन में कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- खुद से ईमानदार रहें, नियमित अध्ययन में छोटे-बड़े लक्ष्य बनाएँ और अपनी तैयारी का परीक्षण करते रहें।

श्री प्रतीक को संगीत सुनना, पढ़ना, लेखन, क्रिकेट खेलना और व्यायाम करना पसंद है।

**परिवार**
**पिता-** स्व. टी. धर्मा राव, आईएएस अधिकारी
**माता-** स्व.टी. विद्या राव, बैंककर्मी

**जन्म-तिथि/स्थल**
13 मार्च, 1991

**शिक्षा**
एमबीए
आईआईएम, कलकत्ता

**सम्पर्क**
65, आदित्य एवेन्यू, एयरपोर्ट रोड, भोपाल (म.प्र.)-462030
**मोबाइल**
8584062372
**ईमेल**
prateek.rao.1@gmail.com

## श्री दीपांशु गीद
**AIR-490**

वर्तमान में बैंगलुरु में निजी कम्पनी में डाटा साइंटिस्ट श्री दीपांशु गीद ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में तीसरे प्रयास में 490वीं रैंक प्राप्त की है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन की रणनीति अपनाई।

श्री दीपांशु ने अर्थ शास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। उन्होंने आत्म-विश्वास, अनुशासन से पढ़ाई और कभी भी हार न मानने वाले अपने व्यक्तित्व को सफलता का मूल-मंत्र बताया है। उन्होंने अपनी सफलता का समूचा श्रेय अपने परिवार को दिया है, जिनके सहयोग से वे इस परीक्षा में सफल हो पाये हैं। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री दीपांशु वंचित वर्ग का विकास, तकनीक के प्रयोग से सरकारी कार्य-प्रणाली को सरल और सुगम बनाना चाहते हैं।

श्री दीपांशु महात्मा गाँधी, डी. सुब्बाराव (पूर्व आरबीआई गर्वनर) और क्रिकेटर एम.एस. धोनी को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले भावी अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि इस परीक्षा में क्यों भाग लें। सुनियोजित रणनीति बनाकर रोजाना अध्ययन करें। लक्ष्य पर केन्द्रित रहें, आत्म-विश्वास एवं गलतियों से सीखें। श्री दीपांशु को किताब पढ़ना, योगा करना, फिल्में देखना और दौड़ लगाना पसंद है।

**परिवार**
**पिता-** स्व. श्री केशव राव गीद, योगा प्रशिक्षक
**माता-** श्रीमती उमा गीद, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
30 सितम्बर, 1995, भोपाल

**शिक्षा**
एम.टेक
आईआईटी, दिल्ली

**सम्पर्क**
एल.आई.जी- 2/127, बागमुगलिया एक्सटेंशन, लहारपुर, भोपाल
**मोबाइल**
9717361842, 8377819960
**ईमेल**
deepanshugeed@gmail.com

(शेष पृष्ठ 19 पर)

**"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये।" – स्वामी विवेकानंद**

श्री सैनी

## भारतवंशी मिस वर्ल्ड अमेरिका बनीं

पंजाब के अबोहर से संबंध रखने वाली श्री सैनी मिस

वर्ल्ड अमेरिका 2021 चुनी गई हैं। उनके नाना-नानी अबोहर से हैं। 5 साल की उम्र में वह यूएस चली गई थीं। मिस वर्ल्ड अमेरिका 2021 का ताजपोशी समारोह लॉस एंजिल्स में हुआ। श्री सैनी मिस वर्ल्ड पेजेंट में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी हैं।

समांथा क्रिस्टोफोरेटी

## बार्बी गुड़िया ने की अंतरिक्ष की सैर

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इटली की अंतरिक्ष

यात्री समांथा क्रिस्टोफोरेटी के रूप में बार्बी गुड़िया को जीरो ग्रेविटी फ्लाइट की सैर कराई। इसका मकसद लड़कियों को विज्ञान, तकनीक, गणित और इंजीनियरिंग जैसे विषय लेकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिये प्रेरित करना है। बार्बी गुड़िया का निर्माण खिलौने वाली कंपनी मैटल इंक ने किया था। समांथा ने अंतरिक्ष में 199 दिन और 16 घंटे बिताये थे। जो किसी भी यूरोपीय अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक रिकॉर्ड था।

सारा दतेर्ते

## फिलीपींस में लड़ेंगी राष्ट्रपति चुनाव

फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रियो दुतेर्ते की बेटी सारा

दतेर्ते कार्पियो 2022 के राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगी। राष्ट्रपति दुतेर्ते ने यह जानकारी दी है। 43 साल की सारा फिलहाल फिलीपींस के तीसरे सबसे बड़े शहर दवाओ की मेयर हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही मेयर के अगले कार्यकाल के लिए नामांकन दाखिल किया था।

अमेरिका में

## कोरोना के कारण 150 जंबो जेट रिटायर किए गए

अमेरिका में दो साल में 150 से ज्यादा जंबो जेट रिटायर

कर दिए गए हैं। यह संख्या 20 साल में सबसे ज्यादा है। इनमें 747-बोइंग जैसे विमान हैं। इन्हें मोजावे के रेगिस्तान में खड़ा किया गया है। कोरोना के कारण अमेरिका सहित दुनियाभर में जंबो जेट की मांग में भारी गिरावट आयी है। इसके चलते ये कबाड़ होते जा रहे हैं। इसलिए इन्हें कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में खड़ा करना पड़ रहा है।

फ्लाइंग बाइक स्पीडर

## कंपनी ने शुरू किया प्री ऑर्डर

जेटपैक एविएशन ने स्पीडर नाम की फ्लाइंग मोटर

साइकिल के लिए प्री-ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है। कंपनी का दावा है कि वह इस सिंगल सीटर वीटीओएल (वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) बाइक की डिलिवरी 2023 में शुरू कर देगी। कंपनी के अनुसार इसका वजन 125 सीसी बाइक से कम होगा। इसकी स्पीड 241 किलोमीटर प्रति घंटा और कीमत 2.8 करोड़ रुपये के आसपास है।

बुध ग्रह

## सबसे करीब से खींची गई तस्वीर

यूरोपीय-जापानी बेपीकोलंबो मिशन के दौरान अंतरिक्ष

यान में लगे कैमरे ने बेहद करीब से बुध ग्रह की कम रेजोल्यूशन वाली ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें खींची हैं। बुध के पास से गुजरते समय अंतरिक्ष यान को धीमा करने के लिए ग्रह के गुरुत्वाकर्षण का उपयोग किया गया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार कैप्चर की गई तस्वीरों में उत्तरी गोलार्ध और बुध के विशिष्ट विशेषताओं को दिखाया गया है।

सैटर्निनो गार्सिया

## सबसे उम्रदराज पुरुष

अच्छा रहन-सहन और शांति के साथ जीवन इंसान को

अच्छा स्वास्थ्य देने के साथ लंबी उम्र भी दे सकता है। 11 फरवरी 1909 को स्पेन में जन्मे सैटर्निनो गार्सिया की 112 साल की उम्र इसी बात को साबित करती है। दुनिया का सबसे अधिक उम्र का जीवित पुरुष बनने के लिए उनका नाम गिनीज बुक में नाम दर्ज किया गया है। 112 साल 211 दिन की उम्र से वे दुनिया के सबसे ज्यादा उम्रदराज पुरुष बन गए हैं।

निकोल ओलिविएरा

## नासा में सबसे कम उम्र की खगोलशास्त्री

ब्राजील की आठ वर्षीय निकोल ओलिविएरा नासा के

कार्यक्रम से जुड़ी दुनिया की सबसे कम उम्र की खगोलशास्त्री बन गई हैं। उन्होंने अब तक 18 क्षुद्रग्रहों की खोज भी की है। वह डेटा विश्लेषण के कार्यक्रम में भी शामिल हैं। निकोल 3 वर्ष की उम्र से ही टेलीस्कोप को पसंद करती थी और धीरे-धीरे टेलीस्कोप के साथ तारों को ढूंढने में माहिर हो गयीं।

ह्यूस्टन में

## संदीप सिंह के नाम पर रखा गया डाकघर का नाम

अमेरिका के ह्यूस्टन में एक डाकघर का नाम भारतीय-

अमेरिकी सिख पुलिस अफसर संदीप सिंह धालीवाल के नाम पर रखा गया है। उनकी याद में समारोह आयोजित किया गया, जहां प्रतिनिधि सभा में नाम बदलने का प्रस्ताव लाने वाली महिला सांसद लिजी फ्लेचर ने कहा कि 315 एडिक्स हॉवेल रोड स्थित डाकघर का नाम उनके नाम पर रखना उपयुक्त है। ज्ञात रहे कि धालीवाल को 27 सितम्बर 2019 में उस वक्त गोली मारी गई जब वह ड्यूटी पर थे।

जापान

## फुल फेस अल्ट्रा वायलेट चश्मा

अब ओवसाइज चश्मे के फैशन को ध्यान में रखते हुए

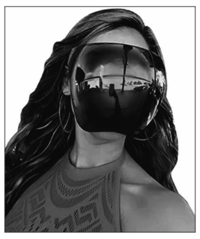

जापान में फुल फेस अल्ट्रा वायलेट चश्मा बनाया गया है। इसे जापान की एक मशहूर कंपनी ने डिजाइन किया है। यह फेस शील्ड की तरह पूरे चेहरे को ढंकता और धूप से बचाता है। इस तरह के चश्मे की कीमत एक हजार रुपये से 2 हजार रुपये तक रखी गयी है।

कैफ अली

## सस्ते मकान का आविष्कार कर जीता राष्ट्रमंडल पुरस्कार

बीस वर्षीय भारतीय छात्र कैफ अली ने कोरोना काल में पृथकवास, भूकंप, बाढ़ जैसे प्रतिकूल हालात के लिए

सस्ते मकान का आविष्कार कर राष्ट्रमंडल पुरस्कार जीत लिया है। नई दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर की पढ़ाई कर रहे कैफ ने प्री फैब्रिकेटेड आवास 'स्पेसएरा' की डिजाइनिंग की है। वह राष्ट्रमंडल देशों के सहयोगियों के साथ मिलकर अपने आविष्कार को और उन्नत बनाएंगे। उन्हें 3000 ब्रिटिश पाउंड मिलेंगे। उनके डिजाइन को संयुक्त राष्ट्र ने जलवायु चुनौतियों को हल करने वाले शीर्ष उभरते नवाचार स्टार्टअप के तहत मान्यता दी है।

माको

## जापान की राजकुमारी का विवाह साधारण आदमी से तय

जापान की राजकुमारी माको अपने मंगेतर और कॉलेज

के दोस्त केई कोमुरो से 26 अक्टूबर को विवाह कर रही हैं। दोनों की सगाई 2017 में हुई थी, जिसके बाद से शादी लगातार टलती रही थी। यह शादी इसलिए भी खास है, क्योंकि कोमुरो एक आम आदमी हैं। राजकुमारी इस विवाह के बाद सारी सरकारी सुविधाएं छोड़ देंगी।

उत्तर कोरिया ने

## एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल का टेस्ट किया

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर से मिसाइल परीक्षण

किया है। यह परीक्षण एक नई एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का था। लगभग एक महीने के भीतर उत्तर कोरिया ने चौथी बार मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस परीक्षण को असुरक्षा और अस्थिरता पैदा करने वाला बताया है।

खादी का तिरंगा

## लेह में सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज संस्थापित

लद्दाख में गांधी जयंती पर भारतीय सेना ने फायर एंड

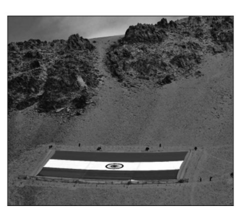

फ्यूरी कॉर्प्स समरोह के दौरान खादी से बना दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज संस्थापित किया है। 1400 किलो वजन का 225 फीट लंबा और 150 फीट चौड़े इस ध्वज को 70 कारीगरों ने 49 दिन काम कर बनाया है। 2 हजार फीट की ऊंचाई पर इसे 150 जवानों ने पहुंचाया। इसे मुंबई में सेना की 57 इंजीनियर रेजीमेंट ने तैयार करवाया है। ध्वज के सम्मान में वायुसेना की तरफ से फ्लाई पास्ट का आयोजन भी किया गया।

बराक ओबामा

## अपने प्रोडक्शन की फिल्म में दिखेंगे

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रोडक्शन

'हायर ग्राउंड' ने विज्ञान की रोचक जानकारी देने वाली किताब 'अदा ट्विस्ट साइंटिस्ट' पर फिल्म बनाई है। इसे लेकर ओबामा ने कहा कि यह शो व्हाइट हाउस साइंस फेयर में शुरू किए गए उनके काम को आगे जारी रखेगा। यह फिल्म बच्चों को विज्ञान की खोज के लिए प्रेरित करेगी।

रूस

## पहली बार अंतरिक्ष में हो रही फिल्म की शूटिंग

पहली बार अंतरिक्ष में लाइट-कैमरा-एक्शन गूंजेगा। ऐसा करने वाला रूस पहला देश बन गया है। अंतरिक्ष में शूटिंग करने के लिए रूसी क्रू अंतरिक्ष में सफर पर रवाना हो गया है। अभिनेत्री यूलिया पेरेसील्द और निर्देशक क्लिम शिपेन्को रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज से

रवाना हुए। इस क्रू के साथ तीन अंतरिक्ष यात्राएं पूरी कर चुके एंतन शकाप्लेरोव भी हैं। यह क्रू 12 दिन तक अंतरिक्ष में रह कर घर वापस लौटेगा।

अफ्रीका में

## लॉन्च हुआ दुनिया का पहला मलेरिया टीका

अफ्रीकी देश मलावी में दुनिया का पहला मलेरिया का

टीका लॉन्च कर दिया गया है। यह टीका पांच महीने से दो साल तक के बच्चों के लिए विकसित किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलावी सरकार के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का स्वागत किया है। पिछले 30 वर्षों से इस टीके को लाने का प्रयास चल रहा था। विश्व मलेरिया दिवस पर इसे लाया जायेगा।

स्पेस क्रॉफ्ट

## धरती की तरफ बढ़ते ऐस्टरॉइड से टकराएंगे

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा अब लगातार ऐस्टरॉइड को

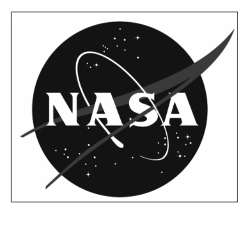


समझने की कोशिश कर रही है। इसके लिए 'साइकी मिशन' से लेकर 'डार्ट मिशन' लाइनअप हैं। एक स्पेस क्रॉफ्ट जो एक ऐस्टेरॉइड के साथ तेजी से टकराएगा और उसे प्रभावित करेगा। नासा के इस मिशन का नाम है तीव्र गति यानी डबल क्षुद्रग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण जिसमें स्पेस एक्स का फैल्कन 9 रॉकेट शामिल है।

पुण्य सलिला

## पीएमओ में अतिरिक्त सचिव बनीं

गृह मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव पुण्य सलिला

श्रीवास्तव को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने इससे संबंधित आदेश जारी किए। पीएमओ में उनका कार्यकाल 2 नवम्बर, 2023 या अगले आदेश तक होगा। 1993 बैच की आईएएस अधिकारी सलिला केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। कोरोना महामारी के पहले दौर में वे स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रोज होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करती थीं।

विद्युत आर. हेब्बार

## छात्र ने मकड़ी के जाले की खींची तस्वीर

5वीं के छात्र विद्युत आर. हेब्बार। उम्र 10 साल है,

इन्होंने जाला बुनती मकड़ी की तस्वीर 'डोम होम' के लिए लंदन नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम का अंतर्राष्ट्रीय यंग वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर 2021 अवॉर्ड जीता है। हेब्बार को अंडर-10 श्रेणी में प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया गया है।

## स्मृति शेष

### इफको अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह का निधन

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लि. (इफको) के

अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह नकई का निधन हो गया। 86 साल के नकई तीन दशक से सहकारिता क्षेत्र से जुड़े थे। वह मालवा फ्रूट एंड वेजीटेबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग-प्रोक्योरमेंट सोसायटी लिमिटेड के भी चेयरमैन थे।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

**कोरोना से बचने की तीन बातें बहुत जरूरी, टीका लगवाना, मास्क पहनना और अपनाना दो गज दूरी।**

सामयिकी

अर्थशास्त्र का नोबेल

## लेबर मार्केट में अर्थशास्त्र को नई दृष्टि देने के लिये

इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के तीन अर्थशास्त्रियों को दिया जा रहा है। इनके नाम हैं - डेविड

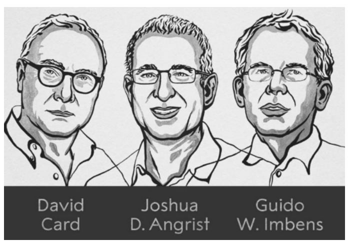


कार्ड, जोशुआ डी एंग्रिस्ट और गिडो डब्ल्यू इंबेंस। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज ने इसकी घोषणा की। इनके नामों की घोषणा करते हुए रॉयल स्वीडिश अकैडमी की ओर से बताया गया, "इन नोबेल विजेताओं ने हमें अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नई दृष्टि दी। खास तौर पर लेबर मार्केट के क्षेत्र में। इन्होंने सिद्ध किया है कि कारण और प्रभावों से जुड़े निष्कर्ष प्राकृतिक प्रयोगों से भी निकाले जा सकते हैं। इनके दृष्टिकोण का असर अन्य क्षेत्रों में भी हुआ।"

इंडियन स्पेस एसोसिएशन

# आत्मनिर्भर भारत अभियान सुविचारित, सुनियोजित एकीकृत आर्थिक रणनीति है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर अंतरिक्ष उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जितनी निर्णायक सरकार भारत में है, उतनी पहले कभी नहीं रही। अंतरिक्ष क्षेत्र और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को लेकर आज भारत में जो बड़े सुधार हो रहे हैं, वो इसी की एक कड़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम स्पेस रिफॉर्म्स की बात करते हैं, तो हमारी अप्रोच चार पिलर्स पर आधारित है। पहला, प्राइवेट सेक्टर को इनोवेशन की आजादी। दूसरा, सरकार की इनेबलर के रूप में भूमिका। तीसरा, भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करना और चौथा, स्पेस सेक्टर को सामान्य मानवों की प्रगति के संसाधन के रूप में देखना। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा स्पेस सेक्टर, 130 करोड़ देशवासियों की प्रगति का एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए स्पेस सेक्टर यानी, सामान्य मानवों के लिए बेहतर मैपिंग, इमेजिंग और कनेक्टिविटी की सुविधा, साथ ही, हमारे लिये स्पेस सेक्टर यानी, इंटरप्रेन्योपर्स के लिए शिपमेंट से डिलीवरी तक बेहतर स्पीड, हमारे मछुआरों के लिए स्पेस सेक्टर यानी, बेहतर सुरक्षा के साथ-साथ आय तथा

प्राकृतिक आपदा का बेहतर पूर्वानुमान का माध्यम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान सिर्फ एक विजन नहीं है बल्कि एक वेल-थॉट, वेल-प्लान्ड, इंटिग्रेटेड इकोनॉमिक स्ट्रेटेजी भी है। एक ऐसी स्ट्रेटेजी जो भारत के उद्यमियों, भारत के युवाओं के स्किल की क्षमताओं को बढ़ाकर, भारत को ग्लोबल पॉवरहाउस बनाए। एक ऐसी स्ट्रेटेजी जो भारत के टेक्नोलॉजिकल एक्सपर्टीज को आधार बनाकर, भारत को इनोवेशन्स का ग्लोबल सेंटर बनाए। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी स्ट्रेटेजी है, जो ग्लोबल डेवलपमेंट में बड़ी भूमिका निभाएगी, भारत के ह्यूमन रिसोर्सेस और टैलेंट की प्रतिष्ठा, विश्व स्तर पर बढ़ाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज को लेकर सरकार एक स्पष्ट नीति के साथ आगे बढ़ रही है और जहां सरकार की आवश्यकता नहीं है, ऐसे ज्यादातर सेक्टर्स को प्राइवेट इंटरप्राइजेज के लिए ओपन कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी एयर इंडिया से जुड़ा जो फैसला लिया गया है वो हमारी प्रतिबद्धता और गंभीरता को दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 7 वर्षों के दौरान अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को अंतिम छोर तक पहुंचाने और त्रुटि-रहित, पारदर्शी शासन के एक उपकरण के रूप में परिवर्तित किया गया है। विकास परियोजनाओं की निगरानी सैटेलाइट इमेजिंग द्वारा की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग फसल बीमा योजना के दावों को निपटारे में हो रहा है, 'नाविक' प्रणाली मछुआरों की मदद कर रही है, इस तकनीक के माध्यम से आपदा प्रबंधन योजना भी बनाई जा रही है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी को सभी के लिए सुलभ बनाने के महत्व पर जोर दिया। डिजिटल तकनीक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज शीर्ष डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से है, क्योंकि हम डेटा की शक्ति को सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुंचा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने देखा है कि 20वीं सदी में स्पेस और स्पेस पर राज करने की प्रवृत्ति ने दुनिया के देशों को किस तरह विभाजित किया। अब 21वीं सदी में स्पेस, दुनिया को जोड़ने में, युनाइट करने में अहम भूमिका निभाए, ये भारत को सुनिश्चित करना होगा।

वायुसेना के

## बेड़े में दो सौ तैंतीस लड़ाकू विमान शामिल होंगे

भारतीय वायुसेना के बेड़े में अगले दस वर्षों के भीतर 233 अत्याधुनिक लड़ाकू विमान शामिल किए जाएंगे। नए विमानों की खरीद की आरंभिक प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

सरकार की योजना है कि ज्यादातर लड़ाकू विमानों का निर्माण देश में ही किया जाए। इससे एक तरफ जहां वायुसेना के लिए पुराने मिग विमानों को हटाने का रास्ता साफ होगा। वहीं देश में लड़ाकू विमानों के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 83 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। ये एचएएल द्वारा निर्मित किए जाने हैं। अत्याधुनिक संस्करण एलसीए-1ए की खरीद वायुसेना के लिए की जाएगी। इसके आरंभिक संस्करण के 22 विमान वायुसेना पहले ही खरीद चुकी है। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए 38 हजार करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए हैं। एलसीए का यह

संस्करण अत्याधुनिक हथियारों से लैस होगा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) की खरीद के लिए आरंभिक प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इसके लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे जिनका अध्ययन करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। इन विमानों का निर्माण भी देश में ही होगा। जिस कंपनी को भी इनकी आपूर्ति का ठेका मिलेगा, उसे देश में ही इनका निर्माण करना होगा। इसके पीछे भी सरकार का मकसद मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है।

अमेरिका और भारत

## क्वाड में बनी सहमति को आगे बढ़ाने हुए एकमत

अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन और भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने पिछले दिनों दिल्ली के

हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। दोनों देशों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान क्वाड और द्विपक्षीय बैठकों में बनी सहमति को आगे बढ़ाने के तौर तरीकों पर चर्चा की। इसमें सप्लाई चेन, हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। शरमन तीन दिवसीय भारत यात्रा पर पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका जानते हैं कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया में शांति व स्थिरता बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना है।

चीन और अमेरिका

## ताइवान समझौते का पालन करेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 'ताइवान समझौते' का पालन करने के लिए सहमत हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। चीन ने लगातार चार दिनों

- **यह समझौता वाशिंगटन को ताइवान के साथ 'मजबूत अनौपचारिक' संबंध बनाए रखने की भी अनुमति देता है। ताइवान और बीजिंग के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह घोषणा की गई है।**

तक ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में रिकॉर्ड संख्या में सैन्य जेट भेजे हैं, जिसके बारे में कुछ विश्लेषकों का कहना है कि इसे द्वीप के राष्ट्रीय दिवस से पहले ताइवान के राष्ट्रपति को चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है। ताइवान का अपना संविधान, सैन्य और लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता हैं और खुद को एक संप्रभु राज्य मानता है। हालांकि, बीजिंग ताइवान को एक अलग प्रांत के रूप में देखता है और उसने द्वीप के

साथ एकीकरण प्राप्त करने के लिए बल के संभावित उपयोग से इंकार नहीं किया है।

माना जाता है कि 'वन चाइना' नीति, जिसे बाइडेन और शी ने संदर्भित किया है, चीन-अमेरिका संबंधों की एक प्रमुख आधारशिला है, लेकिन यह एक चीन सिद्धांत से अलग है, जिसके तहत चीन जोर देकर कहता है कि ताइवान चीन का एक अविभाज्य हिस्सा है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, मैंने शी से ताइवान के बारे में बात की है। हम सहमत हैं। हम ताइवान समझौते का पालन करेंगे।

उत्तर कोरिया में

## जनता का जीवन सुधारने की पहल शुरू

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने अधिकारियों से अपील की कि वे देश की मौजूदा 'गंभीर स्थिति' से

- **सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी, लेकिन उसने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 76वीं वर्षगांठ के मौके पर किम के भाषण के दौरान अमेरिका और दक्षिण कोरिया को लेकर की गई किसी विशेष टिप्पणी का जिक्र नहीं किया।**

निपटने और देशवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए और मजबूती से प्रयास करें।

ज्ञात रहे कि उत्तर कोरिया ने अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियां हाल में बढ़ा दी हैं और उसने सियोल के समक्ष सशर्त शांति के प्रस्ताव रखे हैं। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया

पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि वह अमेरिका को आर्थिक प्रतिबंधों में ढील और अन्य रियायतें देने के लिए राजी कर पाए।

प्योंगयांग की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम ने अपने भाषण के दौरान कहा कि उनकी पार्टी जनवरी में तय किए गए आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनवरी में उत्तर कोरिया ने स्वीकार किया था कि उसकी पूर्व की आर्थिक योजनाएं सफल नहीं रहीं और उसने आगामी पांच साल के लिए नई विकास योजनाएं शुरू कीं।

एजेंसी ने कहा कि किम ने "देश की अर्थव्यवस्था में सुधार करने और लोगों की भोजन, कपड़े और घर संबंधी समस्याओं को सुलझाने" के लिए पांच वर्षीय योजना कुशलता से लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उसने बताया कि किम ने उत्तर कोरिया के सामने मौजूद "अप्रत्याशित कठिनाइयों" का विश्लेषण किया और "गंभीर स्थिति" से जूझ रही देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए पार्टी की समान सोच वाली एकता का आह्वान किया।

तालिबान ने कहा

## अमेरिका के साथ काम नहीं करेंगे

तालिबान ने अफगानिस्तान में कट्टरपंथी समूहों को काबू में करने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग की संभावना को

- **तालिबान ने संकेत दिए हैं कि लोगों की अफगानिस्तान से निकासी को लेकर वह लचीला रुख अपना सकता है।**

सिरे से खारिज कर दिया। उसने विदेशी सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिकी और तालिबान के बीच होने जा रही पहली सीधी वार्ता के पहले इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

अमेरिकी अधिकारियों ने तालिबान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कतर की राजधानी दोहा में बैठक की। इसका उद्देश्य विदेशी नागरिकों और ऐसे अफगान लोगों की अफगानिस्तान से निकासी को आसान बनाना है, जिन पर खतरा है। इसके अलावा अफगानिस्तान में उग्रपंथी समूहों को नियंत्रित करने के बारे में भी बात हो सकती

है। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ज्ञात रहे कि अगस्त माह में अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के बाद यह इस तरह की पहली बैठक थी।

तालिबान के प्रतिनिधियों ने अमेरिका से अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के भंडार पर लगे प्रतिबंध को हटाने को कहा है। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री ने दोहा में समाचार चैनल अल-जजीरा से बात करने के दौरान यह टिप्पणी की।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

**मास्क लगाना और अपनाना दो गज दूरी, कोरोना से बचने टीका बहुत जरूरी।**

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

# हिन्दी साहित्य

1. **वैदिककालीन शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था?**
(A) तक्षशिला (B) विक्रमशिला
(C) वल्लभी (D) नदिया
**उत्तर - (A) तक्षशिला**

2. **वैदिककाल में विद्यापीठ में शिक्षा दी जाती थी?**
(A) धर्मशास्त्र की
(B) दर्शन की
(C) व्याकरण एवं तर्कशास्त्र की
(D) पुराणों की
**उत्तर - (C) व्याकरण एवं तर्कशास्त्र की**

3. **बौद्धकाल में उच्च शिक्षा की अवधि थी?**
(A) 14 वर्ष (B) 15 वर्ष
(C) 12 वर्ष (D) 18 वर्ष
**उत्तर - (C) 12 वर्ष**

4. **बौद्धकाल में शिक्षा दी जाती थी?**
(A) गुरुकुलों में
(B) मकतब व मदरसों में
(C) मठों तथा बिहारों में
(D) पब्लिक स्कूलों में
**उत्तर - (C) मठों तथा बिहारों में**

5. **मुस्लिमकाल में प्राथमिक शिक्षा के प्रमुख केन्द्र थे?**
(A) मदरसे (B) मकतब
(C) चरण (D) बिहार
**उत्तर - (B) मकतब**

6. **मुस्लिमकाल में शिक्षा का प्रारंभ होता था?**
(A) बिस्मिल्लाह खानी संस्कार द्वारा
(B) उपनयन संस्कार द्वारा
(C) पब्बज्जा संस्कार द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
**उत्तर - (A) बिस्मिल्लाह खानी संस्कार द्वारा**

7. **लन्दन के व्यापारियों ने इंग्लिश ईस्ट इंडिया कम्पनी का निर्माण कब किया?**
(A) 6100 (B) 1613
(C) 1599 (D) 1500
**उत्तर - (C) 1599**

8. **फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किसने की थी?**
(A) लार्ड वेलेजली
(B) गिलक्राइस्ट
(C) कोल ब्रुक
(D) केरे
**उत्तर - (A) लार्ड वेलेजली**
**व्याख्या** - 10 जुलाई, 1800 को कोलकाता में स्थापना हुई थी।

9. **'समाचार दर्पण' नामक बंग्ला भाषा का प्रथम समाचार-पत्र कब प्रकाशित हुआ था?**
(A) 1817 (B) 1818
(C) 1814 (D) 1820
**उत्तर** - (B) 1818
**व्याख्या** - 23 मई, 1818 में समाचार-पत्र 'समाचार-दर्पण' बंग्ला में प्रकाशित हुआ। इसके संपादक जे.सी. मार्शमैन थे।

10. **नालंदा विश्वविद्यालय में किन देशों के छात्र अध्ययन करते थे?**
(A) इंग्लैंड
(B) अमेरिका
(C) चीन, जावा, म्यांमार
(D) फ्रांस
**उत्तर - (C) चीन, जावा, म्यांमार**

11. **वुड का आदेश-पत्र जारी किया गया?**
(A) 1813 में (B) 1854 में
(C) 1835 में (D) 1834 में
**उत्तर - (B) 1854 में**
**व्याख्या** - चार्ल्सवुड ने 19 जुलाई, 1854 को भारतीय शिक्षा के सुधार के लिए एक विशिष्ट योजना का निरूपण किया था, जिसे वुड का घोषणा-पत्र कहा जाता है।

12. **हण्टर कमीशन या भारतीय शिक्षा आयोग की नियुक्ति कब हुई?**
(A) 1882 में (B) 1883 में
(C) 1884 में (D) 1885 में
**उत्तर - (A) 1882 में**

13. **भारतीय विश्व विद्यालय आयोग की नियुक्ति कब हुई?**
(A) 26 जनवरी, 1902 को
(B) 15 जनवरी, 1902 को
(C) 27 जनवरी, 1902 को
(D) 3 जनवरी 1902 को
**उत्तर - (C) 27 जनवरी, 1902 को**

14. **केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की स्थापना कब हुई थी?**
(A) 1937 में (B) 1920 में
(C) 1947 में (D) 1955 में
**उत्तर - (B) 1920 में**

15. **10+2+3 की शैक्षिक संरचना का सुझाव प्रथम किसने दिया?**
(A) मुदालियर कमीशन
(B) कोठारी कमीशन
(C) शिक्षा नीति - 1968
(D) शिक्षा नीति - 1986
**उत्तर - (B) कोठारी कमीशन**

**निर्देश : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही विकल्प का चयन करें।**

लाल पत्थर लाल मिट्टी, लाल कंकड़ लाल बजरी "लाल फूले ढाक के वन, डाँग गाती फाग कजरी, सन सनाती सांझा सूनी, वायु का कंठला खनकता, झीगरों की खंजड़ी पर, झांझ सा बीहड़ झनकता। बीच सूने में, बनैये ताल का फैला अतप्त जल, ये कमी आए यहां पर, छोड़ दमयंती दुःखी नल। भूख व्याकुल ताल से ले, मछलियां थीं जो पकाईं। शाप के कारण जली हो, वे उछल जल में समाई। हैं तभी से सांवली, सुनसान जंगल की किनारी। है तभी से ताल की, सब मछलियां मनहूस कालीं। हल की जिसकी नोक से, बेजान मिट्टी झूम उठती। सभ्यता का चांद खिलता, जंगलों की रात मिटती। रंग मिट्टी का बदलता, नीर का सब पाप छुपता। हरे होते पीत ऊसर, स्वास्थ्य हो जाती मनुजता।"

16. **इस कविता में किसे लाल रंग का बताया है?**
(A) पत्थर तथा मिट्टी को
(B) कंकड़-बजरी को
(C) लाल फूल ढाक वन के
(D) उपर्युक्त सभी को
**उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी को**

17. **'सनसनाती सांझ सूनी' में किस अलंकार का प्रयोग है?**
(A) अनुप्रास अलंकार
(B) यमक अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) उपमा अलंकार
**उत्तर - (A) अनुप्रास अलंकार**

18. **नल ने क्या गलत काम किया था?**
(A) दमयंती को छोड़ने का
(B) ताल की मछलियां पकाने का
(C) मछलियों को उछालने का
(D) वहां जंगल में आने को
**उत्तर - (B) ताल की मछलियां पकाने का**

19. **'सभ्यता का चांद' कब खिलता?**
(A) जब बेजान मिट्टी में हल चलता
(B) जब मिट्टी झूम उठती
(C) जब मिट्टी का रंग बदल जाता
(D) जब जंगल मिट जाते
**उत्तर - (A) जब बेजान मिट्टी में हल चलता**

20. **'नीर' शब्द का कौनसा शब्द पर्यायवाची नहीं है?**
(A) वरि (B) जल
(C) पानी (D) नदी
**उत्तर - (D) नदी**

**निर्देश : निम्नलिखित शब्दों के सामने दिए गए मूल शब्द से जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय के विकल्पों में से सही चुनकर लिखिए।**

21. **श्रद्धालु?**
(A) श्रद्ध + आलु
(B) श्रद्धा + आलु
(C) श्रद् + आलु
(D) श्र + द्धालु
**उत्तर - (B) श्रद्धा + आलु = श्रद्धालु**

22. **अभ्यागत?**
(A) अभ्य + आगत
(B) अभि + यागत
(C) अभि + आगत
(D) अभ्या + गत
**उत्तर - (C) अभि + आगत = अभ्यागत**

23. **अत्यंत?**
(A) अति + अंत
(B) अ + त्यंत
(C) अत्य + अंत
(D) अत् + अंत
**उत्तर - (A) अति + अंत = अत्यंत**

24. **दढ़ियल?**
(A) दा + ढ्यिल
(B) दाढ़ी + इयल
(C) दाढ़ि + यल
(D) द + ढ़ियल
**उत्तर - (B) दाढ़ी + इयल = दढ़ियल**

25. **उच्चारण?**
(A) उच्च + चारण
(B) उत् + चारण
(C) उद् + चारण
(D) उच्चा + रण
**उत्तर - (B) उत् + चारण = उच्चारण**

26. **निर्वासन?**
(A) नि + वासन
(B) निर् + वासन
(C) निर्वा + सन
(D) निर्वास + अन
**उत्तर - (B) निर् + वासन = निर्वासन**

27. **गिलास में <u>कुछ</u> दूध है (रेखांकित विशेषण का भेद बताओ)?**
(A) अनिश्चित परिमाण वाचक
(B) निश्चित परिमाण वाचक
(C) सार्वनामिक विशेषण
(D) संख्या वाचक विशेषण
**उत्तर -(A) अनिश्चित परिमाण वाचक**

28. **<u>कोई</u> व्यक्ति आया है (रेखांकित विशेषण पद क्या है)?**
(A) सर्वनाम
(B) सार्वनामिक विशेषण
(C) संख्या वाचक विशेषण
(D) अनिश्चित वाचक विशेषण
**उत्तर -(B) सार्वनामिक विशेषण**

29. **<u>लंबी</u> टेबिल उठा लाओ (रेखांकित विशेषण का भेद लिखें)?**
(A) गुण वाचक विशेषण
(B) स्थान वाचक विशेषण
(C) काल वाचक विशेषण
(D) परिमाण वाचक विशेषण
**उत्तर -(A) गुण वाचक विशेषण**

30. **केला <u>मीठा</u> है (रेखांकित का लिंग है)?**
(A) पुल्लिंग (B) स्त्रीलिंग
(C) दोनों (D) कोई नहीं
**उत्तर -(A) पुल्लिंग**

31. **'पीला' का स्त्रीलिंग विशेषण बनेगा?**
(A) पीली (B) पीले
(C) पीलू (D) पीलम
**उत्तर -(A) पीली**

32. **'कड़वी' का पुल्लिंग विशेषण बनेगा?**
(A) कड़ी (B) कड़वे
(C) कड़वा (D) कड़वो
**उत्तर -(C) कड़वा**

33. **यह लड्डू मीठा है। (बहुवचन होने पर वाक्य बनेगा)?**
(A) यह लड्डू मीठे हैं।
(B) ये लड्डू मीठे हैं।
(C) ये लड्डूं मीठे हैं।
(D) लड्डूओं मीठे हैं।
**उत्तर -(B) यह लड्डू मीठे हैं।**

34. **मैंने लम्बा सांप देखा (बहुवचन रूप होगा)?**
(A) मैंने लम्बे सांप देखे
(B) मैंने लम्बे सांप देखा
(C) मैंने लम्बे सांपों को देखा
(D) मैंने लम्बा सांप देखा
**उत्तर -(A) मैंने लम्बे सांप देखे**

35. **कौनसा शब्द 'गरुड़' का पर्यायवाची नहीं है?**
(A) खगेश (B) खगकेतु
(C) खर (D) पक्षिराज
**उत्तर -(C) खर**

36. **किस वर्ग के सभी शब्द पर्यायवाची नहीं हैं?**
(A) आयु, वयस, वस
(B) प्रगति, विकास, उत्कर्ष
(C) गढ़, दुर्ग, कोट
(D) घूर्त, धनद, कंदर्प
**उत्तर -(D) घूर्त, धनद, कंदर्प**

37. **'आम' शब्द के लिए कौनसा शब्द पर्यायवाची है?**
(A) आम्र (B) कामना
(C) रास्ता (D) तत्पर्य
**उत्तर -(A) आम्र**

38. **<u>मछली</u> जल में तैर रही थी। रेखांकित शब्द का कौनसा पर्यायवाची शब्द उपयुक्त है?**
(A) मीत (B) मीन
(C) मलिन (D) वारूणी
**उत्तर -(B) मीन**

39. **'वारिस' शब्द के दो पर्यायवाची किस वर्ग में सही है?**
(A) उत्तराधिकारी, हकदार
(B) पुत्र, संपत्ति
(C) रिश्तेदार, मालिक
(D) जिगरी, उत्तम
**उत्तर -(A) उत्तराधिकारी, हकदार**

**निर्देश** : विलोम शब्द लिखें।

40. **'कृतज्ञ' शब्द का विलोमार्थी है?**
(A) कृतकृत (B) कृतध्न
(C) कृतिका (D) कृतवर्ग
**उत्तर -(B) कृतध्न**

41. **आकाश में सुर व ....... दोनों का निवास है?**
(A) सुरी (B) देव
(C) असुर (D) सुरती
**उत्तर -(C) असुर**

42. **'स्वाभाविक' शब्द का विलोमार्थी है?**
(A) कृत्रिम (B) स्वभाव
(C) सहज (D) असंभव
**उत्तर -(A) कृत्रिम**

43. **मनुष्यता और...... में बड़ा भारी अंतर है (विलोम शब्द लिखें)?**
(A) अमनुष्यता (B) मानवता
(C) पशुता (D) देवत्व
**उत्तर -(C) पशुता**

44. **कृषकों ने अपने परिश्रम से <u>बंजर</u> जमीन को.... बना दिया (रेखांकित शब्द का सही विलोम लिखिए)?**
(A) पथरीली (B) अलौकिक
(C) रेतीली (D) उपजाऊ
**उत्तर -(D) उपजाऊ**

45. **'ऊपर लिखित' का विलोम शब्द हैं?**
(A) उपरोक्त (B) निम्नलिखित
(C) ऊपरी (D) नीचे का
**उत्तर -(B) निम्नलिखित**

46. **'अनिवार्य' का विलोम शब्द है?**
(A) वैकल्पिक (B) स्वाभाविक
(C) इच्छित (D) योग्यत्तर
**उत्तर -(A) वैकल्पिक**

47. **'विषमय' और 'विस्मय' में अर्थ का भेद है?**
(A) सांप और हैरानी
(B) विषैला और कंटीला
(C) जहरीला और आश्चर्य
(D) विषैला और सलिल
**उत्तर -(C) जहरीला और आश्चर्य**

48. **'शर' और 'सर' में अंतर है?**
(A) बाण और सिरका
(B) बाण और तालाब का
(C) सिर और तालाब का
(D) शरीर और जल का
**उत्तर -(B) बाण और तालाब का**

49. **'अश्व' और 'अश्म' में अर्थ का भेद है?**
(A) घोड़ा ओर आंख का
(B) घोड़ा और अनुचित का
(C) आंख और घोड़ा का
(D) घोड़ा और पत्थर का
**उत्तर -(D) घोड़ा और पत्थर का**

50. **'मणि' और मणी का अंतर है?**
(A) मणिरत्न है तो मणी सर्प को कहते हैं
(B) मणि सर्प होता है, तो मणी बहुमूल्य पदार्थ हैं
(C) चमकदार पत्थर और मणिमुक्ता
(D) मणि मुक्ता और मणिक
**उत्तर -(A) मणिरत्न है तो मणी सर्प को कहते हैं**

**डॉ. राममनोहर उपाध्याय**
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

## मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हुआ अपशिष्ट प्रबंधन एवं निष्पादन के लिए करार

**भोपाल**, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में निवास पर अपशिष्ट प्रबंधन एवं निष्पादन किए जाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। नगर निगम भोपाल और एनटीपीसी तथा भोपाल आरएनजी प्रायवेट लिमिटेड के मध्य 200 टन प्रतिदिन गीले कचरे से बायो सीएनजी प्लांट एवं 400 टन प्रतिदिन सूखे कचरे से टॉरीफाईड चारकोल प्लांट की स्थापना के लिए एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने हस्ताक्षरित एमओयू संवेधितों को आदान-प्रदान कर बधाई दी। एमओयू के पूर्व स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित वीडियो फिल्म भी दिखाई गई।

वर्तमान में भोपाल शहर से लगभग 800 टन कचरा प्रतिदिन एकत्र होता है। इसके निष्पादन के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा प्रति मीट्रिक टन 333 रुपये का व्यय किया जाता है। यह प्लांट लगने से भोपाल आरएनजी प्रायवेट लिमिटेड द्वारा भोपाल नगर निगम को 83 लाख की राशि प्रतिवर्ष रॉयल्टी के रूप में 20 वर्ष तक दी जाएगी एवं मार्केट रेट से 5 रुपये कम दर पर बायो सीएनजी प्रदान की जाएगी।

प्लांट से उत्पन्न होने वाली बायो सीएनजी का उपयोग सिटी बसों में किया जाएगा। प्लांट की स्थापना पर 40 करोड़ का व्यय अनुमानित है, जो पूर्ण रूप से एजेंसी द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा।

400 टन प्रतिदिन सूखे कचरे से टॉरीफाईड चारकोल प्लांट का निर्माण बिल्ट ऑन ऑपरेट मॉडल पर आधारित होगा। प्लांट की स्थापना एवं संचालन-संधारण कार्य एनटीपीसी द्वारा ही 25 वर्ष तक किया जाना है। आदमपुर छावनी में 15 एकड़ भूमि के क्षेत्रफल में इसकी स्थापना पर 80 करोड़ रुपये व्यय होना अनुमानित है, जो पूर्ण रूप से एनटीपीसी द्वारा वहन किया जाएगा।

### अल्फ्रेड नोबेल जयंती – 21 अक्टूबर

# डायनामाइट की खोज करने वाले अल्फ्रेड ने मानव कल्याण के लिए दान की थी संपत्ति

दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित नोबेल सम्मान स्वीडन के महान आविष्कारक और बिजनेसमैन अल्फ्रेड नोबेल के नाम पर दिया जाता है। इनका पूरा नाम अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल (Alfred Bernhard Nobel) था। अल्फ्रेड का जन्म 21 अक्टूबर, 1833 को स्कॉटहोम के ऐसे परिवार में हुआ था, जहां लोग इंजीनियर्स और बिजनेसमैन थे। 1842 में अल्फ्रेड अपनी मां और भाईयों के साथ सेंट पीटर्सबर्ग आ गये थे, जहां उनके पिता इमैन्युअल नोबेल ने उस फैक्ट्री की शुरुआत की थी, जिसमें आर्मी के लिये लैंडमाइन्स बनते थे। शिक्षा के लिये अल्फ्रेड स्कूल नहीं गये, बल्कि अच्छे शिक्षिकों से उन्हें प्राइवेट ट्यूशन दिलाया गया, बचपन से तेज दिमाग वाले अल्फ्रेड ने कुछ ही समय में 4 विदेशी भाषाओं में महारथ हासिल कर ली थी। प्रारंभिक दौर से उनका झुकाव नेचुरल साइंस विशेष तौर पर केमिस्ट्री (रसायन विज्ञान) की तरफ था।

### अल्फ्रेड ने कराये थे तीन सौ से ज्यादा पेटेंट

क्रीमिया का युद्ध 1856 में समाप्त हुआ था, इस लड़ाई के खत्म होने का परिणाम नोबेल परिवार को भुगतना पड़ा, क्योंकि इसके बाद उनकी कंपनी बहुत बैंक्रप्ट हो गई थी। इस परिस्थिति में अल्फ्रेड के माता-पिता और छोटा भाई इमिल वापस स्वीडन लौट गए। वहीं अल्फ्रेड और उनके दो अन्य भाई को उनके अभिभावक पीटर्सबर्ग में इसलिए छोड़ गए कि वे पुनः बिजनेस को पटरी पर ला सकें। यही वह दौर था जब अल्फ्रेड का ध्यान इटैलियन वैज्ञानिक द्वारा खोजी गई नाइट्रोग्लिसरीन नामक अत्यंत विस्फोटक तरल पर गया। अल्फ्रेड ने देखा कि यदि नाइट्रोग्लिसरीन को सुरक्षित तरीके से संभालने का रास्ता निकल जाए तो औद्योगिक दोहन से इस विस्फोटक से काफी पैसा बनाया जा सकता है। वर्ष 1863 में कई प्रयोग करने के बाद आखिरकार नाइट्रोग्लिसरीन और ब्लैक पाउडर का मिश्रण तैयार किया गया, जिसकी 'ब्लास्टिंग ऑयल' के नाम से मार्केटिंग की गई। इस पर अल्फ्रेड नोबेल ने पेटेंट भी प्राप्त किया था, इस प्रयोग के बाद से ही डायनामाइट की खोज का रास्ता निकला था। वर्ष 1867 में अल्फ्रेड नोबेल ने नाइट्रोग्लिसरीन आधारित विस्फोटक डायनामाइट का पेटेंट कराया, जिसके कारण अल्फ्रेड को रॉयल स्वीडिश एकेडमी द्वारा सम्मानित भी किया गया था। इसी डायनामाइट का प्रयोग कंस्ट्रक्शन कार्यों जैसे टनल ड्रिलिंग और पहाड़ों, पुलों या इमारतों में ब्लास्टिंग के लिये किया जाने लगा। अल्फ्रेड नोबेल द्वारा खोजी गई डायनामाइट की मांग बहुत अधिक थी, इससे उन्होंने अपना व्यापार बढ़ाया। इसकी वजह से अल्फ्रेड ने 90 अलग-अलग जगहों पर फैक्ट्रियों की स्थापना की थी। उन्हें 'यूरोप का सबसे अमीर घुमक्कड़' तक कहा गया था। बिजनेसमैन होने के साथ साइंटिस्ट (वैज्ञानिक) और इंवेंटर (आविष्कारक) के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले अल्फ्रेड नोबेल ने सिंथेटिक रबर, लेदर और आर्टिफीशियल सिल्क के निर्माण में भी प्रयोग किये थे। 1896 में जब उनकी मौत हुई तक उनके पास 355 पेटेंट थे।

### मानव कल्याण के लिए लिखी वसीयत, इसी से हुई नोबेल पुरस्कार की शुरुआत

एक अखबार ने 1888 में गलती से अल्फ्रेड नोबेल की मौत की खबर छापी थी। अखबार ने अपनी खबर में लिखा था, 'मौत के सौदागर की मृत्यु', समाचार पत्र ने डायनामाइट के आविष्कार की आलोचना की थी और उसे हजारों लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया था। उस खबर को अल्फ्रेड ने भी पढ़ा था। इसको पढ़कर अल्फ्रेड को गहरा सदमा लगा था। तब उन्होंने सोचा कि क्या उनकी मौत के बाद दुनिया उन्हें इसी नाम से पुकारेगी? इसके बाद 27 नवम्बर 1895 को उन्होंने एक वसीयत लिखी, जिसमें उन्होंने अपनी संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा एक ट्रस्ट बनाने के लिए अलग कर दिया था। उनकी इच्छा थी कि

इस रकम पर मिलने वाले ब्याज से हर साल उन लोगों को सम्मानित किया जाए जिनका काम मानवजाति के लिए सबसे कल्याणकारी पाया जाए।

अल्फ्रेड नोबेल अपनी मौत के बाद दुनिया के लिए अथाह संपत्ति छोड़ गए थे, उनकी इच्छा थी कि उनकी बची हुई संपत्ति (लगभग 31.5 मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी लगभग 265 मिलियन डॉलर) का सदुपयोग किया जाए और इसके माध्यम से प्रतिवर्ष मानवता का कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाए। अल्फ्रेड की वसीयत और आखिरी इच्छा के अनुसार ही दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों की स्थापना हुई। उनकी वसीयत में जिन संस्थाओं का जिक्र था वो क्षेत्र फिजिक्स, केमिस्ट्री, मेडिसिन या फिजियोलॉजी, लिटरेचर और पीस थे। अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार इस पुरस्कार के लिये उन्हें चुना जाए, जिन्होंने देशों के बीच रिश्ता सुधारने का काम किया हो या ऐसे काम किये हों जिससे स्थायी सेना का उन्मूलन हुआ हो अथवा कमी आई हो इसके साथ ही जिससे शांति स्थापित हुई और शांति का प्रसार हुआ हो। नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का चयन नोबेल कमेटी द्वारा किया जाता है। नोबेल पुरस्कार की स्थापना अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर 27 नवम्बर, 1895 को की गई थी। 1901 में फिजिक्स, केमिस्ट्री, फिजियोलॉजी या मेडिसिन और लिटरेचर के नोबेल पुरस्कार स्वीडन के स्टॉकहोम में प्रदान किये गये थे, जबकि शांति का नोबेल नॉर्वे के क्रिस्टीनिया (वर्तमान में ओस्लो) में प्रदान किये गये थे। नोबेल पुरस्कार छह श्रेणियों में दिया जाता है। प्रारंभिक तौर पर रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार शुरू हुए थे, लेकिन 1968 में इसमें अर्थशास्त्र के नोबेल को भी जोड़ा दिया गया। इस प्रकार नोबेल पुरस्कार कुल छह श्रेणियों में दिया जाता है।

### नोबेल फाउंडेशन की स्थापना और नॉर्वे कमेटी

नोबेल फाउंडेशन ही स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की संपत्ति को संभालता है। वर्ष 1900 में नोबेल फाउंडेशन की स्थापना स्वीडन में की गई थी। अल्फ्रेड नोबेल की इच्छा के मुताबिक नॉर्वे की संसद स्टॉर्टिंग द्वारा नियुक्त पांच लोगों की कमेटी (नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी) शांति पुरस्कार देती है। नोबेल पुरस्कार पाने वाले हर व्यक्ति को करीब 10 मिलियन स्वीडिश क्रोनोर यानी लगभग 8 करोड़ 61 लाख रुपये से ज्यादा की राशि मिलती है। साथ ही गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र भी दिया जाता है। पदक के एक ओर नोबेल पुरस्कारों के जनक अल्फ्रेड नोबेल की छवि, उनके जन्म तथा मृत्यु की तारीख लिखी होती है, वहीं दूसरी ओर यूनानी देवी का चित्र, रॉयल एकेडमी ऑफ साइंस स्टॉकहोम तथा पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति की जानकारी होती है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज फिजिक्स, केमिस्ट्री, लिटरेचर, शांति और इकोनॉमिक में नोबेल पुरस्कार विजेताओं का चयन करती है। वहीं स्वीडिश रॉयल कैरोलिन मेडिको-सर्जिकल इंस्टीट्यूट चिकित्सा के क्षेत्र में विजेताओं के नाम की घोषणा करता है। स्वीडिश एकेडमी साहित्य के क्षेत्र में तथा नॉर्वे पार्लियामेंट्स अवॉर्ड्स शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कारों की घोषणा करती है।

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- नोबेल विजेताओं के नामों की घोषणा आम तौर पर अक्टूबर में होती है और पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की बरसी पर 10 दिसम्बर को स्टॉकहोम और ओस्लो में दिए जाते हैं। निर्धारित तिथि को ही नामों की घोषणा की जाती है और एक दिन में एक ही क्षेत्र के नामों की घोषणा की जाती है।
- नोबेल पुरस्कार देने का क्रम भी पूर्व निर्धारित रहता है सबसे पहले फिजियोलॉजी या मेडिसिन के क्षेत्र में उसके बाद फिजिक्स, केमिस्ट्री, लिटरेचर, पीस और अंत में इकोनॉमिक साइंसेज में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की जाती है।
- नोबेल फाउंडेशन के अनुसार यदि इस पुरस्कार के लिये कोई भी अतिविशिष्ट कार्य नहीं पाया जाता है तो उस पुरस्कार को अगले वर्ष के लिये रिजर्व (आरक्षित) कर दिया जाता है। यदि तब भी कोई कार्य उपयुक्त नहीं मिलता तो पुरस्कार की राशि फाउंडेशन के रिस्ट्रेक्टेड फंड में चली जाएगी। इसलिये कई मौके ऐसे भी देखने को मिले हैं, जब इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को प्रदान नहीं किया गया।
- नोबेल पुरस्कार के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में इस सम्मान को अर्जित करने वालों की सूची में जॉन बी. गुडएनफ (John B. Goodenough) का नाम सबसे ऊपर है। 1922 में जन्मे जॉन ने वर्ष 2019 में 97 वर्ष की आयु में केमिस्ट्री का नोबेल अपने नाम किया था।
- सबसे कम उम्र में इस सम्मान को हासिल करने वालों की सूची में मलाला युसुफजई (Malala Yousafzai) का नाम शीर्ष पर है। 1997 में जन्मी मलाला ने वर्ष 2014 में महज 17 वर्ष की आयु में शांति का नोबेल अपने नाम किया था।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

## विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

# सामान्य ज्ञान - खेल

**1. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने यूएस ओपन में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीता है?**
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) रोजर फेडरर

**2. मिक्स्ड मार्शल आर्ट खिलाड़ी कोनोर मैक्ग्रेगोर किस देश के नागरिक हैं?**
(अ) आयरलैंड (ब) अमेरिका
(स) नाइजीरिया (द) यूक्रेन

**3. टोक्यो ओलिंपिक में पुरुष रग्बी सेवंस का स्वर्ण पदक किस देश ने जीता है?**
(अ) जापान (ब) फिजी
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) न्यूजीलैंड

**4. वन-डे वर्ल्डकप-2019 में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे?**
(अ) डेविड वॉर्नर
(ब) शाकिब अल हसन
(स) रोहित शर्मा
(द) बेन स्टोक्स

**5. वर्ष 2019 में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?**
(अ) क्यूबा (ब) सऊदी अरब
(स) मालदीव (द) रूस

**6. पूर्व भारतीय खिलाड़ी लिंबा राम किस खेल से संबंधित हैं?**
(अ) तीरंदाजी (ब) निशानेबाजी
(स) मुक्केबाजी (द) हॉकी

**7. इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में कितने विकेट हासिल किए हैं?**
(अ) 519 (ब) 619
(स) 632 (द) 652

**8. लॉन्ग जंपर मरियप्पन थंगावेलु ने टोक्यो पैरालिंपिक में कौन-सा पदक जीता है?**
(अ) स्वर्ण पदक
(ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) कोई पदक नहीं जीता

**9. वर्ष 2017 में किस देश ने महिला यूरो कप का खिताब जीता था?**
(अ) नीदरलैंड्स (ब) इटली
(स) पुर्तगाल (द) बेल्जियम

**10. इनमें से कौन-सा खेल ओलिंपिक खेलों में शामिल है?**
(अ) बिलियर्ड्स (ब) गोल्फ
(स) कबड्डी (द) आईस हॉकी

**11. इस वर्ष इटैलियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस किस खिलाड़ी ने जीती है?**
(अ) लुईस हैमिल्टन
(ब) वाल्टेरी बोटास
(स) एस्टाबेन ओकेन
(द) डेनियल रिकियार्डो

**12. जापान ने टोक्यो ओलिंपिक में कुल कितने पदक जीते हैं?**
(अ) 58 (ब) 54
(स) 56 (द) 62

**13. हरिका द्रोणवल्ली किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
(अ) स्कीइंग (ब) कबड्डी
(स) एथलेटिक्स (द) शतरंज

**14. इनमें से किस शटलर ने वर्ष 2018 में आयोजित यूथ ओलिंपिक गेम्स में रजत पदक जीता था?**
(अ) समीर वर्मा
(ब) एच.एस. प्रणय
(स) लक्ष्य सेन
(द) इनमें से कोई नहीं

**15. भारत ने अपना पहला ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच किस देश के खिलाफ खेला था?**
(अ) इंग्लैंड (ब) द. अफ्रीका
(स) पाकिस्तान (द) वेस्टइंडीज

**16. पृथ्वी शॉ ने अपने टेस्ट डेब्यू में किस देश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी?**
(अ) वेस्टइंडीज (ब) न्यूजीलैंड
(स) बांग्लादेश (द) श्रीलंका

**17. वर्ष 2018 में वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?**
(अ) डेनमार्क (ब) हंगरी
(स) कजाकिस्तान (द) जापान

**18. सीए भवानी देवी ने टोक्यो ओलिंपिक में किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व किया?**
(अ) तलवारबाजी (ब) निशानेबाजी
(स) मुक्केबाजी (द) तैराकी

**19. महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने कितने ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं?**
(अ) 10 (ब) 13
(स) 16 (द) 18

**20. इनमें से किस खिलाड़ी को वर्ष 2019 में फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था?**
(अ) रॉबर्ट लेवानडोवस्की
(ब) किलियन एमबाप्पे
(स) लियोनेल मेसी
(द) क्रिस्टियानो रोनाल्डो

**21. वर्ष 2019 में किस टीम ने आईपीएल का खिताब जीता था?**
(अ) मुंबई इंडियंस
(ब) सनराइजर्स हैदराबाद
(स) कोलकाता नाइट राइडर्स
(द) राजस्थान रॉयल्स

**22. इस वर्ष यूएस ओपन की विजेता एमा राडुकानू किस देश से संबंधित हैं?**
(अ) अमेरिका (ब) कनाडा
(स) ब्रिटेन (द) क्रोएशिया

**23. वर्ष 2002 में कॉमनवेल्थ गेम्स किस शहर में आयोजित किए गए थे?**
(अ) एडिनबर्ग (ब) मैनचेस्टर
(स) ऑकलैंड (द) ग्लास्गो

**24. पिचर टर्म किस खेल से संबंधित शब्दावली है?**
(अ) बेसबॉल (ब) गोल्फ
(स) हॉकी (द) बास्केटबॉल

**25. ओलिंपिक खेलों में दो बार पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं?**
(अ) एमसी मैरी कॉम
(ब) पीवी सिंधु
(स) मीराबाई चानू
(द) विनेश फोगट

### उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द), 6. (अ), 7. (स), 8. (ब), 9. (अ), 10. (ब), 11. (द), 12. (अ), 13. (द), 14. (स), 15. (ब), 16. (अ), 17. (ब), 18. (अ), 19. (द), 20. (स), 21. (अ), 22. (स), 23. (ब), 24. (अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

# एनजीओ क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिये दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर सकते क्षमता वृद्धि

गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) भारत में विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। VAN (स्वैच्छिक कार्य नेटवर्क इंडिया), जो भारतीय स्वयंसेवी संगठनों की एक शीर्ष संस्था है, के अनुसार इस समय भारत में 1.2 मिलियन एनजीओ काम कर रहे हैं। आप समझ सकते हैं कि यह एक बहुत बड़ी संख्या है। देश में विकास कार्यों में स्वैच्छिक क्षेत्र की भूमिका दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विकास में स्वैच्छिक क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को देखते हुए इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए क्षमता निर्माण (Capacity Building) की जरूरत है। विकास के लिये पॉलिसी बनाने के विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले लोगों को भी इसकी आवश्यकता महसूस होने लगी है।

प्रबंधन शिक्षा प्रक्रिया का ध्यान अब तक निजी क्षेत्र और सार्वजनिक उपक्रम तक ही सीमित था। स्वैच्छिक क्षेत्र के लिए क्षमता निर्माण के प्रयास, विश्वविद्यालयों में कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम तक ही सीमित रह गए हैं। आज इस क्षेत्र के आकार को देखते हुए इस क्षेत्र की क्षमता निर्माण की आवश्यकताओं को पूरा करने की तत्काल आवश्यकता है। नीति के स्तर पर एक बढ़ती हुई समझ यह है कि ऐसी आवश्यकताओं को केवल दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को शुरू करके ही पूरा किया जा सकता है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय एक प्रमुख विश्वविद्यालय है, जिसने एनजीओ क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए पहल की है। ये पहल दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों के रूप में की गई है। गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं के बीच इग्नू के कुछ लोकप्रिय कार्यक्रम इस प्रकार हैं।

### मास्टर ऑफ सोशल वर्क (Mater of Social Work)

एमएसडब्ल्यू कार्यक्रम पेशेवर सामाजिक कार्यों में उच्च अध्ययन के लिए शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों से संबंधित कोर कोर्स शामिल हैं। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत आने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं- वैश्वीकरण, प्रवासन, भारत में सामाजिक कार्यों का इतिहास, सामाजिक कार्य अभ्यास और एचआईवी/एड्स पर एक पाठ्यक्रम। ये पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भ में गैर-सरकारी संगठनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और इसलिए इस विषय की योग्यता वाले लोगों की गैर-सरकारी संगठनों में मांग काफी बढ़ी है। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को हाल ही में पूरी तरह से संशोधित किया गया है और गैर-सरकारी संगठन क्षेत्र के कई समकालीन मुद्दों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। कार्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि अभ्यर्थियों को देश में और बाहर उपयुक्त प्लेसमेंट मिल सकेगा। यह कार्यक्रम 2 वर्ष की अवधि का है। इसे अधिकतम 4 वर्षों की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। यह कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में पेश किया जाता है। कार्यक्रम शुल्क 18,000 रुपये प्रति वर्ष है।

### मास्टर ऑफ सोशल वर्क (काउंसिलिंग) (Master of Social Work (Counselling)

मास्टर्स प्रोग्राम इन सोशल वर्क (काउंसिलिंग) अलग-अलग संगठनात्मक और सामुदायिक संदर्भों में काम कर रहे काउंसलर के लिए पेशेवर शिक्षा प्रदान करता है। इस समय सामाजिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदल रहा है, इसलिए पेशेवर परामर्शदाताओं के लिए विभिन्न प्रकार की चुनौतीपूर्ण स्थितियां हैं। पश्चिमी दुनिया के विपरीत, भारत में परामर्श सेवाएं अपर्याप्त हैं। विभिन्न क्षेत्रों में काउंसलर्स की मांग बढ़ रही है जैसे स्कूल, कॉर्पोरेट क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक और कल्याण क्षेत्र, सुधारक आदि। इस समय बहुत कम शिक्षण संस्थान काउंसिलिंग में कोर्स कराते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की तत्काल आवश्यकता है, जैसे पारिवारिक अदालतों, सुधारक, शैक्षिक संस्थानों, पुनर्वास केंद्रों, शरणार्थी शिविरों, दिव्यांगों के लिए संस्थान, वृद्ध, बाल देखभाल और दत्तक ग्रहण केंद्र, परिवार नियोजन, स्वैच्छिक परामर्श और परीक्षण केंद्र आदि। सरकार के साथ-साथ एनजीओ क्षेत्रों में भी रोज़गार की अच्छी संभावना हैं। यह कार्यक्रम भी 2 वर्ष की अवधि का है। इसे अधिकतम 4 वर्षों की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। यह कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। कार्यक्रम शुल्क 18,000 रुपये प्रति वर्ष है।

### सामाजिक कार्य में बैचलर डिग्री कार्यक्रम (Bachelor in Social Work)

"सामाजिक कार्य में बैचलर डिग्री कार्यक्रम" उन लोगों के लिए है जो सोशल वर्क प्रोफेशन में रुचि रखते हैं। ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों में होती है जैसे स्वास्थ्य देखभाल, सामुदायिक विकास, शिक्षा, परिवार परामर्श, सामाजिक सुधार, महिलाओं, बच्चों, विकलांगता आदि के क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थान। यह बैचलर डिग्री कार्यक्रम विशेष रूप से गैर सरकारी संगठनों के साथ मध्यम और निचले स्तर पर काम कर रहे लोगों के लिए उपयोगी है। यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा जो सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में काम करने के लिए विशेष रुचि रखते हैं और इस क्षेत्र को अपना कॅरियर विकल्प बनाना चाहते हैं। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड 10+2 या समकक्ष है। यह कार्यक्रम 3 वर्ष की अवधि का है। इसे अधिकतम 6 वर्षों की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। यह कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। कार्यक्रम के लिए शुल्क प्रति वर्ष 5800 रुपये है।

### एनजीओ प्रबंधन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (Certificate in NGO Management)

यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा विकसित किया गया है। कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं :-

- एनजीओ कार्यकर्ताओं को बुनियादी प्रबंधकीय अवधारणाएं प्रदान करना।
- एनजीओ कार्यकर्ताओं को या कार्यक्रम के अंतिम उपयोगकर्ताओं को प्रत्यक्ष अनुभव देना।
- प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर कौशल में वृद्धि करना।

**इस कार्यक्रम के लिए पात्रता इस प्रकार है-** 10+2 या मैट्रिक उत्तीर्ण होने के साथ एनजीओ क्षेत्र में कम से कम 3 साल का कार्य अनुभव। इस कार्यक्रम के लिए अध्ययन का माध्यम अंग्रेजी है। यह कार्यक्रम न्यूनतम 6 महीने की अवधि का है, लेकिन विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अधिकतम दो वर्ष का समय देता है। इसमें प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों चक्रों में किया जा सकता है। पूरे कार्यक्रम के लिए शुल्क 1,800/- है। सात दिनों का संपर्क कार्यक्रम एक अनिवार्य, गैर-क्रेडिट घटक है। यह किसी भी पंजीकृत एनओजी में किया जाना है। संपर्क कार्यक्रम अनिवार्य है। छात्रों को संपर्क कार्यक्रम के संबंध में एक पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो छात्र द्वारा संबंधित क्षेत्रीय केंद्र में प्रस्तुत किया जायेगा।

### व्यावसायिक कौशल में प्रमाण पत्र (Certificate in Business Skills)

इग्नू के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ने राजीव गांधी फाउंडेशन और कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग के सहयोग से यह कार्यक्रम विकसित किया है। इस कार्यक्रम के लिए मुख्य लक्ष्य समूह गैर-सरकारी संगठन और अन्य एजेंसियां हैं जो विभिन्न प्रकार के वंचित समुदायों के साथ काम कर रही हैं जैसे सड़कों पर रहने वाले बच्चे, बेरोज़गार युवा, ग्रामीण और शहरी वंचित वर्ग और महिलाएं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसे गैर-सरकारी संगठनों को ऐसे वंचित समुदायों में व्यापार कौशल पैदा करने में सक्षम बनाना है। जिससे कि ऐसे समुदाय को एवं रोज़गार के अधिक से अधिक अवसर प्राप्ते हो सके। व्यावसायिक कौशल में प्रमाण पत्र के लिए पात्र होने के लिए, 4 पाठ्यक्रमों (18 क्रेडिट के बराबर) को पूरा करना होता है। कार्यक्रम के लिए आवेदक कम से कम 10+2 या समकक्ष होना चाहिए।

यह कार्यक्रम भी 6 महीने की अवधि का है और इसे अधिकतम 2 वर्षों के भीतर पूरा किया जा सकता है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। पूरे कार्यक्रम के लिए शुल्क 3,200/- रुपये है।

### सामाजिक कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमाण पत्र (Certificate in Social Work and Criminal Justice System)

"आपराधिक न्याय प्रणाली और सामाजिक कार्य में प्रमाण पत्र कार्यक्रम" का उद्देश्य स्नातक प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित करना है जो सुधारक जैसे जेल, पारिवारिक न्यायालय, भिखारियों के घर, बालक/बालिकाओं के लिए विशेष स्कूल, संप्रेक्षण गृह/बचाव गृह आदि में काम करने के इच्छुक हैं। यह कार्यक्रम विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के पेशेवरों के लिए भी प्रासंगिक होगा जो सुधारक के रूप में काम कर रहे हैं। कोई भी स्नातक इस कार्यक्रम के लिए पात्र है। यह 6 महीने की अवधि का है और 2 साल की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम शुल्क केवल 1300 रुपये है।

### जनजातीय अध्ययन में प्रमाण पत्र (Certificate in Tribal Studies)

"जनजातीय अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम" का उद्देश्य सामाजिक और कल्याण में काम करने वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना है। यह आदिवासी विकास के मुद्दों को बेहतर तरीके से समझने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम के लिए आवेदक कम से कम 10+2 या समकक्ष होना चाहिए। यह कार्यक्रम भी 6 महीने की अवधि का है और इसे अधिकतम 2 वर्षों के अंदर पूरा किया जा सकता है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। पूरे कार्यक्रम के लिए शुल्क 900/- रुपये है।

**कुछ अन्य कार्यक्रम जो 10th योग्यता वाले और गैर-सरकारी संगठन क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए बेहद उपयोगी हैं।**

- जल संचयन और प्रबंधन में प्रमाण पत्र (Certificate in water harvesting and management)
- रेशम पालन में प्रमाण पत्र (Certificate in Sericulture)

**कुछ अन्य कार्यक्रम जो 10+2 योग्यता वाले और गैर-सरकारी संगठन क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए बेहद उपयोगी हैं।**

- एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा में प्रमाण पत्र (Certificate in HIV and Family Education)
- उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण पत्र (Certificate in Consumer Protection)
- सर्टिफिकेट इन ह्यूमन राइट्स (Certificate in Human Rights)
- पर्यावरण अध्ययन में प्रमाण पत्र (Certificate in Environmental Education)
- आपदा प्रबंधन में प्रमाण पत्र (Certificate in disaster Management)
- वाटरशेड प्रबंधन में डिप्लोमा (Diploma in watershed Management)
- डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (Diploma in Dairy Technology)
- जैविक खेती में प्रमाण पत्र (Certificate in organic Farming)

**कुछ अन्य कार्यक्रम जो स्नातक स्तर की योग्यता वाले और गैर-सरकारी संगठन क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए बेहद उपयोगी हैं।**

- पी.जी. डिप्लोमा इन सोशल वर्क काउंसलिंग (P.G. Diploma in Social Work Counselling)
- जलवायु परिवर्तन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (PGCCC)
- आपदा प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा (P.G. Diploma in Disaster Management)
- पी.जी. डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड फैमिली थेरेपी (P.G. Diploma in Counselling and Family Therepy)
- एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा में पी.जी. डिप्लोमा (P.G. Diploma in HIV and Family Education)

- डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय
(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक, हैं।)

# शिक्षित युवाओं को रोज़गार देकर मध्यप्रदेश को बनाएंगे उदाहरण

**भोपाल,** जिस तरह प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण का अच्छा कार्य हुआ है उसी तरह शिक्षित युवाओं को विभिन्न रोज़गार योजनाओं से जोड़कर मध्यप्रदेश एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए एक ऐसी नई योजना बनाई जाए जो पढ़े लिखे नौजवानों के लिए सरकारी नौकरी का बेहतर विकल्प होने के साथ ही उनकी उद्यमी भावना को साकार करने का कार्य करे। यह अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभकारी होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की योजनाओं पर चर्चा करते हुये कहीं।

### प्रतिभा की कमी नहीं है युवाओं में

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षित युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनके मन में आशा और विश्वास को जगा कर निराशा से बचाना है। सरकारी नौकरियाँ ही एकमात्र समाधान नहीं है। लघु और सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के लिए युवाओं को ऋण और अनुदान के माध्यम से नई राह मिलेगी। इसके लिए लक्ष्य तय कर कार्य पर फोकस करना होगा। वर्तमान में विभिन्न रोज़गार योजनाओं का लाभ अति सम्पन्न या स्थापित लोग ले लेते हैं और वास्तविक जरूरतमंद अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं। श्री चौहान ने कहा कि ऐसे वर्ग में से प्रत्येक जिले में 2 हजार युवाओं को लाभान्वित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया जाए। इससे युवा उद्यमी आगे आएंगे। प्रति वर्ष लगभग एक लाख युवाओं को विभिन्न प्रकल्पों से रोज़गार से जोड़ने का कार्य आसान हो जाएगा। अपना व्यवसाय या लघु उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवक साहूकारों से ऋण लेने की विवशता से भी मुक्त हो जाएंगे। सेवा क्षेत्र, एमएसएमई सेक्टर में कार्य की संभावनाओं को साकार किया जा सकता है।

### प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के क्रियान्वयन में आगे बढ़ेगा मध्यप्रदेश

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को लाभान्वित करने का आव्हान किया है। वर्तमान में प्रदेश के 14 लाख से अधिक व्यक्तियों को 8 हजार 905 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। शिशु, किशोर और तरुण तीन श्रेणियों में लाभार्थी को ब्याज अनुदान सहायता प्राप्त होती है। योजना में 50 हजार से 10 लाख रुपये की राशि के ऋण पर एक प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने इस योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश में गति बढ़ाने के लिए बैंकों के समन्वय से प्रयास तेज करने की जरूरत बताई। साथ ही स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण की पीएम स्वनिधि योजना, स्व-सहायता समूहों को राशि उपलब्ध करवाने और नवीन योजना के माध्यम से अधिकाधिक शिक्षित युवाओं को लाभान्वित करने के संयुक्त प्रयास किए जाएं।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में स्व-रोज़गार और उद्यमी योजना में करीब 5 लाख युवाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। सिर्फ मुख्यमंत्री स्व-रोज़गार योजना से ही सवा तीन लाख युवाओं को लाभ मिल चुका है।

# नीमच जिले में लगेगा 1440 मेगावॉट का पंप हायड्रो प्रोजेक्ट

**भोपाल,** नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग की उपस्थिति में मंत्रालय में शासन और ग्रीनको ग्रुप के मध्य 1440 मेगावॉट की पंप हायड्रो परियोजना के लिये करार पर हस्ताक्षर किये गये। शासन की ओर से प्रबंध संचालक ऊर्जा विकास निगम श्री विवेक पोरवाल और ग्रीनको ग्रुप की ओर से सीईओ एवं एमडी श्री अनिल चलमासेट्टी ने हस्ताक्षर किये। प्रमुख सचिव ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री संजय दुबे भी इस अवसर पर मौजूद थे। परियोजना नीमच जिले के खिमला गाँव में प्रस्तावित है।

श्री डंग ने कहा कि कोयला संकट के बीच 7 हज़ार करोड़ रुपये की यह पंप हायड्रो परियोजना प्रदेश और देश के लिये एक महत्वपूर्ण ऊर्जा विकल्प सिद्ध होगी। श्री डंग ने कंपनी को निर्देश दिये कि परियोजना में अधिकतम स्थानीय लोगों को रोज़गार दिया जाए। परियोजना का कार्य दिसंबर 2021 से शुरू होकर आगामी ढ़ाई सालों में पूर्ण होने की संभावना है। शुरूआत में 1440 मेगावॉट से उत्पादन शुरू होकर 1680 मेगावॉट का लक्ष्य है। संपूर्ण ऊर्जा ग्रीन ऊर्जा होगी। सरोवर में एकत्रित जल से सोलर पंप से ऊर्जा का निर्माण किया जाएगा।

## खेल चर्चा

### आयरलैंड की एमी हंटर ने सबसे कम उम्र में लगाया शतक

**हरारे,** आयरलैंड की एमी हंटर वन-डे मैचों में शतक लगाने वाली विश्व की सबसे युवा बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने 16वें जन्मदिन के अवसर पर यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। हंटर ने भारत की मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 16 साल और 205 दिन की उम्र में जून 1999 में आयरलैंड के ही खिलाफ नाबाद 114 रन बनाए थे। उन्होंने इस क्रम में पाकिस्तान के आतिशी बल्लेबाज़ शाहिद अफरीदी का भी रिकॉर्ड तोड़ा। पुरुष क्रिकेट में सबसे युवा वनडे शतक का रिकॉर्ड अफरीदी के नाम ही दर्ज है, जिन्होंने 1996 में 16 साल 217 दिन की उम्र में श्रीलंका के खिलाफ 102 रन बनाया था। हंटर का यह रिकॉर्ड ना सिर्फ वन-डे क्रिकेट, बल्कि सीमित ओवर क्रिकेट में भी एक रिकॉर्ड है। टी-20 क्रिकेट में भी किसी महिला या पुरुष खिलाड़ी ने इतने कम उम्र में अंतर्राष्ट्रीय शतक नहीं लगाया है। हंटर ने 127 गेंद की पारी के दौरान 8 चौके लगाते हुए 121 रन बनाए। यह आयरलैंड की महिला क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ पारी भी है।

### अफगानिस्तान टीम के सलाहकार बने एंडी फ्लावर

**काबुल,** जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर को टी-20 विश्वकप के लिए अफगानिस्तान का सलाहकार नियुक्त किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि इंग्लैंड को 2010 टी-20 विश्वकप जिताने वाले और 2009 से 2014 तक इंग्लैंड के हेड कोच रहे एंडी फ्लावर अब अफगानिस्तान की टीम के साथ जुड़ गए हैं। वह कोचिंग स्टाफ के तौर पर साथ होंगे, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टेट और प्रमुख कोच लांस क्लूजनर भी शामिल हैं। एंडी फ्लावर ने 1992 से 2003 के बीच जिम्बाब्वे का 63 टेस्ट और 213 वनडे अंतर्राष्ट्रीय में प्रतिनिधित्व किया था और इसके बाद उनका बतौर कोच कॅरियर शानदार रहा है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल), पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल), टी-10 और द हंड्रेड प्रतियोगिताओं में भी अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के साथ बतौर कोच या सलाहकार की भूमिका में योगदान दिया है।

### आयरलैंड के पॉल स्टार्लिंग ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

**दुबई,** आयरलैंड के स्टार बल्लेबाज पॉल स्टार्लिंग टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। पॉल स्टार्लिंग ने यूएई के खिलाफ खेले गए टी-20 मैच में 35 गेंदों पर 40 रनों की पारी खेली, इसमें उन्होंने कुल 4 चौके लगाए। इसी के साथ इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में उनके कुल 288 चौके हो गए। जबकि कोहली के अभी 285 चौके हैं। स्टार्लिंग ने कोहली से एक मैच कम में यह उपलब्धि हासिल की। स्टार्लिंग ने 89वें टी-20 आई मैच में यह रिकॉर्ड बनाया। जबकि कोहली ने 90 मैचों में ऐसा किया था।

यूईएफए नेशंस लीग

# फ्रांस ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीता खिताब

**मिलान,** यूईएफए नेशंस लीग के खिताबी मैच में विश्व चैंपियन फ्रांस ने स्पेन को 2-1 से हराकर विजेता बना। मैच में कैलियन एम्बाप्पे ने 10 मिनट शेष रहते अपनी टीम के लिए विजयी गोल दागा। फ्रांस ने इस मैच में उसी तरह से वापसी करते हुए मुकाबला जीता जैसे उसने बेल्जियम के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में किया था। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। इस दौरान दोनों तरफ से जबरदस्त आक्रमण किया गया, लेकिन रक्षा पंक्ति मजबूत होने के चलते दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ गोल नहीं कर सकीं।

पहला हाफ गोल रहित समाप्त होने के बाद दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ हमला तेज किया। फ्रांस के मिकेल ओयारजाबेल ने 64वें मिनट में गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। उनकी यह बढ़त सिर्फ दो मिनट तक ही कायम रही। फ्रांस की ओर से जवाबी हमला करते हुए करीम बेंजेमा ने शानदार गोल दागते हुए फ्रांस को बराबरी पर ला दिया। बता दें कि बेंजेमा की पांच साल बाद टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में यूरोपीय चैंपियन इटली ने बेल्जियम को 2-1 से शिकस्त दी।

इटली की टीम सेमीफाइनल में स्पेन से हार गई थी।

- **फ्रांस अब पुर्तगाल के बाद इस लीग को जीतने वाला दूसरा देश बन गया है।**
- **साल 2019 में पुर्तगाल ने यह खिताब अपने नाम किया था।**
- **शानदार फार्म में चल रहे फ्रांस के स्टार खिलाड़ी कैलियन एम्बाप्पे यूईएफए नेशंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे।**
- **एम्बाप्पे दो गोल और दो असिस्ट के साथ टूर्नामेंट में टॉप स्कोरर रहे।**

### सुनील छेत्री ने की पेले के रिकॉर्ड की बराबरी

**माले,** भारत के स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय गोल के मामले में ब्राजील के महानतम फुटबॉलर पेले के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। छेत्री ने मालदीव में खेली जा रही साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (सैफ) चैंपियनशिप में नेपाल के खिलाफ एक गोल कर अपने अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर कर 77वां गोल किया। पेले ने 92 मैचों में 77 गोल दागे थे। छेत्री के गोल की बदौलत भारत ने नेपाल को 1-0 से हराया। छेत्री अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में संयुक्त रूप से सबसे अधिक गोल करने वाले तीसरे एक्टिव खिलाड़ी बन गए हैं। वह संयुक्त यूएई के अली मबखौत (77) के बराबर हैं।

### वाल्टेरी बोटास ने जीती तुर्की ग्रांप्री रेस

**इस्तांबुल,** मर्सिडीज से जुड़े कार रेसर वाल्टेरी बोटास ने तुर्की ग्रांप्री में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सत्र की पहली जीत दर्ज की है। वहीं रेडबुल के मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने दूसरा स्थान हासिल करते हुए समग्र तालिका में गत चैम्पियन लुईस हैमिल्टन को पीछे छोड़ दिया। रेडबुल के सर्जियो पेरेज तीसरे स्थान पर रहे, जबकि फरारी के चार्ल्स लेक्लर्क चौथे और हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहे। 58 लैप की इस रेस में बोटास ने 49 लैप में लीड रखते हुए 1 घंटा 31 मिनट 04.103 सेकेंड का समय लिया।

एशेज सीरीज

## ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए इंग्लैंड ने किया 17 सदस्यीय दल का ऐलान

**लंदन,** इंग्लैंड ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान जो रूट को सौंपी गई है, जबकि विकेट कीपर बल्लेबाज जॉस बटलर उप-कप्तान रहेंगे। बेन स्टोक्स इस दौरे पर भी टीम के साथ नहीं होंगे, वहीं चोटिल सैम करन भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। जेम्स एंडरसन अपने पांचवें एशेज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे, जबकि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद चोटिल हुए स्टुअर्ट ब्रॉड की भी टीम में वापसी हुई है। ऑली रॉबिन्सन का सीनियर टीम के साथ ये पहला ऑस्ट्रेलियाई दौरा होगा, जबकि क्रिस वोक्स, क्रेग ओवर्टन और मार्क वुड तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किए गए हैं। स्पिन का जिम्मा जैक लीच और डॉम बेस के कंधों पर होगा। जो रूट, जॉनी बेयरस्टो और डाविड मलान ये सिर्फ तीन ऐसे बल्लेबाज इस दल का हिस्सा हैं, जिन्होंने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। हैरोरी बर्न्स और हसीब हमीद सलामी बल्लेबाज के तौर पर रहेंगे, जबकि उनके बैकअप के तौर पर जैक क्रॉली को रखा गया है, डैन लॉरेंस भी इस दल में शामिल हैं। लेकिन दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डॉम सिबली को इस दौरे पर जगह नहीं मिल पाई है।

**इंग्लैंड का 17 सदस्यीय दल इस प्रकार है :** जो रूट (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जॉस बटलर, जैक क्रॉली, हसीब हमीद, डैन लॉरेंस, जैक लीच, डाविड मलान, क्रेग ओवर्टन, ऑली पोप, ऑली रॉबिन्सन, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

## केंद्रीय खेल मंत्री ने दिल्ली हॉकी वीकेंड लीग का किया शुभारंभ

**दिल्ली,** केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में दिल्ली हॉकी वीकेंड लीग 2021-22 का शुभारंभ किया। श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि टोक्यो ओलिंपिक में पुरुष और महिला टीमों की सफलता ने भारत में हॉकी को एक खेल के रूप में नवजीवन दिया है। भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय उत्कृष्टता के लिए जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना है। प्रशिक्षण और प्रतियोगिताएं समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये एथलीटों के मनोबल को बढ़ाते हैं।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक राज्य इस तरह के आयोजन करें, ताकि हॉकी को बढ़ावा दिया जा सके और युवा प्रतिभाओं को अपने कौशल को और निखारने का अवसर मिले।

टी-20 विश्व कप

# विजेता राशि की घोषणा, टूर्नामेंट में पहली बार डीआरएस शामिल

**दुबई,** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर कुल 42 करोड़ रुपये (56 लाख अमरीकी डॉलर) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। 14 नवंबर, 2021 को दुबई में टी-20 विश्व कप की ट्रॉफी जो कोई भी जीतेगा, उसे लगभग 12 करोड़ रुपये (16 लाख यूएस डॉलर) का नकद पुरस्कार मिलेगा वहीं उपविजेता टीम को 8 लाख डॉलर (लगभग छह करोड़ रुपये) मिलेंगे, जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को चार-चार लाख डॉलर (लगभग तीन करोड़ रुपये) दिए जाएंगे। सुपर 12 चरण में हर मैच जीतने पर टीम को करीब 30 लाख रुपये मिलेंगे। इस चरण में कुल 30 मुकाबले खेले जाएंगे। इस चरण के बाद जो आठ टीमें आगे नहीं बढ़ पाती है, उन सभी को करीब 52 लाख रुपयों की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

टी-20 विश्व कप में पहली बार डिसिजन रिव्यू सिस्टम यानी डीआरएस का उपयोग किया जाएगा। आईसीसी द्वारा जारी की गई खेल की शर्तों के अनुसार, प्रत्येक टीम को प्रति पारी अधिकतम दो रिव्यू लेने का मौका मिलेगा। पुरुषों के टी-20 विश्व कप में इससे पहले डीआरएस का उपयोग नहीं किया गया था, क्योंकि इस इवेंट का अंतिम संस्करण 2016 में हुआ था जब टी-20 में डीआरएस नहीं था। 2018 महिला टी-20 विश्व कप आईसीसी का पहला टूर्नामेंट था, जिसमें डीआरएस उपलब्ध था। पुरुष क्रिकेट की बात की जाए तो इसका प्रयोग 2017 के बाद से आईसीसी के प्रमुख प्रतियोगिताओं में किया जा रहा है।

- **आईसीसी ने यह भी घोषणा की कि इस टूर्नामेंट में प्रत्येक पारी में 10 ओवरों के खेल के बाद आधिकारिक ड्रिंक्स ब्रेक होंगे। इस ब्रेक की अवधि ढाई मिनट की होगी।**
- **आईसीसी ने मैच में देरी और बारिश से बाधित मैचों के लिए न्यूनतम ओवरों की संख्या बढ़ाने का भी फैसला किया है।**
- **टी-20 विश्व कप के ग्रुप चरण के दौरान प्रत्येक टीम को डीएलएस पद्धति से परिणाम तय करने के लिए कम से कम पांच ओवर बल्लेबाजी करनी होगी।**
- **सेमीफाइनल और फाइनल के लिए प्रत्येक टीम को परिणाम तय करने के लिए कम से कम 10 ओवर बल्लेबाजी करनी होगी।**

22वीं एशियन आर्चरी चैम्पियनशिप

### मध्यप्रदेश की मुस्कान का भारतीय टीम में चयन

**भोपाल,** बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 19 से 26 नवम्बर तक आयोजित होने वाले 22वीं एशियन आर्चरी चैम्पियन-शिप में मध्य प्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी की खिलाड़ी मुस्कान किरार का चयन भारतीय कम्पाउण्ड टीम में हुआ है। मध्यप्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी की खिलाड़ी मुस्कान किरार के अलावा पीएसपीबी की ज्योति सुरेखा, पीबी की प्रनीत कौर और राजस्थान की प्रिया गुर्जर का भी चयन भारतीय कम्पाउण्ड टीम में हुआ है। प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने मुस्कान किरार के एशियन आर्चरी चैम्पियनशिप में भारतीय टीम में चयनित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। मुस्कान किरार मूलतः जबलपुर की निवासी हैं। मुस्कान को वर्ष 2018 में राज्य शासन ने एकलव्य पुरस्कार तथा वर्ष 2019 में विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया था।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

(पृष्ठ 12 का शेष)

## श्री प्रखर पाण्डे
### AIR-507

श्री प्रखर पाण्डे ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में अपने दूसरे प्रयास में 507वीं रैंक प्राप्त की है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन को प्राथमिकता दी। श्री प्रखर ने इतिहास को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। वे वर्तमान में निजी कम्पनी में कार्यरत हैं।

प्रतिदिन पढ़ने और कुछ नया सीखने की आदत, चीजों को जानने की जिज्ञासु प्रवृत्ति उनकी सफलता का मूल-मंत्र है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता, बहन और मित्र को दिया है।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री प्रखर जनता के निकट पहुँचकर उनकी समस्याओं को सुनना और बेहतर तरीके से उनका निराकरण करना चाहते हैं।

श्री प्रखर की प्रेरणा-स्त्रोत जे.के. रोलिंग की पुस्तक ''I always remember the life and struggles'' है।

परीक्षा में भाग लेने वाले भविष्य के अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- जिंदगी खूबसूरत है और इसे बेहतर बनाने की संभावनाएँ सदैव मौजूद रहती हैं। एक लक्ष्य तय कर सुव्यवस्थित तरीके से अध्ययन करें, एक समय में एक ही काम करें, आपको सफलता जरूर मिलेगी।

श्री प्रखर को किताबें पढ़ना, कहानी और निबंध लिखना बेहद पसंद है।

**परिवार**
पिता- स्व. वीरेन्द्र प्रिय पाण्डे
माता- श्रीमती सीमा पाण्डे

**जन्म-तिथि/स्थल**
29 अगस्त 1997, बदायूँ (उ.प्र.)

**शिक्षा**
बी.एस.सी.
संट अलोइस कॉलेज, जबलपुर

**सम्पर्क**
जी-4, हाथीताल कॉलोनी, जबलपुर- 482001
**मोबाइल**
8225891558
**ई-मेल**
prakhar989@live.com

## श्री अर्जित महाजन
### AIR-521

श्री अर्जित महाजन ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 521वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका तीसरा प्रयास था।

श्री अर्जित ने भूगोल को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों के लिए उन्होंने गाईडेंस आईएएस और रॉस कोचिंग संस्थान से कोचिंग ली है।

अध्ययन में निरंतर समर्पित प्रयास और कठिन परिश्रम को अपनी सफलता का मूल-मंत्र बताया है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजन को दिया है।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में श्री अर्जित सौंपे गये कार्यों को अपनी क्षमताओं के साथ बेहतर ढंग से करना चाहते हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम श्री अर्जित के प्रेरणा-स्त्रोत हैं। वे उनके कार्यों से प्रभावित हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- जिंदगी में कभी हार न मानें, प्रयत्न करते रहें आपको सफलता जरूर मिलेगी।

नुक्कड़-नाटक, चित्रकारी और ड्रम बजाना उनकी अन्य अभिरुचियाँ हैं।

**परिवार**
पिता- श्री विजय महाजन, व्यवसायी
माता- श्रीमती उदिता महाजन, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
25 जून 1996, बुरहानपुर

**शिक्षा**
बी.टेक.
आईआईटी, दिल्ली

**सम्पर्क**
202 बी बजाज जी टावर, सरस्वती नगर, इंदौर - 452009
**मोबाइल**
8889625888
**ई-मेल**
arjit.mahajan@gmail.com

## सुश्री उर्वशी सेंगर
### AIR-532

सुश्री उर्वशी सेंगर ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 532वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका तीसरा प्रयास था। वर्तमान में सुश्री उर्वशी उत्तरप्रदेश में नायब तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं।

सुश्री उर्वशी ने भूगोल को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने वाजीराम, दिल्ली कोचिंग संस्थान में अध्ययन किया।

सुश्री उर्वशी ने अध्ययन में मानसिक स्थिरता, निरंतर प्रयास और आत्मीयजन के सहयोग को अपनी सफलता का मूल-मंत्र बताया है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजन और गुरुजनों को दिया है। एनसीसी अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी उनकी प्रेरणा-स्त्रोत हैं।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सुश्री उर्वशी महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करना चाहती हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- निष्काम कर्म कभी भी विफल नहीं जाता। मेहनत करते रहिए आपको सफलता जरूर मिलेगी।

सुश्री उर्वशी को मेंहदी, संगीत और रंगोली बनाना पसंद है।

**परिवार**
पिता- श्री रविन्द्र सिंह सेंगर, इलेक्ट्रिशियन
माता- श्रीमती संतोष सेंगर

**जन्म-तिथि/स्थल**
30 जून 1995, ग्वालियर

**शिक्षा**
एम.ए.
कमलाराजा गर्ल्स कॉलेज

**सम्पर्क**
न्यू प्रेसिम विहार कॉलोनी, चार शहर का नाका, हजीरा, ग्वालियर
**मोबाइल**
9821520425
**ई-मेल**
urvashisengar1995@gmail.com

## श्री चंद्रशेखर मेहरा
### AIR- 543

श्री चंद्रशेखर मेहरा ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 543वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका पाँचवां प्रयास था। श्री चंद्रशेखर वर्तमान में भारतीय राजस्व सेवा में असिस्टेंट कमिश्नर, (अंडर ट्रेनिंग) के पद पर कार्यरत हैं। श्री चंद्रशेखर ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने वाजीराम और रवि कोचिंग संस्थान से अध्ययन किया। श्री चंद्रशेखर ने धैर्य और दृढ़ता, अध्ययन में छोटे-बड़े प्रयासों से लक्ष्य की प्राप्ति और परिश्रम को अपनी सफलता का मूल-मंत्र बताया है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, परिवारजन और मित्रों को दिया है। श्री चंद्रशेखर को खाना बनाना, फुटबॉल, टेनिस, हैंडबॉल खेलना पसंद है।

बतौर प्रशासनिक अधिकारी श्री चंद्रशेखर ग्रामीण क्षेत्रों का विकास, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। श्री चंद्रशेखर परिवार और खेल शिक्षक द्वारा दी गई जीवन की सीख को प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- असफलता अस्थाई है जबकि सफलता स्थाई है। आप स्थाई सफलता के लिए कठोर प्रयास करें आपको सफलता जरूर मिलेगी।

**परिवार**
पिता- श्री सुरेश मेहरा, किसान
माता- श्रीमती तुलसा बाई मेहरा

**जन्म-तिथि/स्थल**
13 सितम्बर 1992, नरसिंहपुर

**शिक्षा**
पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, आईआईटी, धनबाद

**सम्पर्क**
गांव सगोरिया, पोस्ट डुंगरिया, नरसिंहपुर
**मोबाइल**
9971103440
**ई-मेल**
mehrashekharchandra@gmail.com

## श्री विशाल धाकड़
### AIR-579

श्री विशाल धाकड़ ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 579 वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका दूसरा प्रयास था।

राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को उन्होंने वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

श्री विशाल ने लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रति संकल्प शक्ति, सकारात्मक व्यवहार, दृढ़ता, प्राथमिकता से अध्ययन, दूसरों के प्रति आभार भाव को अपनी सफलता की कुँजी बताया है।

प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर श्री विशाल राष्ट्रीय सुरक्षा और आदिवासियों का विकास करना चाहते हैं। श्री विशाल कार्य-क्षेत्र में अपने कार्य और व्यवहार से सहकर्मियों के प्रेरणा-स्त्रोत बनना चाहते हैं।

श्री विशाल ने भगवान और अपने परिवार को अपनी सफलता का श्रेय दिया है।

श्रीमद् भगवद् गीता और राधानाथ स्वामी की पुस्तक- 'The Journey Home' उनकी प्रेरणा-स्त्रोत हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले भविष्य के अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- यह परीक्षा आपकी मानसिक क्षमताओं की परीक्षा लेती है। आत्म-विश्वास रखें, अपना सौ प्रतिशत दें और अच्छा इंसान बनें आपको सफलता जरूर मिलेगी।

चिन्तनशील लेखन, ध्यान करना और दौड़ना श्री विशाल की रुचियाँ हैं।

**परिवार**
पिता- श्री कमल सिंह धाकड़, मैकेनिक
माता- श्रीमती असरफी धाकड़

**जन्म-तिथि/स्थल**
16 जून 1997, विदिशा

**शिक्षा**
स्नातकोत्तर, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली

**सम्पर्क**
शिवाजी नगर, कोलपुरा, हरी कुशवाह की चक्की के पीछे, गुना- 473001
**मोबाइल**
7747925005, 9893313204,
**ई-मेल**
vishal.vishaldhakad@gmail.com

## सुश्री दामिनी दिवाकर
### AIR-594

सुश्री दामिनी दिवाकर ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 594वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका तीसरा प्रयास था। मनोविज्ञान उनका वैकल्पिक विषय था। परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने स्व-अध्ययन की रणनीति अपनाई।

सुश्री दामिनी का परीक्षा में सफलता हासिल करने का मूल-मंत्र आत्म-विश्वास, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता और निरंतर अध्ययन है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माँ और बहन को दिया है, जिन्होंने उन्हें खुद पर विश्वास करना और लक्ष्य तक पहुँचने के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सुश्री दामिनी महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा गुणवत्ता के क्षेत्र में कार्य करना चाहती हैं।

परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए उनका कहना है कि- परीक्षा के लिए परिश्रम के साथ-साथ बुद्धिमत्ता से पढ़ाई भी अधिक आवश्यक है। अपनी गलतियों का स्वयं निरीक्षण करें, उन्हें सुधारें और सीखें, यही सफलता की कुँजी है।

सुश्री दामिनी को योग करना, हिंदी फिल्मों के गाने सुनना और नृत्य करना पसंद है।

**परिवार**
पिता- स्व. सतीष दिवाकर
माता- श्रीमती रश्मि दिवाकर, शिक्षिका

**जन्म-तिथि/स्थल**
27 मई 1997, सागर

**शिक्षा**
बी.एस.सी.
एक्सीलेंस कॉलेज, भोपाल

**सम्पर्क**
770/3, अंकुर कॉलोनी, शांतिपुरम तिराहा, मकरोनिया, सागर- 470004
**मोबाइल**
6260510689
**ई-मेल**
daminidiwakar@gmail.com

## सुश्री निमिषी त्रिपाठी
### AIR-622

सुश्री निमिषी त्रिपाठी ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में 622वीं रैंक प्राप्त की है। यह उनका दूसरा प्रयास था। वैकल्पिक विषयों के रूप में उन्होंने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को चुना था।

उन्होंने अपनी परीक्षा की तैयारी वाजीराम और रवि कोचिंग संस्थान दिल्ली से की।

सुश्री निमिषी ने बताया कि निरंतरता और आत्म-विश्वास से अभ्यास इस परीक्षा में सफलता हासिल करने का मूल-मंत्र है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय देते हुए बताया कि उनके माता-पिता और बहन ने उन्हें हमेशा आत्म-निर्भर और आत्म-विश्वासी बनने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही मध्यप्रदेश शासन के मुख्य वन संरक्षक श्री संजय शुक्ला को वे प्रेरणा-स्त्रोत मानती हैं, जिन्होंने उन्हें इस सफर में खुद पर विश्वास और संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सुश्री निमिषी महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहती हैं।

सुश्री निमिषी को कविता लेखन, चित्रकारी करना और पढ़ाना अधिक प्रिय है।

**परिवार**
पिता- श्री अवधेश कुमार त्रिपाठी, वनरक्षक
माता- श्रीमती शैवालिनी अवधेश त्रिपाठी

**जन्म-तिथि/स्थल**
01 नवम्बर 1996, सनावद

**शिक्षा**
बी.एस.सी.
इन्द्रप्रस्थ कॉलेज

**सम्पर्क**
फॉरेस्ट कॉलोनी, पुनासा रोड, सनावद, खंडवा
**मोबाइल**
7987037599, 7879210396
**ई-मेल**
nimishitripathi25@gmail.com

## श्री विकास सेंथिया
### AIR-642

श्री विकास सेंथिया ने सिविल सेवा परीक्षा-2020 में अपने पहले प्रयास में ही सफलता हासिल करते हुए 642वीं रैंक प्राप्त की है। वैकल्पिक विषयों के रूप में उन्होंने हिंदी साहित्य विषय का चुनाव किया था। श्री विकास ने अपनी परीक्षा की तैयारी दृष्टि आईएएस कोचिंग दिल्ली से की है।

श्री विकास ने बताया कि हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति सकारात्मकता, उद्देश्य की महानता में विश्वास और धैर्य के साथ अध्ययन ही उनका परीक्षा में सफलता हासिल करने का मूल-मंत्र है।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवारजन और माता-पिता को दिया है। साथ ही वे परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

श्री विकास प्रशासनिक अधिकारी के रूप में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। श्री विकास के प्रेरणा-स्त्रोत स्वामी विवेकानंद और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हैं। वे इन दोनों महानायक के कार्यों से बहुत प्रभावित हैं।

श्री विकास को खाना बनाना एवं डायरी लिखना अच्छा लगता है।

**परिवार**
पिता- श्री अवधेश सेंथिया, किसान
माता- श्रीमती गिरिजा सेंथिया, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
10 जुलाई 1997, भिण्ड

**शिक्षा**
स्नातक, दिल्ली विश्वविद्यालय

**सम्पर्क**
तीन टावर वाली गली, जयराम स्कूल के पीछे, वाटरवर्क्स, भिण्ड
**मोबाइल**
9911978563
**ईमेल**
vikashsenthiya@gmail.com

## श्री विनीत बंसोड़
### AIR-692

श्री विनीत बंसोड़ ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा-2020 में पहले प्रयास में 692वीं रैंक प्राप्त की है। श्री विनीत ने परीक्षा की तैयारी के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थान से अध्ययन के साथ स्व-अध्ययन किया। उन्होंने समाज शास्त्र का वैकल्पिक विषय के रूप में चयन किया था।

श्री विनीत ने बताया कि खुद पर विश्वास, उचित लोगों का मार्ग-दर्शन, सतत् प्रयास, सुनियोजित रणनीति और सकारात्मक दृष्टिकोण उनके लिए इस परीक्षा में सफलता का मूल-मंत्र बना। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने में अपना योगदान दूंगा। साथ ही जनता की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझकर पूर्ति और समाधान की दिशा में कार्य करूँगा।

श्री विनीत अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजनों को देते हैं। श्री विनीत अपने माता-पिता को अपना प्रेरणा-स्त्रोत मानते हैं। वे बताते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी उनके माता-पिता ने उन्हें उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए सतत् प्रयास किए। साथ ही उन्हें डॉ. ए.पी.जे. कलाम की किताब 'अग्नि की उड़ान' से भी प्रेरणा मिलती है।

भविष्य में होने वाली इस परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए उन्होंने कहा है कि- प्रतियोगिता से न डरें, मेहनत करने से परिणाम अवश्य ही आपके पक्ष में आयेगा। परीक्षा की प्रक्रिया आपको बेहतर इंसान बनाती है। सुनियोजित रणनीति से प्रयास करें, इससे आपको सफलता जरूर मिलेगी। श्री विनीत को बच्चों को पढ़ाना, उन्हें मार्गदर्शन देना और यात्राएँ करना पसंद है।

**परिवार**
पिता- श्री सुरेश कुमार बंसोड़, शासकीय सेवक
माता- श्रीमती वसुंधरा बंसोड़, शिक्षिका

**जन्म-तिथि/स्थल**
29 जुलाई, 1994, बालाघाट

**शिक्षा**
सिविल इंजीनियरिंग, जयपुर

**सम्पर्क**
बालाजी नगर, वार्ड नं. 4, ग्राम कोसमी, बालाघाट- 481001
**मोबाइल**
7987457418, 9828917156
**ई-मेल**
vineetbansod@gmail.com

## श्री श्लोक वाईकर
### AIR-699

श्री श्लोक वाईकर ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा-2020 में दूसरे प्रयास में 699वीं रैंक प्राप्त की है।

श्री श्लोक ने परीक्षा की तैयारी के लिए स्व-अध्ययन की रणनीति को प्राथमिकता दी। उन्होंने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

श्री श्लोक ने बताया कि आत्म-विश्वास, शांत मन, सतत् प्रयास और जिज्ञासु प्रवृत्ति से इस परीक्षा में उन्हें सफलता मिली है।

प्रशासनिक अधिकारी के रूप में ई-गवर्नेंस और इंटरनेट साक्षरता के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। श्री श्लोक अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और मित्रों को देते हैं।

श्री श्लोक वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व से प्रभावित हैं। साथ ही उन्हें Richard Bach की पुस्तक 'Jonathan Livingston Seagull' से प्रेरणा मिलती है।

परीक्षा में भाग लेने वाले भावी अभ्यर्थियों के लिए उनका संदेश है कि- परीक्षा के प्रारूप को समझें, अपनी कमियों और ताकत को पहचानें और स्व-प्रेरित रहें, सही दिशा में मेहनत से आपको सफलता जरूर मिलेगी।

श्री श्लोक को किताबें पढ़ना और फिल्में देखना पसंद है।

**परिवार**
पिता- श्री राजेन्द्र वाईकर, जिला सप्लाई कंट्रोलर
माता- श्रीमती नलिनी वाईकर, गृहिणी

**जन्म-तिथि/स्थल**
23 सितम्बर, 1994, इंदौर

**शिक्षा**
बी.टेक, केमिकल इंजीनियरिंग, मेनिट, भोपाल

**सम्पर्क**
23, स्काय ड्रीम्स परिसर, रोहित नगर फेस-1, भोपाल- 462039
**मोबाइल** - 9424891034
**ई-मेल** - shlok.waikar23@hotmail.com

# मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना

## उद्देश्य

- उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान
- सुरक्षित प्रसव
- शिशु जन्म पश्चात जच्चा एवं बच्चा के टीकाकरण व स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान करना ताकि माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्यवर्धक व्यवहारों को बढ़ावा देने हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण किया जा सके।

## पात्र हितग्राही

- गर्भवती महिला 18 वर्ष से अधिक आयु की हो
- संबंधित महिला अथवा उसका पति म.प्र. भवन संनिर्माण एवं कर्मकार मंडल अथवा म.प्र. असंगठित कर्मकार मंडल अंतर्गत पंजीकृत हो
- शासकीय चिकित्सालय में प्रसव होने की स्थिति में
- प्रसूति सहायता का लाभ अधिकतम 2 जीवित जन्म वाले प्रसव हेतु ही मान्य किया जावेगा।

### प्रथम किश्त :

गर्भावस्था के दौरान निर्धारित अवधि में अंतिम तिमाही तक चिकित्सक/एएनएम द्वारा 4 प्रसव पूर्व जांच कराने पर रुपये 4000/- देय होगी।

### द्वितीय किश्त :

शासकीय चिकित्सालय में प्रसव होने, नवजात शिशु को संस्थागत जन्म उपरांत शीघ्र स्तनपान व पंजीयन कराने पर तथा शिशु को 0 डोज बीसीजी, ओपीवी व हेपेटाइटस बी टीकाकरण कराने पर राशि रु.1200/- देय होगी।

**नोट - उक्त दोनों किश्तों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं जननी सुरक्षा योजना की राशि सम्मिलित है।**

**अधिक जानकारी के लिए खण्ड चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन से संपर्क करें।**

## लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

M.P.Madhyam/102300/R-46071/2021

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।